



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असौधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 300]
No. 300]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अगस्त 22, 2008/श्रावण 31, 1930
NEW DELHI, FRIDAY, AUGUST 22, 2008/SRAVANA 31, 1930

जाणिम्य एवं उद्योग मंत्रालय

(जाणिम्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 अगस्त, 2008

अंतिम जांच परिणाम

विषय : चीन जन.गण., चीनी ताइपेई एवं इंडोनेशिया, के मूल के या वहां से निर्यातित मेसिक एनहाइडाइड के आयातों के बारे में पाटनरोधी जांच।

सं. 14/3/2007-डीजीएडी.—वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे एतद्वशचातु अधिनियम कहा गया है) और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं वसूली तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतद्वशचातु नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए ;

2. यतः, मै. चिरूमलार्ड केमिकल्स लि., रानीपेट, तमिलनाडु (जिसे आगे "आवेदक" कहा गया है) ने चीन जन.गण., चीनी ताइपेई एवं इंडोनेशिया, (जिन्हें आगे संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के या वहां से निर्यातित मेसिक एनहाइडाइड (जिसे आगे "संबद्ध वस्तु" कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाते हुए वर्ष 1995 में यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे "अधिनियम" कहा गया है) और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं वसूली तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे आगे "नियमावली" कहा गया है) के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे आगे "प्राधिकारी" कहा गया है) के समक्ष एक आवेदन दायर किया और संबद्ध वस्तु के संबद्ध में पाटनरोधी जांच शुरू करने और पाटनरोधी शुल्क लगाने का अनुरोध किया।

3. यतः, आवेदकों द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर निर्दिष्ट प्राधिकारी ने नियमावली के उप-नियम 5(5) के अनुसार संबद्ध देशों के मूल के या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों के बारे में पाटनरोधी जांच शुरू करते हुए, 23 फरवरी, 2007 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया गया ताकि आरोपित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और प्रभाव का निर्धारण किया जा सके और पाटनरोधी शुल्क की उस राशि की सिफारिश की जा सके जिसे यदि वसूल किया जाएगा तो वह घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा।

4. निर्दिष्ट प्राधिकारी के अनुरोध पर केन्द्र सरकार ने नियमावली के नियम 17 के अनुसार इस जांच को पूरा करने की समयावधि को बढ़ाकर 22 अगस्त, 2008 कर दी है।

क. प्रक्रिया

5. प्राधिकारी द्वारा इस जांच के बारे में निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है :-

- (i) उपर्युक्त पैराग्राफ 2 में किए गए उल्लेख के अनुसार जांच शुरू करने से पूर्व प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम 5 के उपनियम (5) के अनुसार जांच की कार्यवाई शुरू करने से पूर्व आवेदक द्वारा किए गए फाटन संबंधी आवेदन की प्राप्ति के बारे में भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों/प्रतिनिधियों को अधिसूचित किया।
- (ii) प्राधिकारी ने दिनांक 23 फरवरी, 2007 की जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना की प्रतियां भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों, संबद्ध देशों के ज्ञात निर्यातकों, आवेदक द्वारा उपलब्ध कराए गए पत्तों के अनुसार आयातकों, उपभोक्ताओं और घरेलू उद्योग को भेजी और उनसे जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना के 40 दिन के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया।
- (iii) प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम 6(3) के अनुसार आवेदन के अगोपनीय रूपांतरण की प्रतियां ज्ञात निर्यातकों और संबद्ध देशों के दूतावासों को उपलब्ध कराईं।
- (iv) नियम 6(2) के अनुसार जांच की शुरुआत के बारे में भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों को इस अनुरोध के साथ सूचित किया गया था कि वे निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने के लिए अपने देशों निर्यातकों/उत्पादकों को सलाह दें। निर्यातकों को भेजे गए पत्र और प्रश्नावली के एक प्रति निर्यातकों के नाम और पत्तों के साथ उन्हें भी भेजी गई थी।
- (v) नियम 6(4) के अनुसार संगत सूचना मांगने के लिए संबद्ध देशों के निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को प्राधिकारी ने प्रश्नावली भेजी थी।

चीन जन.गण.

1. हेगझाऊ भोकिंग बायोकेमिकल इंजीनियरी कं. लि.,
तांगशी टाउन,
युआंग जिला,
हेगझाऊ 311 106
चीन जन.गण.
2. शांक्सी रीजेंट टेमिंग केमिकल कं.लि.
सं.9 जिन्हे रोड, वूलोंग कू स्ट्रीट
ताइयूआन
प्राइवेट इकोनॉमिक जोन, ताइवान, शांक्सी, चीन
3. सुझोऊ सिंथेटिक केमिकल कं. लि.
126, क्यूमेनवाई एसटी
सुझोऊ, चीन
4. शंघाई किंगडम इंडस्ट्री कं. लि.
8-13-301, 3333 झोंगचुन रोड
शंघाई 201101 चीन

चीनी ताइपेई

- 1 यूपीसी टेक्नॉलाजी कार्पोरेशन
एसएफ 20, लेन 478, रुइगांग रोड,
निहू च्यू,
ताइपेई,
चीनी ताइपेई 114
- 2 ताइवान सिंथेटिक पेट्रोकेमिकल कार्पोरेशन,
25-9ए मोरिशन प्लाजा
सेक्टर 4 जेन-अल रोड,
ताइपेई, चीनी ताइपेई, आरओसी

इंडोनेशिया

1. पीटी. जसटरा सेक्तीराया
विरमा जसटरा
जेआई. दनाऊ सेंटर लटारा सं. 27-28, ब्लॉक 03 जकार्ता,
इंडोनेशिया
(सेवेरंग केंटर पीटी.टोयटा एक्स्ट्रा मोटर-सेंटर)

(vi) जांच में भाग लेने की इच्छा व्यक्त करते हुए चीन जन.गण. के निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने जांच शुरुआत के उत्तर में अपने उत्तर दायर किए

चीन जन.गण.

1. मै. शांगसी रीजेंट टेमिंग केमिकल कं.लि. (आरटीसी) - उत्पादक तथा मै. शांगसी रीजेंट वर्क्स इंक (आरडब्ल्यूआई) - निर्यातक
2. मै. जियानलिंग सनफी फाइन केमिकल फेक्ट्री (उत्पादक) एवं मै. गोट्टेड लिम. इंडस्ट्रीज कं. लि. (निर्यातक)
3. वांगझाऊ शावांग केमिकल कं. लि. (उत्पादक/निर्यातक)

(vii) जांच में नागजए अन्य देशों के निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने भी प्रश्नावली का अपना उत्तर दायर किया और जांच में भाग लिया।

इंडोनेशिया

1. मै. पीटी जसटरा सेक्तीराया

चीनी ताइपेई

कोई नहीं

(viii) नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मांगते हुए भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों और उपभोक्ताओं की प्रश्नावली भेजी गई थी।

1. मै.फीमाथ आर्गेनिक्स लि., अकलेश्वर
2. मै.डूजोडयाला पेपर्स केमिकल्स लि., खोपोली (महाराष्ट्र)
3. मै. हिंदुस्तान बेरिक ड्रग्स, मुंबई
4. मै. नेकमको इंडस्ट्रीज, थाणे, महाराष्ट्र
5. मै. नाइकेम आर्गेनिक्स प्रा.लि. तारापुर इंड एरिया, महाराष्ट्र
6. मै. साल्मी केमिकल इंडस्ट्रीज, थाणे, महाराष्ट्र
7. मै. गोरेक्स पेट्रोकेम लि., मुंबई

- 8 मै. रचना प्लास्टीसाइजर्स, मुंबई
- 9 मै. सत्येन पालीमर्स, सिलवासा
- 10 मै. केएलजे पालिमर्स एंड केमिक्स लि., दमन
- 11 मै. पीसीआई ऑयल एंड साल्वेन्ट्स लि.
- 12 मै. वीजेन इंड लि., सिलवासा
- 13 मै. सिल्वो लाइकल केमिकल्स लि., रायगढ़
- 14 मै. ज्वेल पोलिमर्स प्रा.लि., पालघर
- 15 मै. ओरसन केमिकल्स प्रा.लि., जिला थाणे
- 16 मै. पीसीआई ऑयल एंड साल्वेन्ट्स लि., दमन
- 17 मै. नेटवर्क पोलिमर्स, तारापुर
- 18 मै. प्योर केम. प्रा.लि., अंकलेश्वर
- 19 मै. मनाली केमिकल्स, मुंबई
- 20 मै. क्रीसेंट इंटरनेशनल, मुंबई

(ix) प्राधिकारी के रिकार्डों के अनुसार निम्नलिखित आयातकों, एसोसिएशनों/हितबद्ध पार्टियों ने निर्यातक प्रश्नायली के उत्तर दायर किए/प्राधिकारी के समक्ष कुछ अनुरोध किए :

1. मै. मोरेक्स पेट्रोकेम लि., मुंबई
2. मै. वीजेन इंड लि., मुंबई
3. मै. रचना प्लास्टीसाइजर्स, मुंबई
4. मै. पोलीब्लेंड पालीमर्स प्रा.लि., मुंबई
5. मै. केवलेक्स केमिकल्स, मुंबई
6. मै.आर.के. इंड, मुंबई
7. मै. ज्वेल पोलिमर्स प्रा.लि., मुंबई
8. मै. डिबाइन पेट्रोकेमिकल प्रा.लि., मुंबई
9. मै. पोलीब्लेंड पालीमर्स प्रा.लि., मुंबई
10. मै. इंडियन प्लास्टीसाइजर्स मैनुफैक्चरर्स एसो., नई दिल्ली
11. सिलवासा प्लास्ट, सिलवासा
12. पालिएस्टर रेजिन मैनुफैक्चरर्स एसो., मुंबई

(x) इसके अलावा, संबद्ध वस्तु के एक अन्य घरेलू उत्पादक मै. मैसूर पेट्रोकेमिकल्स लि. ने सार्वजनिक सुनवाई में भाग लिया और कुछ अनुरोध किए ।

(xi) इस जांच के संबंध में किसी अन्य हितबद्ध पार्टी ने प्राधिकारी के समक्ष कोई अनुरोध या सूचना प्रस्तुत नहीं की ।

- (xii) यह जांच 1 अक्टूबर, 2005 से 30 सितंबर, 2006 तक की अवधि (जांच अवधि) के लिए की गई थी। क्षति विश्लेषण के संबंध में प्रवृत्तियों की जांच में अप्रैल, 2003-मार्च, 2004, अप्रैल, 2004-मार्च, 2005 और अप्रैल, 2005-मार्च, 2006 की अवधि तथा जांच अवधि शामिल थी।
- (xiii) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय रूपांतरण एक सार्वजनिक फाइल के रूप में हितबद्ध पार्टियों के लिए उपलब्ध किया और उसे हितबद्ध पार्टियों के निरीक्षणार्थ खुला रखा।
- (xiv) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के संबंध गोपनीयता के दावों की जांच की है। ऐसी सूचना जो गोपनीय प्रकृति की है या हितबद्ध पार्टियों द्वारा गोपनीय आधार पर उपलब्ध कराया गया है और जिसकी गोपनीयता के बारे में प्राधिकारी संतुष्ट हैं, को गोपनीय माना गया है। *** यह चिन्ह इस अधिसूचना में हितबद्ध पार्टियों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का द्योतक है और प्राधिकारी ने उसे नियमानुसार गोपनीय ही माना है।
- (xv) प्राधिकारी ने समस्त हितबद्ध पार्टियों को अपने विचार प्रस्तुत करने के लिए एक अवसर उपलब्ध कराने के प्रयोजनार्थ 7 मई, 2008 को सार्वजनिक सुनवाई आयोजित की। सार्वजनिक सुनवाई के दौरान पार्टियों द्वारा किए गए मौखिक अनुरोधों को लिखित में पुनः प्रस्तुत किया गया और उन्हें इस जांच के प्रयोजनार्थ रिकार्ड में लिया गया है।
- (xvi) प्राधिकारी ने संभव सीमा तक घरेलू उद्योग सहित हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत सूचना का सत्यापन किया। प्राधिकारी की संगत प्रक्रिया के अनुसार घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत (एनआईपी) का निर्धारण करने के लिए घरेलू उद्योग का लागत सत्यापन किया गया था।
- (xvii) उपर्युक्त नियमावली के नियम 16 के अनुसार इन जांच परिणामों के लिए विचारित आवश्यक तथ्यों/आधार का प्रकटन ज्ञात हितबद्ध पार्टियों के समक्ष किया गया था और उन पर प्राप्त टिप्पणियों पर इन जांच परिणामों में विधिवत विचार किया गया है।
- (xviii) आवेदक द्वारा प्रस्तुत सूचना और प्राधिकारी द्वारा सत्यापित सूचना के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तु की इष्टतम उत्पादन लागत तथा उसे बनाने और बेचने की लागत का निर्धारण सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) को ध्यान में रखकर किया गया था ताकि इस बात का पता लगाया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा।

ख. विचाराधीन उत्पाद एवं समान वस्तु

6. विचाराधीन उत्पाद "मेलिक एन हाइड्राइड" (एमएएन) है (जिसे "संबद्ध वस्तु" कहा गया है)। एमएएन एक कार्बनिक एसिड एन हाइड्राइड (सी २, एच ४ ओ ३) है जो आम तौर पर पिलो आकार के ब्रिकेट रूप में या मोल्टन रूप में उपलब्ध होता है। इन दोनों रूपों को इस जांच में विचाराधीन उत्पाद के भीतर माना गया है। एमएएन का उपयोग अनसेचुरेटेड पालिएस्टर रेजिन, अल्किड रेजिन, पेपर साइजिंग रसायन, कीटनाशकों और परिष्कृत रसायनों के विनिर्माण में किया जाता है। एमएएन

आईटीसी (एचएस) के उपशीर्ष 29171400 के अंतर्गत वर्गीकृत है। तथापि, सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जांच के दायरे पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है।

7. आवेदक ने दावा किया है कि उनके द्वारा उत्पादित वस्तु संबद्ध देशों के मूल की या वहां से निर्यातित वस्तु के समान वस्तु है। आवेदक द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु और संबद्ध देशों से निर्यातित वस्तु में कोई खास अंतर नहीं है। घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित एमएएन विचाराधीन उत्पाद के समानुरूप है और इसलिए इसे इस जांच के प्रयोजनार्थ समान वस्तु माना जा रहा है। विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के बारे में किसी भी आयातक/उपभोक्ता/निर्यातक/हितबद्ध पार्टी ने कोई टिप्पणी/आपत्ति/अनुरोध दायर नहीं किया है।

ग. घरेलू उद्योग और उसका आधार

8. यह आवेदन मै. तिरुमलाई केमिकल्स लि., रानीपेट द्वारा दायर किया गया था। आवेदक ने दावा किया कि उनका हिस्सा संबद्ध वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन के 80% से अधिक बनता है और वे उपर्युक्त नियमावली के नियम 2(ख) के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग हैं, क्योंकि आवेदक कंपनी का उत्पादन कुल भारतीय उत्पादन के 50% से अधिक बनता है।

ग.1 अन्य हितबद्ध पार्टियों के विचार

9. मै. चांगझाऊ याबांग केमिकल कं. लि., चीन जन.गण. तथा इंडियन प्लास्टीसाइजर्स मैनु.एसो. ने बताया है कि आवेदक समान वस्तु का विनिर्माण करने वाला समग्र घरेलू उद्योग नहीं है और आवेदक को घरेलू उद्योग मानना वर्ष 2006 (202) ईएलटी 23 (एससी) में सूचित रिलायंस इंडस्ट्रीज बनाम नि.प्रा. के मामले में माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णय का उल्लंघन और उसकी अवहेलना होगा।

10. मै. जियानजिन सनफी फाइन केमिकल फेक्ट्री, चीन जन.गण. तथा मै. गोल्डलिक इंड कं. लि., चीन जन.गण. ने बताया है कि माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा रिलायंस के मामले में निर्णय (उपर्युक्त के बाद) प्राधिकारी द्वारा निरंतर यह विचार अपनाया गया है कि देश के सभी उत्पादक ही नियम 2 (ख) के अनुसार "घरेलू उद्योग" बन सकते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि आवेदक द्वारा मलेशिया में अपनी संबद्ध कंपनी से भारी मात्रा में आयात किया जा रहा है और एक आयातक होने के नाते वह घरेलू उद्योग का पात्र नहीं है और उसे नियम 2(ख) के प्रयोजनार्थ अयोग्य घरेलू उद्योग घोषित किया जाना चाहिए। चूंकि सभी घरेलू उत्पादकों ने अपेक्षित सूचना प्रस्तुत नहीं की थी, इसलिए आवेदक को असहयोगी माना जाना चाहिए।

ग.2 आवेदक के विचार

11. उपर्युक्त के उत्तर में आवेदक ने निम्नलिखित अनुरोध किए:

- (i) रिलायंस इंडस्ट्रीज बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी के मामले में माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णय के बाद ही प्राधिकारी द्वारा प्रमुख अनुपात संबंधी जांच को लागू करने हुए नियम 2(ख) के अनुसार घरेलू उद्योग के क्षेत्र का निर्धारण किया जा रहा है और इस संबंध में उन्होंने प्राधिकारी द्वारा निर्णित विभिन्न मामलों का उल्लेख किया है ।
- (ii) आवेदक ने यह तर्क दिया है कि प्राधिकारी की उपर्युक्त प्रणाली को जारी रखते हुए जब तक भागीदार उत्पादकों का भारत में कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है, तब तक प्राधिकारी उन्हें घरेलू उद्योग मानता है । इस मामले में आवेदक का भारत में संबंधित उत्पाद के कुल उत्पादन का 80% से अधिक हिस्सा बनता है और इस प्रकार वह "प्रमुख अनुपात" की जांच को पूरा करता है औ इसलिए आवेदक को नियम 2(ख) अर्थ के भीतर "घरेलू उद्योग" का प्रतिनिधि माना जाना चाहिए ।
- (iii) इसके अलावा, जहां तक मलेशिया से संबंधित उत्पाद के आयातों का संबंध है, आवेदक ने अनुरोध किया है कि मलेशिया संबद्ध देश नहीं है और इस प्रकार असंबद्ध देशों से आयातों पर विचार नहीं किया जाना चाहिए । किसी मामले में आवेदक ने मलेशिया से अल्प मात्रा में आयात किया था । आवेदक के उत्पादन के प्रतिशत के रूप में मलेशिया से आयातित मात्रा जांच अवधि के दौरान मात्र 5.8% रही थी ।
- (iv) इसके अलावा, आवेदक को इस आधार पर कि अल्प उत्पादन क्षमता रखने वाले अन्य उत्पादक ने जांच में भाग नहीं लिया, असहयोगी घरेलू उत्पादक मानने का प्रश्न नहीं उठता है । आवेदक उत्पादक ने प्राधिकारी के साथ पूरा सहयोग किया है और प्राधिकारी उपलब्ध तथ्यों के आधार पर कोई निर्णय ले सकते हैं ।

ग.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

12. प्राधिकारी ने हितबद्ध पार्टियों और आवेदक के विचारों की निम्नानुसर जांच की है:-

- (i) जांच की शुरुआत से पूर्व इंडियन केमिकल काउंसिल, मुंबई ने प्राधिकारी के पास इस आशय का एक पत्र दायर किया कि भारत में संबद्ध वस्तु के केवल दो विनिर्माता अर्थात् तिरुमलाई केमिकल्स लि. और मैसूर पेट्रोकेमिकल्स लि. हैं जिनकी क्षमता क्रमशः 17750 एमटीपीए और 5400 एमटीपीए है । आवेदक के वास्तविक उत्पादन और अन्य उत्पादक (कों) की क्षमता को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने यह निष्कर्ष निकाला कि आवेदक का भारत में

संबद्ध वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन के 68% से अधिक का हिस्सा बनता है। चूंकि आवेदक नियमावली के नियम 5(3) में निर्धारित आधार संबंधी अपेक्षाओं को पूरा करता है, इसलिए प्राधिकारी ने जांच शुरू की। प्राधिकारी ने आवश्यक सूचना उपलब्ध कराने के लिए अन्य उत्पादक को भी पत्र लिखा। जांच की शुरुआत के बाद मैसूर पेट्रोकेमिकल्स कं. लि. ने वास्तविक उत्पादन मात्रा का ब्यौरा प्रस्तुत किया। मैसूर पेट्रोकेमिकल्स कं. लि. द्वारा सूचित वास्तविक उत्पादन को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने यह पाया कि आवेदक का संबद्ध वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन के 80% से अधिक हिस्सा बनता है और इस प्रकार उसने उपर्युक्त नियमावली के नियम 2(ख) में निर्धारित मानदंड को पूरा किया है। प्राधिकारी ने यह भी पाया कि आवेदक ने संबद्ध देशों से वस्तु का आयात नहीं किया है।

(ii) इसके अलावा, आवेदक ने मलेशिया से संबद्ध वस्तु का आयात किया था न कि किसी अन्य संबद्ध देश से। उनके द्वारा मलेशिया से आयातित मात्रा आवेदक के कुल उत्पादन के 5.8% से कम थी। आवेदक ने यह कहा है कि आयात मुख्यतः निर्यातों के लिए खाद्य अमलों जैसे अन्य मूल्यवर्धित उत्पादों के विनिर्माणों के निर्माण हेतु शुल्क मुक्त अग्रिम लाइसेंसों के अधीन किए गए थे। उपर्युक्त के मद्देनजर प्राधिकारी यह मानते हैं कि नियम 2(ख) के अंतर्गत वहेष्करण खंड किसी भी हालत में लागू नहीं होता है।

(iii) तथ्यों की जांच करने के बाद प्राधिकारी यह मानते हैं कि आवेदक का उत्पादन भारत में संबद्ध वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है और तदनुसार वह यह निर्धारित करते हैं कि आवेदक नियम 2(घ) के साथ पठित नियम 2(ख) के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग है और आवेदक उपर्युक्त नियमावली के नियम 5 के अनुसार आधार संबंधी मानदंड को पूरा करता है।

घ. न्यूनतम सीमाएं

13. आवेदक ने आवेदन में दो स्रोतों से आयात संबंधी आंकड़े उपलब्ध कराए थे। डीजीसीआईएस के आंकड़ों में 30 जून, 2006 तक के आंकड़े आवेदन में शामिल किए गए थे। आवेदन में उल्लिखित आईबीआईएस के आंकड़ों में समूची क्षति अवधि शामिल थी। बाद में संपूर्ण आंकड़े उपलब्ध कराए गए और प्राधिकारी ने विश्लेषण हेतु डीजीसीआईएस के आंकड़ों पर भरोसा किया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से आयातित मात्राएं उपर्युक्त नियमावली के नियम 5(3) के अंतर्गत निर्धारित सीमा से अधिक थीं।

४ अन्य मुद्दे

४.1 निर्यातकों, आयातकों, उपभोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पार्टियों के विचार

14. निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा उठाए गए अन्य मुद्दों को रिकार्ड में लिया गया है ।

- (i) चांगझाऊ याबांग केमिकल कं. लि., चीन. जन.गण. ने यह बताया कि जांच अवधि और पूर्ववर्ती वित्त वर्ष में मार्च, 2006 तक की अवधि अभिभावी थी और यह अभिभावी अवधि काफी अधिक थी जिसका आंकड़ों से किए गए मिलान पर गंभीर प्रभाव पड़ता है । इस प्रकार उनका अनुरोध है कि प्राधिकारी द्वारा आवेदक को आंकड़ों की पुनः गणना कर उन्हें प्रस्तुत करने का आदेश दिया जाना चाहिए । चांगझाऊ याबांग केमिकल कं. लि. चीन. जन.गण. ने यह बताया कि याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत लागत सूचना अपर्याप्त है क्योंकि पत्र क, ख, ग-1, ग-11, घ और ङ के अगोपनीय रूपांतरण उपलब्ध नहीं कराए गए थे । निवल बिक्री, उत्पादन और खपत से संबंधित सूचना को गोपनीय माना गया है यद्यपि, यह उनकी वार्षिक रिपोर्टों में (वार्षिक रिपोर्ट, 2003-04, 2004-05 और 2005-06 के पैरा 21-22) में उपलब्ध थी ; आवेदक ने केवल यह कहते हुए कई प्रदर्शकों (प्रदर्शक 6,7, 12,13,14,15,16,17,18 तथा 23)के लिए गोपनीय व्यवहार का दावा किया था और इसके बारे में ऐसे कोई ब्यौरे प्रस्तुत नहीं किए थे, जिनके आधार पर गोपनीय व्यवहार प्रदान किया जाना चाहिए ; आवेदकों ने आवेदन की लागत सूचना के प्रश्न सं. 10 के उत्तर के अनुसार लगाई गई पूंजी पर अधोषित आय (आरओसीई) का दावा किया था ; आवेदक ने अत्यंत गोपनीयता का दावा किया था और वह कुछ संगत सूचना प्रकट करने में विफल रहा था ; अगोपनीय रूपांतरण के रूप में कारखाना निर्यात कीमत की गणना के बारे में साक्ष्य अधूरा था ; और आवेदक द्वारा प्रदत्त अगोपनीय सूचना त्रुटिपूर्ण थी और उसमें पर्याप्त सारांश या सूची उपलब्ध नहीं कराई गई थी ।
- (ii) मै. जियानजिन सनफी फाइन केमिकल फक्ट्री (उत्पादक) एवं मै. गोल्ड लिंक इंडस्ट्रीज कं. लि. (निर्यातक) ने यह बताया कि घरेलू उद्योग द्वारा अत्यधिक गोपनीयता का दावा बिक्री कीमत, कीमत कटौती के प्रतिशत और कम कीमत पर बिक्री के प्रतिशत आदि का सारांश घोषित किए बिना ही किया गया है ।
- (iii) आयातकों/एसोसिएशनों/ अन्य हितबद्ध पार्टियों ने विनिर्माण प्रक्रिया में प्रयुक्त कच्ची सामग्री, विनिर्माण प्रक्रिया में प्रयुक्त कच्ची सामग्री के संबंध में लागत मितव्ययिता, अल्प उत्पादन और घरेलू उद्योग से संबंध वस्तु की कम उपलब्धता आवेदक द्वारा मलेशिया में एक संयंत्र की स्थापना के साथ-साथ घरेलू बाजार में बढ़ती हुई मांग के बारे में विभिन्न मुद्दे उठाए हैं और इनका जांच शुरुआत में विरोध किया है ।

- (iv) इंडोनेशिया सरकार ने यह बताया कि जांच अवधि, अक्टूबर, 2005 से सितंबर, 2006 है इसलिए पूर्ववर्ती वर्षों के आंकड़े तदनुकूपी बाहर माह की अवधि अर्थात् अक्टूबर 07-सितंबर 03, अक्टूबर 03-सितंबर, 04 आदि के लिए एकत्र किए जाएंगे। पीटी जस्टस सेवती राया ने मई, 2006 के बाद भारत को संबंधित वस्तु का निर्यात नहीं किया जबकि चीन जन.गण. से निर्यात में पर्याप्त वृद्धि हुई। निर्दिष्ट प्राधिकारी को डब्ल्यूटीओ पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 3.5 के अनुसार समस्त 15 अनिवार्य क्षति कारकों पर विचार करेंगे। चीनी ताइपेई के निर्यातकों को प्रदत्त व्यवहार में अंतर होना चाहिए क्योंकि उनमें से किसी ने भी इस जांच में सहयोग नहीं किया है। असहयोगी कंपनियों पर सहयोगी कंपनियों की तुलना में अधिक पाटनरोधी शुल्क लगाया जाना चाहिए।

82 घरेलू उद्योग के विचार

15. घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित विचार प्रस्तुत किए हैं :

- (i) आवेदक ने यह उल्लेख किया है कि कई मामलों में प्राधिकारी द्वारा निर्धारित जांच अवधि वित्त वर्ष या कलेंडर वर्ष के अनुरूप नहीं थी; ऐसे सभी मामलों में जांच अवधि और उसकी तत्काल पूर्ववर्ती अवधि के बीच आंकड़ों में असमानता रही होगी; जांच अवधि के 12 माह के साथ पूर्ववर्ती वर्ष के आंकड़ों को समायोजित करना अव्यवहार्य होगा; ऐसी किसी प्रक्रिया से विभिन्न मापदंडों के घट-बढ़ में कोई अंतर्दृष्टि नहीं मिल सकती है। तब वर्तमान आंकड़ों में क्या दर्शाया गया है; इससे किसी सम्मुख लाभों के बिना अपरिहार्य व्यय ही होगा। पिछले किसी भी मामले में प्राधिकारी ने संभावित अमिश्रितता को दूर करने के लिए जांच अवधि के साथ आंकड़ों का मिलान करने हेतु पिछले आंकड़ों का ऐसा कोई समायोजन करने पर जोर नहीं दिया है। यह मांग अव्यवहारिक है और इस प्रकार इसे निरस्त किए जाने की जरूरत है।

- (ii) इसके उत्तर में घरेलू उद्योग ने यह बताया कि प्रपत्र क, ख, ग-1, ग-11, घ और ङ (पृष्ठ सं. 26 से 31 में) के अवलोकन से यह पता चलेगा कि इन प्रपत्रों की गोपनीयता का दावा करने के कारणों का संगत पृष्ठों में ज़रूरत से अधिक उल्लेख किया गया; यह आरोप गलत है कि गोपनीयता का दावा करने के लिए कोई कारण नहीं दिया गया है; सार्वजनिक सुनवाई के अनुसरण में घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत लिखित अनुरोधों में उत्पादित, विक्रीत आउट आबंद रूप खपत की गई मात्रा के बारे में सूचना प्रकट की गई है; प्रदर्शक 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18 तथा 23 में निर्दिष्ट सूचना व्यापार संवेदनशील थी और/या इसे गोपनीय अर्थों पर अन्य स्रोतों से प्राप्त किया गया था और/या इसके प्रदर्शकों के लिए गोपनीय व्यवहार का अनुरोध किया गया; क्षतिरहित कीमत की गणना अत्यंत

व्यापार संवेदशनी थी क्योंकि यह घरेलू उद्योग के संबंधित उत्पादन लागत, बिक्री और उत्पाद से जुड़ी थी और इसलिए इस प्रयोजनार्थ (आवेदन की लागत सूचना के प्रश्न सं.10 के उत्तर में) गोपनीय व्यवहार का अनुरोध किया गया था और यह कि आवेदक ने अत्यधिक गोपनीयता का दावा नहीं किया था। आवेदक ने यह दावा किया था कि उनके द्वारा प्रस्तुत आवेदन में अन्य मामलों में दायर आवेदनों में प्रकटित आंकड़ों की तुलना में उच्चतर मात्रा का प्रकटन किया गया है।

ड3 प्राधिकारी द्वारा जांच:

16. प्राधिकारी ने उपर्युक्त विचारों की जांच की है और निम्नानुसार मत व्यक्त किया है:

(i) घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत आवेदन में वर्तमान जांच को न्यायोचित ठहराने के लिए पर्याप्त साक्ष्य नहीं थे।

(ii) प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति विश्लेषण के लिए जांच अवधि वित्तीय वर्ष अर्थात् 2003-04, 2004-05 और 2005-06 तथा जांच अवधि भी थी जो अक्टूबर, 2005 से सितंबर, 2006 की थी। यद्यपि वित्त वर्ष 2005-06 और जांच अवधि के बीच 6 माह का अंतर था, तथापि 12 माह शामिल थे और प्रवृत्ति की तुलना दो पूर्ववर्ती वित्तीय वर्षों के संबंध में की गई थी जिनमें कोई अंतर नहीं था। यदि इस अंतर से बचना था तो सभी तीनों पूर्ववर्ती वित्तीय वर्षों के आंकड़ों में संशोधन करना होता ताकि अप्रैल-मार्च के स्थान पर अक्टूबर-सितंबर के आंकड़े दर्शाए जा सकें। ऐसा कोई परिवर्तन बोज़िल होगा। प्राधिकारी नोट करते हैं कि ऐसे किसी परिवर्तन के बिना भी आंकड़ों से प्राप्त प्रवृत्ति उचित और भरोसेमंद थी। किसी भी मामले में हितबद्ध पार्टियों ने ऐसा कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया जिससे यह पता चल सके कि अंतर के कारण आंकड़ों में कोई फेर-बदल हुआ है। इस बात को देखते हुए प्राधिकारी यह आवश्यक नहीं मानते हैं कि पूर्ववर्ती तीन वर्षों के आंकड़ों का मिलान तदनुसूची 12 माह की जांच अवधि से किया जाए।

(iii) हितबद्ध पार्टियों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना की जांच गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में की गई थी। संतुष्ट होने के बाद प्राधिकारी ने अपेक्षानुसार गोपनीयता प्रदान की है और ऐसी सूचना को गोपनीय माना गया है और इसका प्रकटन अन्य हितबद्ध पार्टियों के समक्ष नहीं किया गया है। जहां कहीं संभव हुआ है, गोपनीय आधार पर सूचना उपलब्ध कराने वाली पार्टियों को गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतरण उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया था।

पार्टियों द्वारा प्रस्तुत अगोपनीय आधार पर प्रस्तुत तथा सूचीकृत या संक्षेपित गोपनीय सूचना सार्वजनिक फाइल में रखी गई है।

(iv) प्राधिकारी नोट करते हैं कि हितबद्ध पार्टियों ने घरेलू उद्योग के हित संबंधी दावों और कुछेक सार्वजनिक हित के मुद्दे उठाए हैं। उठाए गए मुद्दे विस्तृत जांच का विषय है और प्राधिकारी ने इस जांच परिणाम में उचित स्थानों पर उनकी जांच की है।

घ. पाटन मार्जिन का निर्धारण

17. अनुबंध-1 में दिए गए ध्यौरे के अनुसार चीन के तीन उत्पादकों इंडोनेशिया के एक उत्पादक ने किस जांच में प्रश्नावली का उत्तर दिया और चीनी ताइपेई के किसी भी उत्पादक से कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ।

घ.1 निर्धारण की कार्यप्रणाली

18. प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारत के माननीय उच्चतम न्यायालय ने सिविल अपील सं. 2001 की 1294, मै. रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी एवं अन्य में यह निर्णय दिया है कि सामान्य मूल्य निर्यात विशिष्ट न होकर निर्यातक देश विशिष्ट होता है।

19. उपर्युक्त आदेशों के अनुसरण में संबद्ध देशों के लिए संबद्ध वस्तु के सामान्य मूल्य का निर्धारण किया गया है। इन देश विशिष्ट सामान्य मूल्यों की तुलना अलग-अलग निर्यातकों की तदनुरूपी संबद्ध वस्तु की निर्यात कीमतों के साथ की गई है ताकि संबंधित निर्यातकों का अलग-अलग पाटन मार्जिन निर्धारित किया जा सके।

घ.2 चीन जन.गण. तथा बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी दावों की जांच

20. जैसा कि पूर्ववर्ती खंड में नोट किया गया है, चीन जन.गण. के तीन उत्पादकों/निर्यातकों ने जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना का उत्तर दायर किया है। तीनों सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों का सत्यापन नियमों के अनुसार किया गया था और ऐसे सत्यापन की रिपोर्टें प्राधिकारी द्वारा संबंधित उत्पादन/निर्यातक को उपलब्ध कराई गई थी।

21. प्राधिकारी नोट करते हैं कि नियमावली के अनुबंध के पैराग्राफ 8(2) के अनुसार चीन जन.गण. और उसके निर्यातकों के प्रति गैर-बाजार अर्थव्यवस्था का अनुमान लगाया गया था, परंतु चीन जन.गण. के निर्यातकों ने उक्त पैराग्राफ के दूसरे परंतुक के अनुसार अपने लिए बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार का दावा किया और उक्त अनुबंध के पैरा 8.3 में निर्धारित और निम्नलिखित तथ्यों के अनुसार बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान करने के लिए अलग-अलग उत्पादन/निर्यातक के दावों को तय करने हेतु अनुबंध-1 के पैरा 7 में निर्धारित सिद्धांतों के बजाए पैरा 1 से 6 में

निर्धारित सिद्धांतों के अनुसार चीन जन.गण. में अपने सामान्य मूल्य का दावा किया है :

मै. शांक्सी रीजेंट टेमिंग केमिकल कं.लि. (आरटीसी)- उत्पादक तथा मै. शांक्सी रीजेंट वर्क्स इंक (उसूयुआरआई)-निर्यातक

22. प्रतिवादी कंपनी की सूचना एवं परिसंपत्ति हस्तांतरण की प्रक्रिया का सत्यापन कंपनी के रिकार्डों से किया गया था ताकि कंपनी की पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों से हुई विकृतियों, यदि कोई हो, का पता लगाया जा सके और यह पाया गया है:

- (क) आरंभ में मै. एएए जो कि देश के स्वामित्व वाला उद्यम है, ने *** स्थित उत्पादक के पते पर कारोबार शुरू किया और यह सूचित किया कि *** में आरंभिक निवेश के बारे में कोई सूचना नहीं दी गई है ।
- (ख) दिनांक *** को मै. बीबीबी की स्थापना सीसीसी की 64.39% के साथ आरएमबी *** (आरएमबी ***) और राज्य की स्वामित्व वाली परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनी डीडीडी की 35.07% (आरएमबी ***) की पंजीकृत पूंजी के साथ शेयरों द्वारा सीमित कंपनी के रूप में की गई थी । यह सूचित किया गया था कि *** कर्मचारियों को आरएमबी *** (अर्थात्) कथनानुसार 64.93% की राशि का भुगतान किया गया था और इसके समर्थन में सत्यापन हेतु दस्तावेज प्रस्तुत किए गए थे । डीडीडी जो कि राज्य की स्वामित्व वाली परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनी है के 35.07% शेयरों के लिए कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया था जिससे यह पता चल सके कि इसका आकलन कैसे किया गया था और कितनी नियत परिसंपत्तियां एवं देनदारियां शेयरों के उक्त भाग के लिए नई कंपनी को प्रदान की गई थी । रूपांतरण की तारीख अर्थात् *** को नियत परिसंपत्ति रजिस्टर में एएए की मूल्यांकन रिपोर्ट रूपांतरण की पारदर्शिता का मूल्यांकन करने के लिए उपलब्ध नहीं कराई गई थी । सत्यापन रिपोर्ट के उत्तर में उत्पादक ने यह इंगित किया था कि यह रूपांतरण वर्ष 2005 में अंतिम निजीकरण से पूर्व किया गया था जिसकी जांच करने की जरूरत है ।
- (ग) राज्य स्वामित्व वाली परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनी डीडीडी और मै. ईईई के बीच दिनांक *** को निष्पादित एक करार प्रस्तुत किया गया था । उक्त करार के अनुसार डीडीडी ने आरएमबी 0 (शून्य) के प्रतिफल पर अपने शेयरों का हस्तांतरण ईईई को करने पर सहमति व्यक्त की और ईईई ने बीबीबी का उत्पादन पुनः शुरू करने के लिए अतिरिक्त निधियों का निवेश करने पर सहमति जताई । इसके अलावा, हस्तांतरण की तारीख को परिसंपत्तियों और देनदारियों के मूल्यांकन का कोई ब्यौरा उपलब्ध नहीं कराया गया । सत्यापन रिपोर्ट के उत्तर में उत्पादक ने यह बताया कि ईईई ने स्थानीय कर ब्यूरो को संदेय

*** आरएमबी की देनदारी स्वीकार की। स्थानीय कर ब्यूरो के प्रति देनदारी को हिसाब में लेने के बार निबल परिसंपत्ति नकारात्मक बन गई और दोनों पार्टियों ने ईईई के लिए कर देनदारी छोड़ते हुए शुच्य प्रतिफल पर शेयरों के हस्तांतरण पर सहमति व्यक्त की। कंपनी ने दिनांक *** की स्थिति के अनुसार परिसंपत्ति मूल्यांकन रिपोर्ट प्रस्तुत की और हस्तांतरण की तारीख अर्थात् *** को कोई परिसंपत्ति मूल्यांकन रिपोर्ट उपलब्ध नहीं कराई गई थी।

- (घ) उपर्युक्त (ग) में उल्लिखित करार के अनुसार मै. ईईई ने *** आरएमबी तक का निवेश किया और तदनुसार पंजीकृत प्रदत्त पूंजी बढ़ाकर *** आरएमबी कर दी। इस प्रकार मै. ईईई के पास कुल इक्विटी शेयरों की 91.25% धारिता थी और सीसीसी ने शेष 8.75 % इक्विटी शेयर धारित किए। इस संबंध में दिनांक *** की पूंजी सत्यापन रिपोर्ट प्रस्तुत की गई थी।
- (ङ) दिनांक *** को मै. ईईई ने बीबीबी में 25% शेयर मै. एफएफएफ (अमरीका आधारित एक कंपनी) को हस्तांतरित कर दिए। हस्तांतरण के बाद बीबीबी को ईईई (66.25%), एफएफएफ (25%) और सीसीसी (8.75%) द्वारा धारित किया गया।
- (च) मै. ईईई से मै. एफएफएफ को शेयरों के हस्तांतरण के साथ बीबीबी चीन के एक उद्यम से बदलकर चीन-विदेशी इक्विटी खाता संयुक्त उद्यम बन गया। वर्ष *** में बीबीबी ने विदेशी निवेशित उद्यम का प्रमाण पत्र प्राप्त किया और अपना नाम बदलकर रीजेंट सीजेंट केमिंग केमिकल कं. लि. (जिसे आगे आरटीसी कहा गया है) रख लिया।
- (छ) आरटीसी में 88.25% धारिता वाली मै. ईईई की स्थापना *** आरएमबी की मूल पूंजी के साथ जीजीजी एवं एचएचएच (सिंगापुर की एक कंपनी) के वित्तपोषण द्वारा *** को की गई थी। यह बताया गया था कि एक प्रकृत व्यक्ति द्वारा वित्तपोषित जीजीजी एक सीमित देयता वाली कंपनी थी जो अब अस्तित्व में नहीं है। यह बताया गया था कि मूल शेयरधारकों अर्थात् जीजीजी एवं एचएचएच दोनों ने अपने शेयर*** में क्रमशः मै. रीजेंट वर्क्स इंक तथा एफएफएफ को हस्तांतरित कर दिए थे। रीजेंट वर्क्स इंक सीमित देयता वाली एक कंपनी है और यह चीन के दो व्यक्तियों द्वारा धारित है। इसके अलावा, *** में एक नए शेयरधारक अर्थात् जेजेजे को तीसरे शेयरधारक के रूप में मै. ईईई में शामिल किया गया। यह बताया गया कि जेजेजे की स्थापना *** को की गई थी और इसके शेयर धारक तीन प्रकृत व्यक्ति हैं, जो चीन के व्यक्ति हैं। मै. ईईई में शेयरों की खरीद हेतु जेजेजे द्वारा प्रदत्त प्रतिकल का ब्योरा सत्यापन हेतु उपलब्ध नहीं कराया गया था।

- (ज) आरटीसी ने एक संबद्ध कंपनी अर्थात् शांक्सी रीजेंट वर्क्स इंक (आरडब्ल्यू आई) के जरिए भारत को वस्तु का निर्यात किया। रीजेंट वर्क्स का एक शेयरधारक-वांगझी टेम्पिंग में कार्यकारी निदेशक था। यह पाया गया था कि दोनों कंपनियों के दैनिक प्रचालनों का निष्पादन श्री वांगझी द्वारा किया गया था।
- (झ) प्रकटन विवरण पर उत्पादक तथा निर्यातक से कोई टिप्पणी प्राप्त नहीं हुई थी। इसके अलावा, सत्यापन रिपोर्ट के उत्तर में उत्पादक का यह तर्क भी उचित नहीं है कि वर्ष 2005 में पूर्ण निजीकरण से पहले रूपांतरण की जांच करने की जरूरत है।

23. उपर्युक्त को देखते हुए प्राधिकारी यह मानते हैं कि कंपनी के प्रचालनों पर पर्याप्त निवेश, प्रभाव और नियंत्रण राज्य द्वारा रखा जा रहा है और तदनुसार उत्पादक कंपनी (आरटीसी) इस अनुमान का खंडन करने में विफल रही है कि वह गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाली स्थितियों में प्रचालन कर रही है। प्राधिकारी यह भी मानते हैं कि उपर्युक्त तथ्यों को ध्यान में रखते हुए निर्यातक कंपनी (आरडब्ल्यूआई) के प्रचालनों में राज्य के हस्तक्षेप से इंकार नहीं किया जा सकता और तदनुसार निर्यातक इस अनुमान का भी खंडन करने में विफल रहा है कि वह गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाली स्थितियों में प्रचालन कर रहा है।

मै.जियानजिन सनफी फाइन केमिकल फेक्ट्री-उत्पादक और मै. गोल्ड लिंक इंड कं. लि.-निर्यातक

24. आरंभ में केवल एक उत्पादक अर्थात् जियानजिन सनफी फाइन केमिकल फेक्ट्री ने एमईटी प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया और निर्यातक अर्थात् गोल्ड लिंक इंड कं. लि. ने एमईटी प्रश्नावली का उत्तर दायर नहीं किया। प्राधिकारी के कहने पर गोल्ड लिंक ने बाद में एमईटी प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया। प्रतिवादी कंपनियों के रूपांतरण और संपत्ति हस्तांतरण की प्रक्रिया का सत्यापन कंपनी के रिकार्डों से किया गया ताकि कंपनी की पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाली स्थिति की तुलना में विकृतियों, यदि कोई हो, का पता लगाया जा सके और यह पाया गया है :

- (i) मै.जियानजिन सनफी फाइन केमिकल फेक्ट्री (सनफी) एक एकल स्वामित्व वाली कंपनी है। जिसकी समूची पूंजी *** एमबी है। जिसका योगदान एक व्यक्ति मै. *** ने किया है। पूंजी योगदान *** को किया गया था। कारोबार लाइसेंस दिनांक *** का था।
- (ii) यह सूचित किया गया था कि सनफी का एक नया संयंत्र है जिसकी स्थापना स्थानीय प्राधिकरण से किराए पर ली गई जमीन पर *** में की गई थी।
- (iii) यह पाया गया था कि भूमि का अधिग्रहण मै. *** की ओर से *** को उसके द्वारा जारी प्राधिकार पत्र के आधार पर मै. एएए द्वारा पट्टा किराया आधार पर किया गया था।

(iv) इसी प्रकार, सनफी ने प्रश्नावली के उत्तर में यह बताया था कि उसने *** आरएमबी पर इंस्टीट्यूट ऑफ कोल केमिस्ट्री आन्ध्र घायनीज एकेडमी आफ साइंसेज (संक्षेप में) "सीएसएन" से प्रौद्योगिकी प्राप्त की थी। प्रौद्योगिकी हस्तांतरण करार के अवलोकन से यह पाया गया कि इस पर सनफी की ओर से मै. एएए द्वारा हस्ताक्षर किए गए थे। सत्यापन के दौरान उन्होंने यह बताया कि प्रौद्योगिकी हस्तांतरण शुल्क के लिए उन्होंने *** आरएमबी का भुगतान किया था।

(v) प्राधिकारी को मै. *** और मै. एएए के बीच संबंध का कोई ब्योरा उपलब्ध नहीं कराया गया था। मै. एएए को प्रदत्त सेवाओं के लिए प्रदत्त प्रतिफल, यदि कोई हो, के ब्योरे भी उपलब्ध नहीं कराए गए थे।

(vi) (क) *** को जलशोधन कार्यशाला (ख) *** को केन्द्रीय नियंत्रण भवन (ग) *** को एमएएन कार्यशाला (घ) *** को विड मशीन कार्यशाला (ङ) *** को तैयार उत्पाद भंडार गृह और (च) *** को फॉर्मिंग कार्यशाला पूर्ण होने का साक्ष्य देते हुए संयंत्र निर्माण के पूर्ण होने के प्रमाण-पत्र से संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत किए गए थे।

(vii) यह पाया गया था कि *** को मै. *** द्वारा हस्तांतरित पूंजी का संयंत्र के निर्माण से इस कारण कोई संबंध नहीं है कि संयंत्र का निर्माण या तो धन के हस्तांतरण से पूर्व पूरा हो गया था या फिर धन के हस्तांतरण के बाद के 40 दिन के भीतर पूरा हुआ था। इस बात के बारे में प्रमुख संबंध गायब थे कि (क) एकल स्वामी द्वारा किए गए लियेशों से पूर्व संयंत्र का निर्माण किस प्रकार पूरा हुआ; (ख) सनफी की ओर से निर्माण किसने और कंपनी के अस्तित्व में आने से पूर्व कितने प्रतिफल (यदि कोई हो) पर किया।

(viii) सनफी ने बताया कि संयंत्र और मशीनरी की खरीद अलग-अलग आपूर्तिकर्ताओं से की गई थी और संयंत्र की स्थापना अलग-अलग कार्यों के लिए ठेके देकर की गई थी। अपने दावे के समर्थन में मशीनों की आपूर्ति हेतु मै. बीबीबी के साथ सनफी द्वारा निष्पादित एक संविदा प्रस्तुत की गई जिसमें भुगतान के संगत ब्योरों के साथ *** आरएमबी का ब्योरा दिया गया था। संविदा *** तारीख की थी और मशीनें *** को सुपुर्द की जानी थी। यह नोट किया गया कि संयंत्र पूर्णता प्रमाण पत्र इस संविदा की तारीख से पहले जारी किया गया था। तदनुसार अधिकांश संयंत्र और मशीनरी की खरीद इससे पूर्व की गई होनी चाहिए।

(ix) सनफी ने मै. गोल्ड लिंक इंड. कंपनी लि. (जिसे आगे "गोल्ड लिंक" कहा गया है) जो कि *** को स्थापित सीमित दायित्व वाली एक कंपनी है, के जरिए भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात किया था। *** तब गोल्ड लिंक 100% राज्य के स्वामित्व में थी। *** में 70% शेयर *** व्यक्तियों को

अंतरित किए गए थे और शेष 30% शेयरों का अंतरण राज्य की स्वामित्व वाली एक कंपनी सीसीसी को किया गया था ।*** में राज्य के स्वामित्व वाली कंपनी द्वारा धारित शेयरों के 30% शेयरों का अंतरण भी व्यक्तियों को कर दिया गया था । एमईटी प्रश्नावली के उत्तर में यह दावा किया गया था कि दोनों अवसरों पर परिसंपत्तियों का मूल्यांकन एक स्वतंत्र लेखा फर्म द्वारा स्वतंत्र रूप से किया गया था । तथापि, इस संबंध में कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया था ।

(x) निर्यातक के अनुरोध पर सत्यापन रिपोर्ट उत्पादक तथा निर्यातक को अलग से उपलब्ध कराई गई थी और उन्होंने यह उत्तर दिया था कि सत्यापन रिपोर्ट पर उन्हें कोई टिप्पणी नहीं देनी है ।

(xi) प्राधिकारी ने प्रकटन विवरण पर प्राप्त टिप्पणियों पर विचार किया । अपनी टिप्पणियों में उत्पादक/निर्यातक ने दावा किया कि उन्होंने कंपनी की स्थापना के बाद प्रौद्योगिकी शुल्क, संयंत्र निर्माण आदि के लिए अन्य कंपनियों द्वारा व्यय की गई राशि की प्रतिपूर्ति की है । तथापि, तथ्य यह है कि जिन परिस्थितियों में एक कंपनी ने किसी युल्क, सेवा प्रभार या व्यय की गई राशि पर किसी ब्याज के बिना भारी राशि व्यय कर दूसरी कंपनी को सेवाएं प्रदान की हैं, उन परिस्थितियों से कंपनी की स्थापना में पारदर्शिता के अभाव का स्पष्ट पता चलता है ।

(xii) इसके अलावा, उत्पादक (क) क्या उनके द्वारा संदत्त प्रौद्योगिकी शुल्क में अपेक्षित प्रौद्योगिकी का बाजार मूल्य दर्शाया गया है; और (ख) क्या उनके द्वारा खरीदी गई कोक आधारित बेंजीन और मशीनरी में बाजार मूल्य दर्शाया गया है, की पुष्टि करने में विफल रहा ।

(xiii) उत्पादक और निर्यातक दोनों द्वारा दायर एमईटी उत्तर का सत्यापन आवश्यक समझी गई सीमा तक किया गया । निर्यातक की यह टिप्पणी सही नहीं है कि निर्यातक के एमईटी उत्तर का सत्यापन नहीं किया गया था ।

25. उपर्युक्त के मद्देनजर प्राधिकारी यह मानते हैं कि दोनों की कंपनियां इस अनुमान का खंडन करने में विफल रही हैं कि वे गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों में प्रचालन कर रही हैं ।

मै. चांगझाऊ याबांग केमिकल कंपनी लि.(सीवाईसी)-उत्पादन/निर्यातक

26. प्रतिवादी कंपनी के रूपांतरण और संपत्ति हस्तांतरण की प्रक्रिया का सत्यापन कंपनी के रिकार्डों से किया गया ताकि कंपनी की पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाली स्थिति की तुलना में विकृतियों, यदि कोई हो, का पता लगाया जा सके और यह पाया गया है :

(i) मै. एएए की स्थापना *** आरएमबी की पंजीकृत पूंजी के साथ *** को की गई थी। मै. बीबीबी की स्थापना एक संयुक्त स्टॉक कंपनी के रूप में *** को की गई थी। बीबीबी के कारोबार लाइसेंस से यह पता चला कि उसके पास *** मिलियन आरएमबी की पंजीकृत पूंजी है। शेयरधारकों के *** नामों की सूची देते हुए "याबांग ग्रुप" के संस्था के अंतर्नियमों का चीनी रूपांतरण अचूरे अनुवाद के साथ उपलब्ध कराया गया था। प्रकटन विवरण के उत्तर में शेयरधारकों के नाम और आई डी सं. दर्शाते हुए संस्था के उक्त अंतर्नियम के चार पृष्ठ अंग्रेजी में उपलब्ध कराए गए थे। उक्त अनुवाद से प्राधिकारी ने यह पाया कि जियांग्सु याबांग ग्रुप कं. लि. के 31 अलग-अलग शेयरधारक थे।

(ii) चांगझाऊ याबांग केमिकल कंपनी लि.(सीवाईसी) (इस जांच में प्रतिकापी उत्पादन/निर्यातक) की स्थापना निम्नलिखित चार शेयरधारकों के *** अम.डॉ. के कुल शेयर-पूंजी अंशदान के साथ चीन-विदेशी इक्विटी संयुक्त उद्यम कंपनी के रूप में *** को की गई थी:

- (क) *** अम.डॉ. की पूंजी के साथ मै. बीबीबी (49.88% शेयर);
- (ख) *** अम.डॉ. की पूंजी के साथ मै. सीसीसी (4.45% शेयर);
- (ग) *** अम.डॉ. की पूंजी के साथ मै. डीडीडी (4.85% शेयर); और
- (घ) *** अम.डॉ. की पूंजी के साथ ताइवान का एक निवासी श्री एक्स एक्स एक्स (40.82% शेयर)।

(iii) सीवाईसी ने जांच अवधि के बाद शेयरधारिता पद्धति में कुछेक परिवर्तनों के बारे में सूचना उपलब्ध कराई। इस सूचना पर विचार नहीं किया गया क्योंकि यह जांच अवधि के बाद की घटनाओं से संबंधित थी।

(iv) यह सूचित किया गया था कि *** में लैंड रिसोर्सेज ब्यूरो आफ चांगझाऊ के साथ एक समझौता ज्ञापन निष्पादित किया गया था और *** आरएमबी प्रति वर्ग मी. की दर से पट्टे पर 50 वर्ष की अवधि के लिए उत्पादक को एक्स 60005-2 वी गांव के औद्योगिक पार्क, जिनवी जिला, चांगझाऊ शहर स्थित *** वर्ग मीटर के रकबे की भूमि आवंटित की गई थी। समझौता ज्ञापन की मूल प्रति प्रस्तुत की गई थी। यह बताया गया था कि पट्टा राशि का पूर्ण और अंतिम भुगतान वर्ष *** में किया गया था।

(v) उत्पादक सीवाईसी तीन सहयोगी कंपनियों (क) मै. ईईई (ख) एफएफएफ और (ग) जीजीजी का नियंत्रक शेयरधारक भी था और उसने कच्ची सामग्री की उन्हें आपूर्ति की थी। अपनी सहयोगी कंपनियों में सीवाईसी द्वारा निवेशित कुल पूंजी का ब्योरा उपलब्ध नहीं कराया गया था ताकि निर्यातक प्रस्तावली और उसके बाद के तथ्यों का सत्यापन किया जा सके।

(vi) सत्यापन रिपोर्ट के उत्तर में उत्पादक/निर्यातक ने यह दावा किया कि संयंत्र और मशीनरी के अर्जन के बारे में विस्तृत सूचना सत्यापन के समय उपलब्ध कराई गई थी।

27. प्राधिकारी ने यह पाया कि नियत परिसंपत्तियों और लेजर प्रतियों मूल्य ह्रास चार्ट सहित संयंत्र एवं मशीनरी में किए गए अन्य निवेशों के बारे में सीवाईसी द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों में नियत परिसंपत्तियों के अर्जन की प्रक्रिया में पारदर्शिता नहीं है। उपर्युक्त कारणों से प्राधिकारी यह मानते हैं कि सीवाई स्थापना एवं प्रचालनों में पारदर्शिता सिद्ध करने में विफल रहा और वह इस अवधारणा का खंडन करने में विफल रहा कि वह गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों में प्रचालन करता है।

च.3 सामान्य मूल्य का निर्धारण

28. चीन जन.गण. के तीनों सहयोगी उत्पादक/निर्यातक इस अनुमान का खंडन करने में विफल रहे हैं कि वह गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की स्थिति में प्रचालन कर रहे हैं और तदनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 का हवाला देते हुए किया गया है जो निम्नानुसार है : "गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की कीमत अथवा संरचित मूल्य, अथवा किसी तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव न हो, अथवा अन्य किसी समुचित आधार पर किया जाएगा, जिसमें भारत में समान वस्तु के लिए वास्तविक रूप से संदत्त अथवा भुगतान योग्य कीमत, जिसमें यदि आवश्यक हो तो लाभ की समुचित गुंजाइश भी शामिल की जाएगी।"

29. जांच शुरुआत संबंधी सूचना में यह प्रस्ताव किया गया था कि चीनी ताइपेई को चीन जन.गण. के लिए सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु एक समुचित तीसरे देश के रूप में लिया जाएगा। लेकिन चीनी ताइपेई के किसी निर्यातक ने इस जांच में सहयोग नहीं किया और न ही चीनी ताइपेई के लिए सामान्य मूल्य निकालने हेतु कोई आंकड़ा उपलब्ध कराया। इसके अलावा, उक्त देश से भारत सहित अन्य देशों के लिए कीमत के निर्धारण हेतु चीनी ताइपेई के लिए अपेक्षित आंकड़े उपलब्ध नहीं कराए गए थे।

30. तदनुसार चीन जन.गण. के गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाले उत्पादक/निर्यातक हेतु सामान्य मूल्य का परिकलन मूल कच्ची सामग्री "बेन्जीन" की अंतर्राष्ट्रीय कीमत, चीन जन.गण. में सहयोगी उत्पादकों की खपत के अनुपात और भारत में घरेलू उद्योग की इष्टतम परिवर्तन लागत तथा एसएजी व्यय को ध्यान में रखते हुए किया गया है। प्रकटन विवरण के उत्तर में चीन के निर्यातक ने यह बताया कि कोक आधारित बेन्जीन के मूल्य पर विचार किया जाना चाहिए। तथापि, गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कोक आधारित बेन्जीन की लागत अथवा कोक आधारित बेन्जीन की अंतर्राष्ट्रीय कीमत के बारे में कोई आंकड़ा उपलब्ध नहीं कराया गया था। इसके अलावा प्राधिकारी को कोक आधारित बेन्जीन तथा पेट्रोलियम आधारित बेन्जीन की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों के बीच अंतर के बारे में कोई आंकड़ा उपलब्ध नहीं कराया गया था। ऐसी

सूचना के अभाव में, प्राधिकारी ने उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना के आधार पर कैंचीन की अंतर्राष्ट्रीय कीमत पर विचार किया चाहे वह कोक आधारित हो या पेट्रोलियम आधारित। इस प्रकार निर्धारित सामान्य मूल्य *** अम.डा. प्रति मी.टन बनता है।

घ.4 निर्यात कीमत

31. प्राधिकारी ने चीन जनगण. के निम्नलिखित सहयोगी उत्पादक/निर्यातक के लिए निम्नानुसार निर्यात कीमत का निर्धारण किया है:

मै. शांक्सी रीजेंट टेमिंग केमिकल कं.लि. (आरटीसी)- उत्पादक तथा मै. शांक्सी रीजेंट वर्क्स इंक (इन्ड्यूआरआई)-निर्यातक

32. आरटीसी ने मै.शांक्सी रीजेंट वर्क्स इंक (इन्ड्यूआरआई) के जरिए भारत को निर्यात किया। विदेशी ग्राहकों के लिए ठोस और कुछ मोल्टन दोनों रूप में एमएएन का निर्यात किया। तथापि, भारत को केवल ठोस रूप का निर्यात किया गया था। जांच अवधि के दौरान इटली को मोल्टन का केवल *** का बिक्री सौदा हुआ था। परिशिष्ट 2 में भारत को *** मी.ट. की कुल मात्रा के कुल *** निर्यात सौदे हुए थे। ग्राहक अंतिम प्रयोक्ता और थोक विक्रेता हैं। डिलीवरी की शर्तें सीआईएफ/एफओबी हैं। पुराने ग्राहकों के लिए भुगतान की शर्तें सामान्यतः अग्र रूप में टी/टी तथा नए ग्राहकों के लिए एल/सी हैं। संबंधित कंपनी रीजेंट मशीनरी एंड एक्जुपमेंट लि. द्वारा अंतर्देशीय परिवहन भाड़े का भुगतान किया गया था।

33. परिशिष्ट 2 और परिशिष्ट 3 क में प्रदर्शित तथा प्राधिकारी द्वारा सत्यापित भारित औसत निर्यात कीमत पर विचार किया गया था। उक्त निर्यात कीमत से अंतरदेशीय भाड़े, हैंडलिंग प्रभारों, विदेशी भाड़े, विदेशी बीमा, बैंक प्रभारों, कमीशन तथा ऋण लागत के लिए निर्यातक के दावे और प्राधिकारी के सत्यापन के अनुसार समायोजनों की अनुमति दी गई थी। इसके अलावा, 4% अप्रत्यादेय वेट निर्यात बिक्री के लिए व्यय की गई लागत थी जबकि घरेलू बिक्री पर ऐसी कोई लागत व्यय नहीं की गई थी। 4% निविष्टि की खरीद पर प्रदत्त वेट (17%) और निर्यातों पर अनुमत वेट वापसी (13%) के बीच अंतर का द्योतक है। परिकलित सामान्य मूल्य में वेट के अप्रत्यादेय भाग के लिए कोई घटक शामिल नहीं किया गया था। अतः निर्यात बिक्री और परिकलित सामान्य मूल्य के बीच उचित तुलना करने के लिए दावा किए गए अनुसार 4% की दर से वेट के अप्रत्यादेय भाग के लिए कटौती निर्यात कीमत में से की गई है।

34. तदनुसार उत्पादक/निर्यातक के संयोजन हेतु *** अम.डा. प्रति मी.ट. की कारखाना निर्यात कीमत का निर्धारण किया गया है और पहुंच मूल्य का निर्धारण *** अम.डा. प्रति मी.ट. किया गया है।

मै.जियानजिन सनफी फाइन केमिकल फक्ट्री-उत्पादक और मै. गोल्ड लिंक इंड कं. लि.-निर्यातक

35. सनफी ने गोल्डलिंक के जरिए भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात किया। संबद्ध वस्तु का प्रेषण फैक्टरी से सीधे भारतीय गंतव्यों को किया गया था और बीजक गोल्ड लिंक के संबंध में सनफी द्वारा जारी किए गए थे जिसने बाद में भारतीय ग्राहक को बीजक जारी किए थे। गोल्डलिंक ने एक व्यापारी के जरिए भारत को निर्यात किया था जिसने कमीशन लिया और भुगतान केवल अंतिम ग्राहक द्वारा ही किया गया था। डिलीवरी की शर्तें मुख्यतः सीआईएफ थीं और एक मामले में ये सीएफआर थीं।

36. गोल्डलिंक ने अन्य उत्पादकों द्वारा खरीदी गई वस्तु का भी निर्यात किया। भारत को गोल्डलिंक द्वारा किए गए संबद्ध वस्तु के कुल निर्यात *** मी.टन. के हुए थे जिसमें *** मी.टन की खरीद अन्य उत्पादकों से की गई थी। कुल निर्यातों में से सनफी द्वारा खरीदी गई वस्तु *** मी.टन. (***) सौदे) थी। परिशिष्ट-2 में दी गई और प्राधिकारी द्वारा सत्यापित सूचना के अनुसार सनफी द्वारा खरीदी गई और गोल्डलिंक द्वारा निर्यातित वस्तु की भारत औसत निर्यात कीमत पर निर्यात कीमत के निर्धारण के प्रयोजनार्थ विचार किया गया था। यह अनुरोध किया गया था कि उत्पादक सनफी और निर्यातक गोल्डलिंक के संयोजन हेतु वे केवल पाटनरोधी शुल्क का दावा करते हैं। भुगतान की शर्तें एलसी 90 दिन या डीए 90 दिन थीं।

37. निर्यात कीमत में से परिशिष्ट 2 और परिशिष्ट 3 क में सूचित और प्राधिकारी द्वारा सत्यापित स्वदेशी भाड़े, ऋण लागत, विदेशी भाड़े, विदेशी बीमा, निर्यात निरीक्षण शुल्क तथा कमीशन के लिए संमायोजन किए गए हैं।

38. सनफी और गोल्ड लिंक के बीच सौदे घरेलू सौदे थे और सनफी की बीजक कीमत पर 17% की दर से वेट का भुगतान किया गया था। तथापि, निर्यात के समय गोल्ड लिंक 13% की वापसी का हकदार था जिससे निर्यातक को 4% का निवल घाटा होता था। यह 4% अप्रत्यादेय वेट निर्यातक की लागत थी। निर्यातक ने 17% की दर से प्रदत्त वेट और 13% की दर से प्राप्त वेट की वापसी की राशि के बीच कटौती का कोई दावा नहीं किया। चूंकि 4% का अप्रत्यादेय वेट का भाग निर्यातक के लिए अतिरिक्त लागत थी, जिसे निर्यात प्राप्ति में से पूरा किया जाना था। इसलिए उचित तुलना करने के लिए 4% की दर से वेट के अप्रत्यादेय भाग की कटौती निर्यात कीमत में से की गई है। प्रकटन विवरण के उत्तर में निर्यातक ने यह बताया कि निर्यात कीमत में से 4% की कटौती की कोई जरूरत नहीं है। निर्यातक ने बताया है कि यह लागत है न कि निर्यात कीमत में कटौती। चूंकि उक्त लागत घरेलू बाजार में बिक्री के समय नहीं आई है और तुलना करने के लिए ऐसी लागत को परिकलित सामान्य मूल्य में शामिल नहीं किया गया है इसलिए यह अनिवार्य है कि या तो सामान्य मूल्य में निर्यातों के एफओबी मूल्य का 4% जोड़ा जाए या फिर निर्यात कीमत से कटौती की जाए। प्राधिकारी की सुसंगत प्रक्रिया का अनुपालन करते हुए वेट के अप्रत्यादेय भाग हेतु निर्यात कीमत से एफओ. मूल्य के 4% की कटौती की गई है।

39. तदनुसार उत्पादक/निर्यातक के संयोजन हेतु *** अम.डा. प्रति मी.ट. की कारखाना निर्यात कीमत का निर्धारण किया गया है और पहुंच मूल्य का निर्धारण *** अम.डा. प्रति मी.ट. किया गया है।

मै. चांगझाऊ यान्त्रिक कम्पनी लि. (सीवाईसी)-उत्पादन/निर्यातक

40. सीवाईसी ने भारत को सीधे निर्यात किए। सीवाईसी ने सामान्यतः फैक्स/ईमेल द्वारा ग्राहकों के साथ सौदे की शर्तों पर बातचीत की, संविदा पर हस्ताक्षर किए। सीवाईसी की निर्यात बिक्री नकद आधार पर नहीं थी। ऋण अवधि का संकेत 60 दिन की एलसी या 90 दिन आदि के रूप में किया गया था। ग्राहकों ने सीवाईसी के पक्ष में एल/सी खोला था। एल/सी की प्राप्ति के बाद सीवाईसी ने संविदा के अनुसार उत्पादन की व्यवस्था की। आकस्मिक मामलों में सीवाईसी ने ग्राहक से समग्र रूप में या एक भाग के रूप में टी/टी द्वारा अग्रिम भुगतान करने और शेष का भुगतान डी/पी द्वारा करने के लिए कहा। वस्तु का पोतलदान सीआईएफ शर्तों पर भारत को किया गया था।

41. परिशिष्ट-2 तथा परिशिष्ट 3 क में सूचित और प्राधिकारी द्वारा सत्यापित भारित औसत निर्यात कीमत पर विचार किया गया है। निर्यातक के दावे और प्राधिकारी के सत्यापन के अनुसार निर्यात कीमत में से अंतरदेशीय भाड़े, ऋण लागत, बैंक प्रभारों, विदेशी भाड़े और विदेशी बीमा के लिए कटौतियों की अनुमति दी गई है। निर्यातक ने 17% की दर से प्रदत्त वैट और 13% की दर से प्राप्त वैट वापसी की राशि के बीच अंतर के लिए किसी कटौती का दावा नहीं किया था। इससे संबंधित दस्तावेजों का सत्यापन किया गया है। 4% अप्रत्यादेय वैट निर्यातक की लागत थी और इसकी अनुमति निर्यात कीमत में से कटौती के रूप में दी गई है। प्रकटन विवरण के उत्तर में निर्यातक ने यह उल्लेख किया कि 4% वैट की कटौती एफओबी आधार पर की जानी चाहिए। इन गणनाओं की जांच कर उनमें उचित सुधार किया गया था।

42. तदनुसार *** अम.डा. प्रति मी.ट. की कारखाना निर्यात कीमत का निर्धारण किया गया है और पहुंच मूल्य का निर्धारण *** अम.डा. प्रति मी.ट. किया गया है।

चीन जन.गण. के अन्य निर्यातक

43. चीन जन.गण. के सहयोगी निर्यातकों के लिए परीक्षित आंकड़ों को ध्यान में रखते हुए उपलब्ध तथ्यों के आधार पर चीन जन.गण. के सहयोगी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण किया गया है। कारखाना निर्यात कीमत का निर्धारण *** अम.डॉ. प्रति मी.ट. के रूप में किया गया है।

च.5 पाटन मार्जिन - चीन जन.गण.

44. परिकल्पित सामान्य मूल्य के आधार पर चीन जन.गण. के उत्पादन/निर्यातक के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नानुसार किया गया है :

निर्यातक का नाम	सामान्य मूल्य (अम.डॉ./मी.टन)	निर्यात कीमत (अम.डॉ./मी.टन)	पाटन मार्जिन (अम.डॉ./मी.टन)	पाटन मार्जिन %
शांक्सी रीजेंट टेमिंग केमिकल कं.लि. (उत्पादक) तथा मै. शांक्सी रीजेंट वर्क्स इंक (निर्यातक)	***	***	***	38-43%
जियानजिन सनफी फाइन केमिकल फेक्ट्री (उत्पादक) और मै. गोल्ड लिंक इंड कं. लि.(निर्यातक)	***	***	***	35-39%
मै. घांगझाक याबांग केमिकल कंपनी लि.(उत्पादन/निर्यातक)	***	***	***	37-42%
चीन जन.गण. के अन्य समी निर्यातक	***	***	***	62-69%

च.6 इंडोनेशिया

पीटी जस्टस सेक्तीयराया

सामान्य मूल्य

45. पीटी जस्टस सेक्तीयराया इंडोनेशिया का एकमात्र ऐसा निर्यातक था जिसने निर्यातक प्रश्नावली का विस्तृत उत्तर दायर किया था । प्रशासनिक कारणों से कोई सत्यापन नहीं किया गया था । तथापि, सहयोगी निर्यातक के प्रति निष्पक्ष रहने के लिए अपनी प्रश्नावली के उत्तर में निर्यातक द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों पर सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमत के निर्धारण के प्रयोजनार्थ विचार किया गया है ।

46. निर्यातक ने परिशिष्ट 1 में घरेलू बिक्री सूचित की थी । परिशिष्ट-1 में सूचित भारत औसत घरेलू बिक्री कीमत पर सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु विचार किया गया है । निर्यातक ने अस्वीकृत/उच्चत ऋणों तथा अंतर्देशीय परिवहन के लिए कटौतियों का दावा किया था । अस्वीकृत/उच्चत ऋणों के संबंध में यह बताया गया था कि प्रबंधन द्वारा घरेलू बिक्री में खास तौर पर कुल बिक्री में से ***% प्रभारित किया जाता है । अस्वीकृत/उच्चत ऋणों के लिए ऐसे प्रभार प्रत्यक्ष बिक्री व्यय नहीं होते हैं जिनके लिए करखाना घरेलू बिक्री कीमत निकालने में कटौती अपेक्षित हो । अतः उक्त कटौती की अनुमति नहीं दी गई है । निर्यातक के दावे के अनुसार अंतर्देशीय परिवहन के लिए कटौती की अनुमति दी गई है । परिशिष्ट 1 में उन्होंने भुगतान की शर्तों का उल्लेख किया था । तथापि, बढ़ाई गई ऋण अवधि के संबंध में कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया

गया था । निर्यातक ने ऋण लागत के लिए भी कोई कटौती का दावा नहीं किया था । अतः ऋण लागत के लिए कोई कटौती नहीं की गई है । प्रकटन विवरण के उत्तर में निर्यातक ने यह बताया कि सामान्य मूल्य की गणना सकल बीजक मूल्य घटा अंतर्देशीय भाड़े के आधार पर और पाटन मार्जिन की गणना सीआईएफ निर्यात कीमत के आधार पर की जाएगी । प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु नियमों में यथापेक्षित सामान्य व्यापार प्रक्रिया संबंधी जांच करने के बाद निर्यातक द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों पर विचार किया है । तदनुसार पीटी जस्टस सेक्तीयराया के लिए इस प्रकार निर्धारित सामान्य मूल्य केवल *** अम.डा. प्रति मी.ट. निकाला गया है ।

निर्यात कीमत

47. पीटी जस्टस सेक्तीयराया द्वारा परिशिष्ट 2 और परिशिष्ट 3 क में सूचित मारित औसत निर्यात कीमत पर विचार किया गया है । निर्यातक के दावे के अनुसार स्वदेशी भाड़े, विदेशी भाड़े, विदेशी बीमा और कमीशन के लिए कटौती की अनुमति दी गई है । तदनुसार कारखाना निर्यात कीमत *** अम.डा. प्रति मी.ट. निर्धारित की गई है और पहुंच मूल्य *** अम.डा. प्रति मी.ट. निर्धारित किया गया है ।

पाटन मार्जिन

48. पीटी जस्टस सेक्तीयराया के लिए पाटन मार्जिन *** अम.डा. प्रति मी.टन. (%) निर्धारित किया गया है ।

इंडोनेशिया के अन्य निर्यातक

49. इंडोनेशिया के असहयोगी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण इंडोनेशिया के सहयोगी निर्यातक के लिए विचारित आंकड़ों को ध्यान में रखते हुए उपलब्ध सर्वोत्तम तथ्यों के आधार पर किया गया है । तदनुसार कारखाना निर्यात कीमत *** अम.डा. प्रति मी.ट. निर्धारित की गई है । उक्त निर्यात कीमत की तुलना इंडोनेशिया के लिए निर्धारित सामान्य मूल्य (जैसा कि सहयोगी उत्पादक/निर्यातक के बारे में उल्लेख किया गया है) के साथ की गई है और तदनुसार इंडोनेशिया के अन्य निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन *** अम.डा. प्रति मी.ट. (%) निर्धारित किया गया है ।

च.7 चीनी ताइपेई

सामान्य मूल्य

50. चीनी ताइपेई के किसी भी निर्यातक ने जांच शुरुआत संबंधी सूचना का उत्तर नहीं दिया । तदनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण घरेलू उद्योग के आंकड़ों के आधार पर किया गया है । प्राधिकारी द्वारा चीनी ताइपेई के लिए परिकल्पित सामान्य मूल्य *** अम.डा. प्रति मी.ट. निर्धारित किया गया है ।

निर्यात कीमत

51. चीनी ताइपेई के किसी भी निर्यातक ने जांच शुरूआत संबंधी सूचना का उत्तर नहीं दिया । अतः कारखाना निर्यात कीमत का निर्धारण डीजीसीआईएंड एस के आंकड़ों के आधार पर किया गया है । तदनुसार चीनी ताइपेई के लिए कारखाना निर्यात कीमत *** अम.डॉ. प्रति मी.ट. निर्धारित की गई है।

पाटन मार्जिन

52. चीनी ताइपेई के सभी निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन *** अम.डॉ. प्रति मी.ट. (%) निर्धारित किया गया है ।

च.8 पाटन मार्जिन संबंधी सारांश

53. उपर्युक्तानुसार संबद्ध देशों के निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नानुसार करने का प्रस्ताव है :

देश	उत्पादक	निर्यातक	पाटन मार्जिन (अम.डॉ./ मी.टन)	पाटन मार्जिन %
चीन जन.गण.	शांक्सी रीजेंट टेर्मिंग केमिकल कं.लि.	शांक्सी रीजेंट वर्क्स	***	38-45%
	जियानजिन सनफी फाइन केमिकल फेक्ट्री	गोल्ड लिंक इंड कं. लि.	***	35-39%
	चांगझाऊ याबांग केमिकल कंपनी लि.)	चांगझाऊ याबांग केमिकल कंपनी लि.	***	37-42%
	चीन जन.गण. के अन्य सभी उत्पादक	कोई निर्यातक	***	62-69%
इंडोनेशिया	पीटी जस्टिस सेक्तीराया	पीटी जस्टिस सेक्तीराया	***	21-27%
	इंडोनेशिया के अन्य सभी उत्पादक	कोई निर्यातक	***	34-40%
चीनी ताइपेई	चीनी ताइपेई के अन्य सभी उत्पादक	कोई निर्यातक	***	15-20%

छ. क्षति निर्धारण

54. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देशों से अत्यंत पाटित कीमतों पर भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात किया गया है और तदनुसार उन्होंने इन पाटित आयातों के संदर्भ में घरेलू उद्योग को हुई क्षति की जांच की है।

55. प्राधिकारी ने क्षति के पहलू के बारे में हितबद्ध पार्टियों के तर्कों को संगत सीमा तक नोट किया है। प्राधिकारी ने उसके समक्ष प्रस्तुत तथ्यों को ध्यान में रखते हुए और हितबद्ध पार्टियों के तर्कों को देखते हुए क्षति मापदंडों की तथ्यपरक जांच की है।

छ. क्षति जांच एवं कारणात्मक संबंध

56. अनुबंध-II के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम 11 में क्षति निर्धारण हेतु सिद्धांतों का प्रावधान है और इन पर विचार किया गया है।

57. पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए आवेदन में, तिरुमलाई केमिकल्स लि., राणीपेट, तमिलनाडु द्वारा दायर किया गया था, जिनका भारत में संबद्ध वस्तु के कुल उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है। जैसा कि पूर्व में नोट किया गया है, नियमावली के नियम 2(ख) के अनुसार उपर्युक्त निर्यातक को इस जांच के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग माना गया है। एक अन्य ज्ञात घरेलू उत्पादक अर्थात् मै. मैसूर पेट्रो केमिकल्स लि. था। रिलायंस इंड बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी के मामले में माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णय की मूल भावना को ध्यान में रखते हुए मै. मैसूर पेट्रोकेमिकल्स लि. से क्षति निर्धारण और समग्र घरेलू उद्योग के लिए क्षति रहित कीमत के निर्धारण के प्रयोजनार्थ लागत एवं क्षति संबंधी सूचना प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था। तथापि, मै. मैसूर केमिकल्स लि. ने यह कहते हुए एक साधारण पत्र प्रस्तुत किया कि उनका शैलिक एनहाइड्राइड के प्रकालन जल से प्राप्ति प्रक्रिया के उपयोग से संबंधित उत्पाद का विनिर्माण करने वाला एक संयंत्र है और उनका उत्पादन लगभग 3,000 मी.ट. प्रति वर्ष का है। चूंकि मै. मैसूर पेट्रोकेमिकल्स लि. से कोई अन्य सूचना प्राप्त नहीं हुई थी, इसलिए नियम 2(ख) में यथा परिभाषित घरेलू उद्योग के भाग स्वरूप आवेदक घरेलू उत्पादक की जांच क्षति एवं क्षतिरहित कीमत के निर्धारण हेतु की गई है।

58. भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव के निर्धारण हेतु उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन की मात्रा और मार्जिन जैसे घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले संकेतकों पर नियमावली के अनुबंध-II के अनुसार विचार किया गया है।

छ.2. क्षति का संचयी निर्धारण

59. नियमावली अनुबंध-II पैराग्राफ (iii) में यह प्रावधान है कि जब एक से अधिक देशों की एक साथ जांच की जा रही हो तो निर्दिष्ट प्राधिकारी केवल उस स्थिति में ऐसे आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण करेगा यदि वह निर्धारित करें कि

(क) ऐसे देश से हुए आयातों के संबंध में पुष्टीकृत पाटन मार्जिन निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में व्यक्त दो प्रतिशत से अधिक और ऐसे देश से आयात की मात्रा तीन प्रतिशत है, आयातों का संघयी हिस्सा समान वस्तु के आयात के सात प्रतिशत से अधिक है और

(ख) आयातित वस्तु तथा समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों के मद्देनजर आयातों के प्रभाव का संघयी निर्धारण उचित है ।

60. प्राधिकारी ने यह पाया कि प्रत्येक संबद्ध देश के बारे में पाटन मार्जिन 2% से अधिक था जैसा कि इस प्रकटन विवरण के अनुबंध- II से देखा जा सकता है ।

61. संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मात्रा जांच अवधि के दौरान भारत में संबद्ध उत्पादों के कुल आयातों की 93% बनती है । चीन जन.गण., चीनी ताइपेई और इंडोनेशिया से अलग-अलग आयातों का हिस्सा निम्नलिखित तालिका के अनुसार क्रमशः 77%, 7% और 9% बनता है ।

[मात्रा मी. टन में]

	2003-2004		2004-2005		2005-2006		जांच अवधि	
आयात	7993.06	100	5701.45	100	9444.75	100	12455.00	100
संबद्ध देश	3530.77	44	3647.28	64	8048.79	85	11606.33	93
चीन जन.गण.	1860.78	23	2935.96	51	5415.98	57	9550.33	77
चीनी ताइपेई	1170.99	15	526.50	9	1317.82	14	901.00	7
इंडोनेशिया	499.00	6	184.82	3	1315.00	14	1155.00	9
अन्य देश	4462.3	56	2054.17	36	1395.96	15	848.67	7

अतः ये अलग-अलग आयात भारत में संबंधित उत्पाद के कुल आयातों के 3% की न्यूनतम सीमा से अधिक थे ।

62. संबद्ध देशों में से प्रत्येक देश से निर्यातित उत्पाद की विशेषताओं में कोई खास अंतर नहीं है । संबद्ध देशों से आयात भारतीय बाजार में एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा करते हैं क्योंकि संबद्ध देशों की निर्यात कीमत काफी कम है ।

63. उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी नोट करते हैं कि आयातित उत्पादों और समान घरेलू उत्पाद के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों को देखते हुए, घरेलू रूप से

उत्पादित समान वस्तु पर समस्त संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के प्रभाव का संघर्षी निर्धारण उचित है।

64. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II में यह अपेक्षित है कि क्षति के निर्धारण में

- (क) पाटित आयातों की मात्रा और समान उत्पाद के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव और ;
(ख) पाटित आयातों के मात्रात्मक प्रभाव के संबंध में ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातकों के परिणामी प्रभाव, दोनों की तत्त्वपरक जांच शामिल होगी।

65. पाटित आयातों की मात्रा की जांच करते समय प्राधिकारी के लिए इस बात की जांच करना अपेक्षित होता है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप में या भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में पर्याप्त वृद्धि हुई है। जहां तक पाटित आयातों के कीमत प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी के लिए यह जांच करना अपेक्षित होता है कि क्या भारत में समान उत्पादन की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा कीमत में पर्याप्त कटौती हुई अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमत में अन्यथा पर्याप्त स्तर तक गिरावट आई है अथवा होने वाली उस वृद्धि में रूकावट आई है जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती।

छ.3 पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव

66. संबद्ध देशों और अन्य देशों से आयातों की मात्रा निम्नानुसार थी :

[मात्रा मी. टन में]

	2003-2004		2004-2005		2005-2006		जांच अवधि	
आयात	7993.06		5701.45		9444.75		12455.00	
संबद्ध देश	3530.77	100	3647.28	103	8048.79	228	11606.33	329
चीन जन.गण.	1860.78	100	2935.96	158	5415.98	291	9550.33	513
चीनी ताइपेई	1170.99	100	528.50	45	1317.82	113	901.00	77
इंडोनेशिया	499.00	100	184.82	37	1315.00	264	1155.00	231
अन्य देश	4462.30	100	2054.17	46	1395.86	31	848.67	19

क. संबद्ध देशों से आयात वर्ष 2003-04 में 3531 मी.ट. से बढ़कर जांच अवधि के दौरान बढ़कर 11606 मी.टन. हो गए।

ख. घरेलू उत्पाद और मांग की तुलना में पाटित आयात निम्नलिखित तालिका में दर्शाए गए हैं:

[मात्रा मी.टन में]

	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि
संबद्ध देश	3530.77	3647.28	8048.79	11606.33
चीन जन.गण.	1860.78	2935.96	5415.98	9550.33
चीनी ताइपेई	1170.99	526.50	1317.82	901.00
इंडोनेशिया	499.00	184.82	1315.00	1155.00
अन्य देश	4462.30	2054.17	1395.96	848.67
कुल आयात	7993.06	5701.45	9444.75	12455.00
घरेलू उद्योग का उत्पादन	10551.00	10708.00	10442.00	11442.00
आबद्ध खपत	766.00	0	106.00	1028.00
निर्यात कीमत	483.00	1483.00	867.00	1387.00
घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री	9515.00	9734.00	8435.00	8266.09
कुल मांग (आबद्ध खपत सहित)	18,274.00	15,435.45	17,985.75	21,749.00
कुल मांग के % के रूप में घ.उ. का उत्पादन	58%	69%	58%	53%
कुल मांग के % के रूप में संबद्ध देशों से आयात	19%	24%	45%	53%

67. वर्ष 2003-04 के दौरान कुल मांग के प्रतिशत के रूप में घरेलू उद्योग का उत्पादन 58% रहा था। इसमें वर्ष 2004-05 में 69% की वृद्धि हुई थी। यह वर्ष 2005-06 में बढ़कर 58% हो गया और जांच अवधि में पुनः घटकर 53% हो गया। इसके अलावा, क्षति अवधि के दौरान खपत/मांग की तुलना में पाटित आयात 19% से बढ़कर 53% हो गए, जैसा कि निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है।

छ.4 घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित आयातों का प्रभाव

68. घरेलू उद्योग की कीमत पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच (क) कीमत कटौती, (ख) कम कीमत पर बिक्री (ग) कीमत ह्रास और (घ) कीमत न्यूनीकरण के संबंध में की गई है।

(क) कीमत कटौती

69. वर्ष 2003-04 के दौरान समस्त संबद्ध देशों से पाटित आयातों द्वारा कीमत कटौती ***% हुई थी। वर्ष 2004-05 में यह बढ़कर ***% हो गई। यह वर्ष 2005-06 में घटकर *** % हो गई। पुनः जांच अवधि में यह बढ़कर *** % हो गई।

[रु.प्र.मी.ट.]

	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि
घरेलू औरत विप्री प्राप्ति	****	****	****	****
आयातों का पड़ुष मूल्य				
चीन जन.गण.	40612.12	59861.63	63360.27	58,426.73
चीनी ताइपेई	42059.35	54373.83	64142.91	62,470.14
इंडोनेशिया	45136.05	54559.3	65843.43	62,326.35
संबद्ध देश	41731.46	58800.76	63894.10	59,128.69
संबद्ध देशों से मिश्र	48586.25	64082.08	76971.44	68,152.74
कीमत कटौती रु./मी.ट.				
चीन जन.गण.	****	****	****	****
चीनी ताइपेई	****	****	****	****
इंडोनेशिया	****	****	****	****
संबद्ध देश	****	****	****	****
कीमत कटौती (% -रेंज)				
चीन जन.गण.	14 - 17%	14 - 19%	3 - 7%	7-14%
चीनी ताइपेई	11 - 13%	27 - 30%	1 - 5%	0-5%
इंडोनेशिया	2 - 5%	28 - 32%	0 - 5%	1-5%
संबद्ध देश	12 - 15%	18 - 24%	4 - 8%	7-12%

70. चीन जन.गण. से कीमत कटौती वर्ष 2005-06 में ***% से बढ़कर जांच अवधि में ***% हो गई जिसमें 81% की वृद्धि प्रदर्शित हुई। चीनी ताइपेई से कीमत कटौती में 49% की कमी आई। इंडोनेशिया से कीमत कटौती में 117% की वृद्धि हुई और सभी संबद्ध देशों को एक साथ लेते हुए इसमें निम्नानुसार 88% की वृद्धि हुई :

	2005-06 में कीमत कटौती	जांच अवधि के दौरान कीमत कटौती	जांच अवधि के दौरान वृद्धि
चीन जन.गण.	***%	***%	81%
चीनी ताइपेई	***%	***%	-49%
इंडोनेशिया	***%	***%	117%
कुल संबद्ध देश	***%	***%	88%

(ख) कम कीमत पर बिक्री

71. चीन जन.गण, चीनी ताइपेई औ इंडोनेशिया से कम कीमत पर बिक्री क्रमश ***%, ***% और ***% रही थी । अतः समस्त संबद्ध देशों से पाटित आयातों की कम कीमत पर बिक्री ***% रही रही रही थी ।

	रु./मी ट.	कम कीमत पर बिक्री	
		रु./ पीएमटी	% (अंतर)
गैर क्षति कीमत	****		
पहुंच मूल्य			
चीन जन.गण.	58,426.73	***	7-14%
चीनी ताइपेई	62,470.14	***	0-5%
इंडोनेशिया	62,326.35	***	1-5%
संबद्ध देश	59,128.69	***	7-12%
घरेलू उद्योग की बिक्री			
घरेलू बिक्री	*****		

(ग) कीमत हास

72. घरेलू उद्योग की औसत बिक्री प्राप्ति वर्ष 2005-06 में *** रुपए प्रति मी.टन से बढ़कर जांच अवधि में *** रुपए प्रति मी.टन हो गई । अर्थात *** रुपए प्रति मी.टन की वृद्धि यद्यपि लागत में इसी अवधि के दौरान केवल *** रुपए प्रति मी.टन की वृद्धि हुई ।

(घ) कीमत न्यूनीकरण

73. कीमत न्यूनीकरण से लागत में वृद्धि के अनुरूप कीमत में वृद्धि करने की घरेलू उत्पादक की अक्षमता का पता चलता है । पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि में *** रुपए प्रति मी.टन की वृद्धि हुई जबकि इसी अवधि के दौरान औसत बिक्री प्राप्ति में *** रुपए प्रति मी.टन की गिरावट आई । जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग ने अपनी कीमतों में कमी की जबकि लागत में वृद्धि हुई ।

[क. प्रति मी. टन]

क्र.सं.	विवरण	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि
1	बिक्री की लागत	****	****	****	****
2	बिक्री प्राप्ति	****	****	****	****
3	पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में परिवर्तन				
4	बिक्री लागत में वृद्धि		सकारात्मक	नकारात्मक	सकारात्मक
5	बिक्री प्राप्ति में वृद्धि		सकारात्मक	नकारात्मक	नकारात्मक
6	आधार वर्ष की तुलना में परिवर्तन				
7	बिक्री लागत में वृद्धि				सकारात्मक
8	बिक्री प्राप्ति में वृद्धि				सकारात्मक

74. आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान लगभग में एक प्रति मी. ट. की वृद्धि हुई जबकि औसत बिक्री प्राप्ति में केवल 3000 रुपए प्रति मी. ट. वृद्धि हुई।

उ.5 घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का प्रणामी प्रभाव

75. अधिकारी विभिन्न आर्थिक संकेतकों और घरेलू उद्योग पर प्रभाव डालने वाले संकेतकों के संबंध में निम्नानुसार घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव की जांच है -

- (i) **बिक्री मात्रा:** घरेलू बिक्री मात्रा वर्ष 2003-04 में 9515 मी.टन से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 8266 मी.टन हो गई। जिसमें निम्नलिखित तालिका के अनुसार 13% की वृद्धि दर्ज की गई:

	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि
घरेलू बिक्री (मी.ट.)	9,515	9,734	8,435	8,266
घरेलू बिक्री मी.ट. (सूचीबद्ध)	100	102	89	87

- (ii) **बाजार हिस्सा:** घरेलू उद्योग, संबद्ध देशों से आयातों तथा अन्य देशों से आयातों का बाजार हिस्सा निम्नलिखित तालिका में दिया गया है:

	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि
चीन जन.गण.	10.18%	19.02%	30.11%	43.91%
चीन (सूचीबद्ध)	100	187	296	431
चीनी ताइपेई	6.41%	3.41%	7.33%	4.14%
चीनी ताइपेई (सूचीबद्ध)	100	53	114	65
इंडोनेशिया	2.73%	1.20%	7.31%	5.31%

इंडोनेशिया (सूचीबद्ध)	100	44	268	194
संबद्ध देश	19.32%	23.63%	44.75%	53.36%
संबद्ध देश (सूचीबद्ध)	100	122	232	276
अन्य देश	24.42%	13.31%	7.76%	3.90%
अन्य देश (सूचीबद्ध)	100	54	32	16
घरेलू उद्योग	56.26%	63.06%	47.49%	42.73%
घरेलू उद्योग (सूचीबद्ध)	100	112	84	76

घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा वर्ष 2003-04 में 56% में बढ़कर 2004-05 में 63% हो गया । वर्ष 2005-06 में यह घटकर 47% और जांच अवधि में और घटकर 43% हो गया । संबंधित देशों का बाजार हिस्सा वर्ष 2004-04 में 19% से बढ़कर जांच अवधि में 53% हो गया जिससे स्पष्टतः यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग को भारी नुकसान हुआ है ।

- (iii) उत्पादन: घरेलू उद्योग का उत्पादन वर्ष 2003-06 में 10, 551 मी.ट से बढ़कर जांच अवधि में 11,442 मी.ट. हो गया जिसमें 8% की वृद्धि हुई । तथापि, आधार वर्ष एवं जांच अवधि के दौरान उत्पादन में कोई परिवर्तन नहीं हुआ ।

[रु. प्रति मी.अन]

विवरण	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि
विवरण	10,551	10,708	10,442	11,442
उत्पादन (सूचीबद्ध)	100	101	99	108
अपने खुद के उत्पादन में से कैप्टिव खपत - टी सीएल	766	0	106	1,028
निर्यात बिक्री - टीसीएल	483	1,483	867	1,367
घरेलू बाजार का उत्पादन	9,302	9,225	9,469	9,047
घरेलू बाजार का उत्पादन (सूचीबद्ध)	100	99	102	97
आवद्ध खपत सहित घरेलू बाजार के लिए उत्पादन	10,068	9,225	9,575	10,075
आवद्ध खपत सहित घरेलू बाजार के लिए उत्पादन(सूचीबद्ध)	100	92	95	100

- (iv) क्षमता उपयोग: वर्ष 2004-05 के दौरान क्षमता 10750 मीटन. से 65% बढ़कर 17780 मीटन हो गई। वर्ष 2003-04 के दौरान क्षमता उपयोग 98% से घटकर जांच अवधि में 64% रह गया।

विवरण	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि
स्थापित क्षमता	10,750	17,750	17,750	17,750
उत्पादन	10,551	10,708	10,442	11,442
क्षमता उपयोगिता	98%	60%	59%	64%

उपयुक्त तालिका से यह प्रतीत चलता है कि घरेलू उद्योग के पास पर्याप्त अप्रयुक्त क्षमता पड़ी हुई।

- (v) उत्पादकता: घरेलू उद्योग ने उत्पादकता में कोई गिरावट दर्ज नहीं की।

	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि
उत्पादन (मीटन.)	10,551	10,708	10,442	11,442
प्रतिदिन उत्पादन (एक वर्ष में 330 दिन के आधार पर।)	32	32	32	35
प्रति कर्मचारी उत्पादन	***	***	***	***

- (vi) लाभ: वर्ष 2003-04 के दौरान लाभ *** रुपए प्रति मीटन रहा था। वर्ष 2004-05 में यह घटकर *** रुपए प्रति मीटन हो गया। वर्ष 2005-06 में लाभ घटकर पैसे हो गया। तथापि, जांच अवधि में इसमें *** रुपए प्रति मीटन का घाटा हुआ। सूचीबद्ध संख्याओं के संबंध में लाभ वर्ष 2003-054 में 100 रुपए के स्तर से बदल कर जांच अवधि में 113 रु. का घाटा हुआ। कैपिटल अवधि के छोड़कर घरेलू बिक्री के संबंध में लाभ/हानि की गणना की गई है।

विवरण	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि
लाभ (लाख रु. में)	***	***	***	***
प्रति मी टन लाभ रुपए में	***	***	***	***
प्रति मी टन लाभ रुपए में (सूचीबद्ध)	100	36	77	(113)

(vii) **निवेश पर आय:** 2003-04, 2004-05, 2005-06 तथा जांच अवधि के दौरान के दौरान लगाई गई पूंजी पर आय क्रमशः **%, **%, **% and (-) **% रही थी। निवेश पर आय का आकलन आबद्ध खपत को छोड़कर घरेलू बिक्री के संबंध में किया गया था।

(viii) **नकद प्रवाह:** वर्ष 2003-04 के दौरान *** रुपए प्रति मी.टन का नकद लाभ जांच अवधि के दौरान *** रुपए प्रति मी.टन के नकद घाटे में तब्दील हो गया। नकद प्रवाह का आकलन आबद्ध खपत को छोड़कर घरेलू बिक्री के संबंध में किया गया था।

विवरण	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि
नकद लाभ (लाख रुपए में)	****	****	****	****
नकद लाभ प्रति मी.ट. रुपए में	****	****	****	****
नकद लाभ प्रति मी.ट. रुपए में. (सूची बद्ध)	100	78	97	(1)

(ix) **मालसूची:** 2005-06 की तुलना में जांच अवधि के दौरान मालसूची के स्तर में मामूली कमी आयी है।

विवरण	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि
औसत मालसूची (मी.ट.)	****	****	****	****
सूचीबद्ध	100	53	87	55
बिक्री दिवसों के संबंध में मालसूची	****	****	****	****
सूचीबद्ध	100	52	100	62

(x) **रोजगार:** नियोजित व्यक्तियों की संख्या पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा क्योंकि यह 2003-04 के दौरान *** व्यक्तियों से घटकर जांच अवधि के दौरा *** व्यक्ति रह गई।

(xi) **मजदूरी:** वर्ष 2003-04 के दौरान प्रति व्यक्ति वार्षिक औसत मजदूरी *** रुपए से बढ़कर वर्ष 2005-06 के दौरान *** रुपए हो गई। जांच अवधि के दौरान इसमें *** रुपए की मामूली कमी आई

विवरण	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि
प्रति व्यक्ति वार्षिक औसत मजदूरी [रुपए]	****	****	****	****
प्रति दिन प्रति व्यक्ति औसत मजदूरी [रुपए]	****	****	****	****
सूचीबद्ध मजदूरी	100	103	122	118

(xii) **वृद्धि:** वर्ष 2004-05 के दौरान स्थापित क्षमता में 65% की वृद्धि हुई। तथापि, स्थापित क्षमता में वृद्धि के बाद 3 वर्षों में क्षमता का उपयोग 10% भी नहीं किया गया है। जांच अवधि के दौरान 90% से अधिक संवर्द्धित क्षमता अप्रयुक्त बनी

रही। यद्यपि, 2003-04 की तुलना में जाँच अवधि के दौरान संबंधित उत्पाद की मांग (आबद्ध खपत सहित) में 19% की वृद्धि हुई। तथापि, घरेलू उद्योग की बिक्री या बाजार हिस्से में वृद्धि नहीं हुई।

(xiii) पूंजी या निवेश जुटाने की क्षमता: लगाई गई पूंजी पर ऋणात्मक आय के कारण निवेश या पूंजी जुटाने की क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा।

(xiv) कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक: घरेलू उद्योग ने अपनी कीमतें कम कर दीं।

(xv) पाटन मार्जिन की मात्रा: अलग-अलग संबद्ध देशों से पाटन मार्जिन 2% के न्यूनतम स्तर से अत्यधिक था।

76. उपर्युक्त क्षति संबंधी मापदंडों की जाँच से यह सिद्ध होता है कि आधार वर्ष की तुलना में मांग में वृद्धि जाँच अवधि के दौरान 19% रही थी। मांग में समग्र वृद्धि के बावजूद आधार वर्ष 2003-04 की तुलना में जाँच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री में 13% की गिरावट आई। इसी अवधि के दौरान संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयात वर्ष 2003-04 में 3531 मी.टन से बढ़कर जाँच अवधि में 11606 मी.टन हो गए। अर्थात् इनमें 329% की वृद्धि हुई। मांग के संबंध में संबद्ध देशों से आयातों का हिस्सा 2003-04 में 19% से बढ़कर जाँच अवधि के दौरान 53% हो गया। जबकि घरेलू उद्योग की मांग में हिस्सा इसी अवधि के दौरान 58% से घटकर 53% हो गया। मांग में वृद्धि के बावजूद घरेलू उद्योग का क्षमता उपयोग जाँच अवधि के दौरान 98% से घटकर 64% हो गया। इस प्रकार जाँच अवधि में अधिकांश अतिरिक्त क्षमता अप्रयुक्त बनी रही। वर्ष 2003-04 के दौरान 100 रुपए का लाभ (पीबीआईटी) जाँच अवधि के दौरान 113 रुपए के घाटे में तब्दील हो गया। 2003-04 के आधार वर्ष में 100 की तुलना में जाँच अवधि के दौरान लगाई गई निवल पूंजी पर आय घटकर 21 रह गयी।

77. संबद्ध देशों से आयात में पर्याप्त वृद्धि हुई और इससे कीमत पर पर्याप्त प्रभाव पड़ा जिससे कीमत ह्रास और कीमत कटौती हुई।

78. उपर्युक्त विश्लेषण के आधार पर प्राधिकारी यह मानते हैं कि उत्पादन, बिक्री मात्रा, क्षमता उपयोग, बाजार हिस्से, के संबंध में घरेलू उद्योग का निष्पादन खराब हुआ, कीमत, लाभ, निवेश पर आय, नकद प्रवाह को प्रभावित करने वाले कारकों से सामूहिक और संचयी रूप से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

79. उपर्युक्त तथ्यों को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी यह मानते हैं कि संबद्ध देशों से हुए आयातों के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

छ.6 कारणात्मक संबंध एवं अन्य कारक

(क) चांगझाऊ याबांग केमिकल कं. लि. के अनुरोध:

80. चांगझाऊ याबांग केमिकल कं. लि., चीन जन.गण.(सीवाई) ने यह बताया कि प्रमुख कच्ची सामग्री बेंजीन की लागत में वृद्धि के कारण जांच अवधि के बाद संबद्ध वस्तु के उत्पादन के संबंध में तिरूमलाई केमिकल्स लि.(टीसीएल) ने प्रचालन रोक दिया। इस संबंध में सीवाईसी ने टीसीएल की वार्षिक रिपोर्ट 2005-06 के पृष्ठ 6 को उद्धृत किया जो निम्नानुसार है:

"उद्योग विकास

कच्ची सामग्री की कीमत में उतार-चढ़ाव और कंपनी के अंतिम उत्पादों की कीमत में घट-बढ़ इस प्रकार के व्यापार की सामान्य विशेषताएं हैं जिनका कंपनी के प्रचालनों पर प्रभाव पड़ता है इसके अलावा बेंजीन जोकि मेलिक एनहाइड्राइड (एमएएन) के विनिर्माण हेतु कच्ची सामग्री भी है, की कीमत भी अब तक के सबसे उच्च स्तर पर पहुंच गई। बाद में उसमें मामूली कमी आयी फिर भी वह पूर्ववर्ती वर्षों की तुलना में अधिक रही। हाल में बेंजीन की कीमतें बढ़ रही हैं और परिणामतः एमएएन की कीमतें स्थिर रहने की आशा है।"

81. टीसीएल द्वारा मलेशिया में अपने संयुक्त उद्यम संयंत्र से संबंधित उत्पाद का आयात किया जा रहा था और उसकी आपूर्ति संबद्ध वस्तु के घरेलू प्रयोक्ताओं को की जा रही थी। याचिकाकर्ता ने यह घोषणा की थी कि उसने मलेशिया में अपने विनिर्माण संयंत्र में प्रयुक्त प्रौद्योगिकी बदल दी है। इस संयंत्र में अब बेंजीन पद्धति के उपयोग के विपरीत बूटेन पद्धति का उपयोग किया जाता है। याचिकाकर्ता द्वारा मलेशिया में बूटेन पद्धति के जरिए संबद्ध उत्पाद का उत्पादन किया जाएगा क्योंकि यह सस्ती प्रक्रिया होगी और कच्ची सामग्री की कीमत में उतनी घट-बढ़ नहीं होगी जितनी की बेंजीन में होती है जिसका उपयोग भारत में संबद्ध उत्पाद के विनिर्माण में किया जाता है।

82. मलेशियाई संयंत्र की स्थापित क्षमता 30,000 मी.टन है। केवल इसी तथ्य से यह अर्थ निकाला जा सकता है कि नियमित तालाबंदी या भारत में संयंत्र के प्रचालनों में मंदी का कारण मलेशिया से संबद्ध वस्तु की नियमित आपूर्ति को बढ़ाना और भारत के औद्योगिक प्रयोक्ताओं को पेश की जा रही चीन की सामग्री से प्रतिस्पर्धा करना था।

83. याचिकाकर्ताओं को क्षति स्वतः स्फूर्त थी और उन्हें प्रौद्योगिकी विकास को न अपनाने के कारण घाटा हो रहा था। उन्होंने चीन जन.गण., ताइवान, होंगकॉंग, कोरिया गण., सिंगापुर, फिलीपीन्स और थाईलैंड से कॉपर प्लैट लेमीनेट्स में निर्दिष्ट प्राधिकारी के निर्णय को उद्धृत किया है जिसमें प्राधिकारी ने निम्नानुसार निर्णय दिया

है : "अतः प्राधिकारी यह मानते हैं कि प्रौद्योगिकी विकास को न अपमानित करे लु उद्योग को हुई क्षति का एक प्रमुख कारक रहा है ।"

84. याचिकाकर्ता द्वारा एमएएन की आबद्ध खपत और निर्यातों में भारी वृद्धि की गई और इसलिए घरेलू बाजार में बिक्री करने और ऐसे ग्राहकों की घर पर ज़रूरत की पूर्ति करने जो बाजार आसूचना के अनुसार संबद्ध वस्तु की इमेरा कमी महसूस कर रहे थे और परिणामतः अपनी ज़रूरतों को पूरा करने के लिए आयातों पर निर्भर हो रहे थे, को बिक्री करने के लिए संबद्ध वस्तु की मुश्किल से ही कोई मात्रा बची हो ।

85. इन वर्षों के दौरान, हालांकि याचिकाकर्ता के बाजार हिस्से में कमी आई, तथापि इस मुद्दे को अन्य देशों से हुए भारी मात्रा में आयातों से नहीं जोड़ा जा सकता, अपितु इसकी कारण मलेशिया में किए गए निवेशों और वहां किए गए आयातों को सामा जा सकता है ।

86. क्षति अवधि के दौरान बिक्री लागत में वृद्धि हुई और कम उत्पादन के मद्देनजर निम्नल प्राप्ति में गिरावट आयी और परिणामतः किफायतों में कमी आयी । इसके अलावा, यह देखना आवश्यक था कि मलेशियायी आयात और स्वदेशी उत्पादन की किस कीमत पर बिक्री घरेलू उद्योग द्वारा घरेलू बाजार में की गई है ।

(ख) सांख्यी रीजेंट टेमिंग कंपनी लि. तथा सांख्यी रीजेंट वक्स इंक के अनुरोध

87. आम तौर पर यह माना जाता है कि आवेदक ने हाल ही में मलेशिया में संबद्ध वस्तु के विनिर्माण हेतु एक इकाई की स्थापना की थी जिसका सफल प्रचालन किया जा रहा था और जो आवेदक के लिए भारी लाभ कमा रही थी । आवेदक द्वारा अपने मलेशियाई संयंत्र में मेलिक एनहाइड्राइड के विनिर्माण हेतु बूटेन आधारित उत्पादन प्रक्रिया अपनायी जा रही है जो भारत में आवेदक द्वारा प्रयुक्त बेंजीन आधारित उत्पादन प्रक्रिया की तुलना में प्रौद्योगिकी रूप से उन्नत थी । आवेदक ने भारत में आर्थिक रूप से व्यवहार्य प्रौद्योगिकी का उपयोग करने का विकल्प नहीं चुना, इसके बजाए उसने भारत में वर्तमान पाटनरोधी जांच की पहल करने का विकल्प चुना । अतः यह स्पष्ट हो जाता है कि भारत में संबद्ध वस्तु के विनिर्माण द्वारा आवेदक को घाटा, यदि कोई हो, उत्पादन प्रक्रिया के कारण हुआ है जो प्रचलित बाजार भाँचे के अनुरूप नहीं है न कि लगाए गए आरोप के अनुसार कंपनियों द्वारा पाटन के कारण ।

88. भले ही विनिर्माण संयंत्र का क्षमता उपयोग अधिकतम कर लिया जाए तो भी मेलिक एनहाइड्राइड की बाजार मांग की पूर्ति आवेदक द्वारा नहीं की जा सकेगी । भारत में संबद्ध वस्तु का एकमात्र उत्पादक होने के नाते आवेदक पर्याप्त उत्पादन के अभाव में संबद्ध वस्तु की बढ़ती हुई मांग को पूरा करने में विफल रहा है ।

(ग) इंडियन प्लास्टीसाइजर्स मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईपीएमए) के अनुरोध

89. टीसीएल के आवेदन का एकमात्र उद्देश्य मेलिक एनहाइड्राइड पर पाटनरोधी शुल्क लगवाना था और समूचे बाजार पर कब्जा करने के लिए टीसीएल के मलेशियायी मेलिक एनहाइड्राइड संयुक्त उद्यम का विकास करना था।

90. टीसीएल द्वारा अपने एमएन संयंत्र को बदलकर पीएन किया जा चुका है और उसने भारत में एमएन का उत्पादन बंद करने और अपने मलेशियायी संयुक्त उद्यम से स्थानीय बाजार की पूर्ति का निर्णय लिया है।

(घ) पालिएस्टर रेजिन मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन (पीआरएमए) तथा आईपीएमए के अनुरोध

91. टीसीएल मलेशियाई संयुक्त की स्थापना मुख्यतः भारत को निर्यात करने के लिए की गई है और पाटनरोधी जांच में मलेशिया को शामिल करना उचित होगा क्योंकि इसके द्वारा एक वर्ष की अवधि से नियमित उत्पादन किया जा रहा है और मलेशिया से 8% का आयात उस अवधि में किया गया है जब संयुक्त उद्यम ने बूटेन प्रौद्योगिकी के आधार पर उत्पादन शुरू नहीं किया है।

(ङ) घरेलू उद्योग के अनुरोध

92. निर्यातकों ने यह ज्वलंत मुद्दा उठाया है कि टीसीएल ने भारत में नई बूटेन पद्धति लागू नहीं की थी, यद्यपि उनकी मलेशियाई संबद्ध कंपनी (जहां उनका 25% दावा है) में उन्होंने बूटेन पद्धति लागू की है। चीन जन.गण. के किसी भी निर्यातक के पास यह मुद्दा उठाने का अधिकार नहीं है क्योंकि उन सबके द्वारा केवल बेंजीन पद्धति का उपयोग किया जा रहा है। जब निर्यातकों द्वारा स्वयं बेंजीन पद्धति का उपयोग किया जा रहा है तो वे यह दावा नहीं कर सकते कि भारतीय घरेलू उत्पादक को बेंजीन पद्धति का उपयोग किया जाना चाहिए। कॉपर क्लैड लेमीनेट्स के मामले में प्राधिकारी का निर्णय इस मामले के तथ्यों और परिस्थितियों पर लागू नहीं होती है। कॉपर क्लैड लेमीनेट्स के मामले में भारतीय घरेलू उत्पादन उस लेमीनेट का विनिर्माण करने में अक्षम था जिसका उपयोग प्रौद्योगिकी न अपनाने के कारण पीसीबी की व्यापक किस्म में किया जा सकता है जबकि शेष विश्व ने नई प्रौद्योगिकियां अपनायी थीं। इस मामले में निर्यातकों द्वारा भारतीय घरेलू उत्पादक की तरह बेंजीन पद्धति का उपयोग किया जा रहा है और इस प्रकार प्रौद्योगिकी न अपनाने का प्रश्न नहीं उठता है।

93. केवल इस वजह से कि घरेलू उद्योग का संबंधित उत्पाद का उत्पादन करने वाली मलेशिया में एक संबद्ध कंपनी में बहुत ही कम दावा है, कोई यह नहीं कह सकता कि भारतीय घरेलू उत्पादक को भी मलेशियायी कंपनी के समान प्राद्योगिकी का उपयोग करना चाहिए। ऐसी किसी जरूरत के लिए पाटनरोधी कानून पर विचार नहीं किया जाता है।

94. मलेशियायी संयुक्त उद्यम कोई नया उद्यम नहीं है। यह 12 वर्षों से अधिक समय से प्रचालन कर रहा है। इन सभी वर्षों में टीसीएल द्वारा मलेशिया से संबद्ध उत्पाद के मामूली आयात के साथ भारत में संबद्ध उत्पाद का विनिर्माण किया जा रहा है। चीन जन.गण. से पाटित आयातों में हुई अचानक हुई वृद्धि से पूर्व टीसीएल द्वारा अपने भारतीय संयंत्र का प्रचालन लगभग पूरी क्षमता से किया जा रहा था। जब अत्यंत कम कीमतों पर पाटित आयातों में भारी वृद्धि हुई, तो ही टीसीएल को अपना उत्पादन कम करना पड़ा।

95. सीआईसी द्वारा लगाए गए आरोप के विपरीत टीसीएल ने बेंजीन की लागत में वृद्धि के कारण अपने प्रचालन बंद नहीं किए। वस्तुतः वार्षिक रिपोर्ट 2005-06 के उक्त विवरण से स्पष्ट तौर पर यह पता चलता है कि बेंजीन की कीमत में वृद्धि के परिणामस्वरूप एमएएन कीमतें स्थिर रहने की संभावना है। यद्यपि वार्षिक रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया है कि एमएएन की कीमतें स्थिर रहने की संभावना है। तथापि, सीआईसी का यह दावा है कि टीसीएल ने बेंजीन की कीमत में वृद्धि के कारण प्रचालन बंद करने का निर्णय लिया है। सत्य से आगे कुछ नहीं हो सकता। वास्तविक स्थिति को विकृत करने वाले ऐसे किसी अर्थ को सिरे से खारिज किया जाना चाहिए।

96. इस संबंध में वार्षिक रिपोर्ट 2006-07 देखी जा सकती है जिसमें जांच अवधि का उत्तरार्ध शामिल किया गया है। उक्त रिपोर्ट के पृष्ठ-6 और 7 में निम्नानुसार उल्लेख किया गया है:

"कच्ची सामग्री की कीमत में उतार-चढ़ाव और कंपनी के अंतिम उत्पादों की कीमत में घट-बढ़ इस प्रकार के व्यापार की सामान्य विशेषताएं हैं जिनका कंपनी के प्रचालनों पर प्रभाव पड़ता है। यद्यपि चूंकि वर्ष की शुरुआत में तेल कीमतों में वृद्धि होती रही। तथापि, चालू वर्ष की तीसरी तिमाही के दौरान कंपनी की स्थिति पर तेल की कीमत में गिरावट के कारण प्रभाव पड़ा। बाद में कई बार मजबूती के साथ कीमतें स्थिर बनी रही हैं।"

97. यद्यपि, टीसीएल सही तौर पर यह स्वीकार करता है कि कच्ची सामग्री की कीमत में उतार-चढ़ाव इस प्रकार के व्यापार की एक सामान्य विशेषता है। तथापि, निर्विवाद यह दावा करते हैं कि टीसीएल ने कच्ची सामग्री की कीमत में वृद्धि के कारण प्रचालन बंद करने का निर्णय लिया है।

98. इस संबंध में टीसीएल की वार्षिक रिपोर्ट 2006-07 में आगे निम्नानुसार उल्लेख है:

"कई वर्षों से और इस वर्ष के मध्य तक आपकी कंपनी एमएएन की पूर्ण क्षमता पर प्रचालन कर रही थी और न केवल घरेलू मांग को पूरा कर रही थी अपितु निर्यात भी कर रही थी जो काफी लाभकारी था। तथापि, वर्ष के दौरान चीन

से देश में एमएएन के भारी पाटन के कारण एमएएन संयंत्र का पूर्ण प्रचालन करने के लिए कंपनी की योजनाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। चीन से एमएएन के आयात उस कीमत पर हो रहे थे जो बेंजीन जिससे एमएएन का विनिर्माण किया जाता है की कीमत से कम थी। अतः कुछ समय तक से एम ए एन संयंत्र बंद कर दिया गया था और इसका प्रचालन केवल अपने नियमित और ईमानदार ग्राहकों की मांग की पूर्ति करने तथा अन्य मूल्यवर्धित उत्पादन के विनिर्माण हेतु आबद्ध खपत संबंधी जरूरतें पूरी करने के लिए किया गया था। एमएएन के ऐसे अवैध आयातों को रोकने के लिए आपकी कंपनी ने चीन से हमारे देश में एमएएन के आयात पर पाटनरोधी शुल्क लगाने की कार्रवाई शुरू की है। कंपनी को आशा है कि पाटनरोधी शुल्क शीघ्र लगाए जाने की पूरी-पूरी संभावना के कारण हमारे देश में एमएएन का पाटन बंद हो जाएगा। इससे कंपनी अपने एमएएन संयंत्र का पूर्ण प्रचालन कर सकेगी और सर्वोत्तम वितरण की स्थिति में आ जाएगी।

99. वर्ष 2006-07 की वार्षिक रिपोर्ट में यह बताया गया है कि संबद्ध देशों से सतत पाटन के कारण एमएएन का उत्पादन कम कर दिया गया है। इसका प्रचालन केवल अपने नियमित और ईमानदार ग्राहकों की मांग की पूर्ति करने तथा अन्य मूल्यवर्धित उत्पादन के विनिर्माण हेतु आबद्ध खपत संबंधी जरूरतें पूरी करने के लिए किया गया था।

100. यह दावा कि टीसीएल द्वारा अपने एमएएन संयंत्र को पीएएन में परिवर्तित किया जा चुका है और कुछ नहीं है, अपितु कोरी कल्पना है। एमएएन संयंत्र का उपयोग केवल एमएएन के विनिर्माण के लिए किया जा रहा है और कई बार यह निष्क्रिय रहता है। टीसीएल ने अपने एमएएन संयंत्र को पीएएन में परिवर्तित नहीं किया है। ऐसी अफवाह पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

(घ) प्राधिकारी द्वारा जांच

101. प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए तर्कों की जांच की। प्रथमतः तिरुमलाई केमिकल्स लि. जो इस मामले में घरेलू उत्पादक और घरेलू उद्योग है, द्वारा संबंधित उत्पाद के विनिर्माण हेतु बेंजीन पद्धति का उपयोग किया जाता है। चीन जन.गण. के उत्पादकों द्वारा भी संबंधित उत्पाद के विनिर्माण हेतु बेंजीन पद्धति का उपयोग किया जाता है। इस प्रकार प्राधिकारी चीन के उत्पादकों के इस तर्क में कोई दम नहीं पाते हैं कि घरेलू उद्योग को क्षति प्रौद्योगिकी को न अपनाने अर्थात् संयंत्र को बदलकर बूटेन पद्धति में न लाने के कारण स्वतः हुई थी।

102 प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा किए गए आयातों के व्यौरों की जांच मलेशिया में उसकी संबद्ध कंपनी से की जो निम्नानुसार है:

वर्ष	मलेशिया से आयात (मी.टन में सूचीबद्ध)
2003-04	100
2004-05	35
2005-06	26
जांच अवधि	11

103. चूंकि कई हितबद्ध पार्टियों ने यह बताया कि घरेलू उद्योग ने जांच अवधि के बाद अपना उत्पादन बंद कर दिया है और वे मलेशिया से आयात कर उसकी घरेलू बाजार में बिक्री कर रहे हैं इसलिए प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग से जांच अवधि के बाद मलेशिया से किए गए आयातों के ब्यौरे उपलब्ध कराने को कहा है। सार्वजनिक सुनवाई के अनुसरण में किए गए लिखित अनुरोधों में घरेलू उद्योग ने यह उल्लेख किया कि उन्होंने समूचे वर्ष 2006-07 के दौरान 12 (सूचीबद्ध) मी.टन और 2007-08 के दौरान 4 (सूचीबद्ध) मी.टन का आयात किया। वर्ष 2007-08 के लिए आयात संबंध आंकड़े आईबीआईएस आंकड़ों पर आधारित हैं। इस प्रकार प्राधिकारी ने यह पाया कि घरेलू उद्योग ने मलेशिया से आयात का सहारा नहीं लिया और न ही उसकी घरेलू बाजार में आपूर्ति की, जैसा कि निर्यातकों और अन्य विरोधी हितबद्ध पार्टियों ने आरोप लगाया है।

104. प्राधिकारी ने यह भी पाया है कि जांच अवधि के दौरान आबद्ध खपत की मात्रा (1028 मी.टन) और निर्यात (1387 मी.टन) दोनों ही का हिस्सा घरेलू उद्योग के कुल उत्पादन का केवल लगभग 21% बनता है और शेष मात्रा की बिक्री घरेलू बाजार में की गई थी। अतः यह आरोप कि घरेलू उद्योग की आबद्ध खपत तथा निर्यातों की मात्रा में भारी वृद्धि हुई है और घरेलू बाजार में बिक्री के लिए वस्तुविल कोई क्षमता बची थी, तथ्यों पर आधारित नहीं है।

105. यद्यपि घरेलू उद्योग की एक अलग प्रौद्योगिकी के जरिए मलेशिया में इसी उत्पाद का विनिर्माण करने वाली एक संबद्ध कंपनी है, तथापि इससे भारत में घरेलू उत्पाद भारत में पाटनरोधी शुल्क लागू करने के लिए अपात्र नहीं बन जाएगा क्योंकि ऐसा कोई कानूनी प्रतिबंध नहीं है। इसके अलावा, हितबद्ध पार्टियों द्वारा उठाए गए एक अन्य वाणिज्यिक मुद्दे में पूर्ववर्ती पैराग्राफों में किए गए उल्लेख के अनुसार कोई दम नहीं है। इसके अलावा, मलेशिया के अधिकांश आयातक निर्यात हेतु अन्य मूल्यवर्धित उत्पादों के विनिर्माण हेतु अग्रिम लाइसेंसों के अंतर्गत आते थे। इसके अलावा, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उत्पादक ने 2006-07 की अपनी प्रकाशित वार्षिक रिपोर्ट में निम्नानुसार उल्लेख किया है:

"...कंपनी को आशा है कि पाटनरोधी शुल्क शीघ्र लगाए जाने की पूरी-पूरी संभावना के कारण हमारे देश में एमएएन का पाटन बंद हो जाएगा । इससे कंपनी अपने एमएएन संयंत्र का पूर्ण प्रचालन कर सकेगी और सर्वोत्तम वितरण की स्थिति में आ जाएगी ।"

106. उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी यह मानते हैं कि इस तर्क में कोई दम नहीं है कि घरेलू उत्पादक की मंशा अपने संयंत्र को बंद करने और अपने मलेशियायी संयंत्र से भारतीय ग्राहकों को आपूर्ति शुरू करने की है ।

107. पूर्वोक्त के भदैनजर प्राधिकारी यह मानते हैं कि मलेशिया से हुए आयात से घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हुई थी ।

(घ) अन्य ज्ञात कारकों की जांच

108. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के पैरा (V) की अपेक्षा के अनुसार प्राधिकारी ने (क) पाटित कीमतों पर न बेचे गए आयातों की मात्रा और कीमत ; (ख) मांग में कमी या खपत की पद्धति में परिवर्तन; (ग) विदेशी और घरेलू उत्पादकों के व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार और उनके बीच प्रतिस्पर्धा; (घ) प्रौद्योगिकी विकास और (ङ) घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन और उत्पादकता जैसे अन्य कारकों के प्रभाव की जांच की ।

109. मलेशिया को छोड़कर अन्य देशों से आयातों की मात्रा नगण्य थी । मलेशिया से आयात संबद्ध देशों की आयात कीमतों से अत्यधिक उच्च कीमतों पर किए गए थे । घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि मलेशिया से आयात पाटित कीमतों पर नहीं हुए थे । अन्य हितबद्ध पार्टियों ने इसके विपरीत कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया । इसके अलावा, पूर्व में किए गए उल्लेख के अनुसार मलेशिया से हुए आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हुई थी ।

110. प्राधिकारी नोट करते हैं कि मांग में वृद्धि हुई है । मांग में वृद्धि की आशा करते हुए घरेलू उद्योग ने 2004-05 में अपनी क्षमता बढ़ाई थी । तथापि, वे जांच अवधि की समाप्ति तक अपनी संवर्धित क्षमता के 10% से अधिक का उपयोग नहीं कर पाए थे । यद्यपि मांग में 18% से अधिक की वृद्धि हुई थी । इस प्रकार जांच अवधि के दौरान मांग में कोई कमी नहीं आयी ।

111. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तु का एक ही बाजार है जहां संबद्ध देशों से पाटित आयात घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु से सीधे प्रतिस्पर्धा करते हैं । प्राधिकारी ने यह भी नोट किया कि आयातित उत्पाद की बिक्री समान वाणिज्यिक ग्रेडों और घरेलू रूप से उत्पादित संबद्ध वस्तु की विशेषताओं की पूर्ति हेतु की गई थी और यह कि आयातित संबद्ध वस्तु तथा घरेलू रूप से उत्पादित वस्तु समान वस्तुएं हैं और इनका उपयोग समान अनुप्रयोगों/अंतिम प्रयोगों के लिए किया गया है ।

112. प्राधिकारी नोट करते हैं कि उद्योग में ऐसा कोई प्रतिस्पर्धात्मक व्यवहार प्रचलित नहीं था जिसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण माना जा सके।

113. प्रौद्योगिकी में ऐसा कोई विकास नहीं हुआ जिससे निर्यातकों की तुलना में घरेलू उद्योग प्रभावित हुआ हो क्योंकि निर्यातक और घरेलू उद्योग, दोनों द्वारा संबंधित उत्पाद के विनिर्माण हेतु एक समान बेंजीन पद्धति का उपयोग किया गया है।

114. घरेलू उद्योग के निर्यात निष्पादन की जांच की गई। ऐसा कोई साक्ष्य नहीं था जिससे यह पता चल सके कि निर्यात निष्पादन से घरेलू निष्पादन प्रभावित हुआ है। प्रत्येक मामले में क्षति की जांच उनके घरेलू निष्पादन के संदर्भ में ही की गई है। अतः निर्यात निष्पादन घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं है।

115. प्राधिकारी ने यह पाया है कि उत्पादकता में कोई कमी नहीं आयी है और इस प्रकार यह क्षति का कारण नहीं है।

छ.7 क्षति की मात्रा एवं क्षति मार्जिन

116. प्राधिकारी ने पूर्व में किए गए उल्लेखानुसार घरेलू उत्पादक की उत्पादन लागत को ध्यान में रखते हुए घरेलू उद्योग के लिए क्षति रहित कीमत (एनआईपी) निर्धारित की। प्राधिकारी द्वारा निर्धारित क्षति रहित कीमत *** अम.डॉ. प्रति मी.टन थी। क्षति मार्जिन के निर्धारण हेतु इस क्षति रहित कीमत की तुलना संबद्ध देशों के निर्यातकों से हुए निर्यातों की पहुंच कीमत के साथ की गई थी। प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति मार्जिन नगण्य है।

छ.8 क्षतिरहित कीमत का निर्धारण

117. प्राधिकारी ने समग्र घरेलू उद्योग के लिए क्षति रहित कीमत निर्धारित की।

118. क्षति मार्जिन के निर्धारण हेतु घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु की क्षति रहित कीमत की तुलना संबद्ध देशों से हुए निर्यातों के भारित औसत पहुंच मूल्य के साथ की गई है। क्षति मार्जिन की गणना निम्नानुसार की गई है:

देश	उत्पादक	निर्यातक	घाटन मार्जिन (अम.डॉ./मी.टन)	घाटन मार्जिन %
चीन जन.गण.	शांक्सी रीजेंट टेमिंग केमिकल कं.लि.	शांक्सी रीजेंट वर्क्स	****	4 - 8%
	जियानजिन सनफी फाइन केमिकल केवट्री	गोल्ड लिंक इंड कं. लि.	****	6 - 9%

	चांगझाऊ याबांग केमिकल कंपनी लि.)	चांगझाऊ याबांग केमिकल कंपनी लि.	****	6 - 9%
	चीन जन.गण. के अन्य सभी उत्पादक	कोई निर्यातक	****	14 - 18%
इंडोनेशिया	पीटी जस्टिस सेक्तीराया	पीटी जस्टिस सेक्तीराया	****	1 - 5%
	इंडोनेशिया के अन्य सभी उत्पादक	कोई निर्यातक	****	14 - 18%
चीनी ताइपेई	चीनी ताइपेई के अन्य सभी उत्पादक	कोई निर्यातक	****	1 - 6%

छ.9 क्षति एवं कारणात्मक संबंध के बारे में निष्कर्ष

119. क्षति एवं कारणात्मक संबंध के मुद्दे पर घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले समस्त 15 अनिवार्य मापदंडों की जांच की गई है। नियमानुसार संबद्ध देशों से मात्रा एवं कीमत के प्रभाव को संचित किया गया है। मात्रा एवं कीमत प्रभाव से यह पता चलता है कि क्षति अवधि के दौरान पाटित आयातों की मात्रा में पर्याप्त वृद्धि हुई है और जांच अवधि में उनमें पर्याप्त वृद्धि हुई है। संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मात्रा मांग और देश में संबद्ध वस्तु के उत्पादन की तुलना में काफी अधिक मानी गयी है। जहां तक कीमतों का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि सीआईएफ स्तर पर कीमत और संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पहुंच मूल्य में गिरावट आयी है। पहुंच मूल्य में गिरावट के बाद यह नोट किया जाता है कि पाटित आयातों की कीमतों से भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग की कीमत में पर्याप्त कटौती हुई है। यह भी नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमत में ह्रास हुआ है और घरेलू उद्योग द्वारा अत्यधिक कम कीमत पर बिक्री की गई है क्योंकि पहुंच कीमत घरेलू उद्योग के लिए निर्धारित क्षतिरहित कीमत से काफी कम थी। जहां तक घरेलू उद्योग पर मात्रा एवं कीमत प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटित आयातों में आधार वर्ष 2003-04 और उससे आगे वृद्धि हुई है। यद्यपि क्षति अवधि के दौरान उत्पादन में वृद्धि तो हुई है लेकिन यह नगण्य है और बिक्री में वर्ष 2003-04 से जांच अवधि तक 13% की गिरावट आई। वस्तुतः वर्ष 2004-05 से जांच अवधि तक क्षमता उपयोग में भारी गिरावट आई। जहां तक प्रचालन निष्पादन में परिवर्तन का संबंध है, यह देखा जाता है कि ये परिवर्तन वर्ष 2003-04 से जांच अवधि तक अधिक हुए हैं। घरेलू उद्योग के प्रचालन निष्पादन में लाभप्रदता, आरओआई तथा नकद लाभ के रूप में वर्ष 2003-04 से जांच अवधि तक पर्याप्त ऋणात्मक वृद्धि प्रदर्शित होती है।

120. उपर्युक्त विश्लेषण द्वारा पाटित आयातों की क्षतिकारी प्रभाव से घरेलू उद्योग की स्थिति पर समग्र ज्ञात कारकों के प्रभाव को समुचित रूप से विशिष्ट और पृथक् किया गया है और यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि इन अन्य कारकों से इस सत्यता से इंकार नहीं किया जा सकता कि पाई गई वास्तविक क्षति पाटित आयातों के कारण हो सकती है।

121. अतः यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि पाटनरोधी नियमप्रवली के नियम 11 के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति संबद्ध देशों के मूल के या वहाँ से निर्यातित पाटित आयातों के कारण हुई है।

ज. भारतीय उद्योग के हित:

122. पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य सामान्यतः पाटन को समाप्त करना है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है और भारतीय बाजार में एक ऐसी खुली तथा उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति बहाल करना है जो देश के सामान्य हित में है।

123. प्राधिकारी स्वीकार करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से संबद्ध वस्तु के उपयोग द्वारा विनिर्मित उत्पादों के कीमत स्तर प्रभावित हो सकते हैं और परिणामतः इन उत्पादों की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है। तथापि, पाटनरोधी उपायों द्वारा भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धात्मकता में कमी नहीं आएगी। इसके विपरीत पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से पाटन की पद्धति द्वारा प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग का ह्रास रुकेगा और संबद्ध वस्तु के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रखने में मदद मिलेगी। यह नोट किया जाता है कि पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से संबद्ध देशों से होने वाले आयात किसी भी रूप में प्रतिबंधित नहीं होंगे और इसलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पादों की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी। उपभोक्ता अभी भी आपूर्ति के दो या उससे अधिक स्रोत बनाए रख सकते हैं।

झ. निष्कर्ष:

124. पूर्वोक्त पर विचार करने के बाद प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि:

क. संबद्ध देशों से भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात उसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है।

ख. घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

ग. यह क्षति संचयी रूप से संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण हुई है।

125. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन, जो भी कम हो, के बराबर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त हो सके। क्षति मार्जिन के निर्धारण के प्रयोजनार्थ आयातों के पहुंच मूल्य की तुलना क्षति अवधि के लिए निर्धारित घरेलू उद्योग के क्षति रहित कीमत के साथ की

गई है । प्राधिकारी द्वारा निर्धारित पाटन मार्जिन और क्षति का उल्लेख उपर्युक्त पैराग्राफों में किया गया है ।

126. तदनुसार प्राधिकारी संबद्ध देशों के मूल के या वहां से निर्यातित अध्याय 84, 76 तथा 37 के अंतर्गत आने वाली संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं । पाटनरोधी शुल्क निम्नलिखित तालिका के कॉलम 9 में उल्लिखित राशि होगी, जिसे संबद्ध देशों के मूल की या वहां से निर्यातित अध्याय 84, 76 तथा 37 के अंतर्गत आने वाली संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से लागू किया जाएगा ।

क्र. सं.	सीरि	वस्तु वर्णन	निर्देशन	उद्गम देश	निर्वाह का देश	उत्पादक	निर्वातक	क्षति अम. डॉ./ मी. टन	पाप की इकाई	मुद्रा
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
1	29171400	मेसिक एनलाइकड्ड	कोई	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	हाक्सली रीजेंट टेमिंग केमिकल कं. लि.	हाक्सली रीजेंट वर्क्स	82.35	मी. ट.	अम. डॉ.
1	-वही-	-वही-	-वही-	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	हाक्सली रीजेंट टेमिंग केमिकल कं. लि.	कोई अन्य निर्वातक	203.61	मी. ट.	अम. डॉ.
2	-वही-	-वही-	-वही-	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	जियानजिन सनकी फाइन केमिकल फैक्ट्री	गोल्डलिक कंपनी लि.	94.34	मी. ट.	अम. डॉ.
3	-वही-	-वही-	-वही-	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	जियानजिन सनकी फाइन केमिकल फैक्ट्री	कोई अन्य निर्वातक	203.61	मी. ट.	अम. डॉ.
4	-वही-	-वही-	-वही-	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	वांगझाऊ वाबांग केमिकल कं. लि.	वांगझाऊ वाबांग केमिकल कं. लि.	94.32	मी. ट.	अम. डॉ.
5	-वही-	-वही-	-वही-	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	वांगझाऊ वाबांग केमिकल कं. लि.	कोई अन्य निर्वातक	203.61	मी. ट.	अम. डॉ.
6	-वही-	-वही-	-वही-	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	कोई भी	कोई भी	203.61	मी. ट.	अम. डॉ.
7	-वही-	-वही-	-वही-	चीन जन. गण.	चीन जन. गण. से भिन्न कोई देश	कोई भी	कोई भी	203.61	मी. ट.	अम. डॉ.
8	-वही-	-वही-	-वही-	चीन जन. गण. इंडोनेशिया तथा चीनी ताइपेयी से भिन्न कोई देश	चीन जन. गण.	कोई भी	कोई भी	203.61	मी. ट.	अम. डॉ.

9	बही-	बही-	बही-	इकोनोमिक	इकोनोमिक	सीटी जस्टिस कलरी राय	सीटी जस्टिस कलरी राय	54.04	नो. ट.	अन. बी.
10	बही-	बही-	बही-	इकोनोमिक	इकोनोमिक	सीटी जस्टिस कलरी राय	कोई अन्य निर्देशक	203.61	नो. ट.	अन. बी.
11	बही-	बही-	बही-	इकोनोमिक	इकोनोमिक	कोई अन्य उल्लेख	कोई निर्देशक	203.61	नो. ट.	अन. बी.
12	बही-	बही-	बही-	इकोनोमिक या	इकोनोमिक से भिन्न कोई देश	कोई नो	कोई नो	203.61	नो. ट.	अन. बी.
13	बही-	बही-	बही-	इकोनोमिक, चीन जन. गण. दल चीनी ताइपेई से भिन्न कोई देश	इकोनोमिक	कोई नो	कोई नो	203.61	नो. ट.	अन. बी.
14	बही-	बही-	बही-	चीनी ताइपेई	चीनी ताइपेई	कोई नो	कोई नो	23.13	नो. ट.	अन. बी.
15	बही-	बही-	बही-	चीनी ताइपेई	चीनी ताइपेई से भिन्न कोई देश	कोई नो	कोई नो	23.13	नो. ट.	अन. बी.
16	बही-	बही-	बही-	चीनी ताइपेई, चीन जन. गण. दल तथा इकोनोमिक से भिन्न कोई देश	चीनी ताइपेई	कोई नो	कोई नो	23.13	नो. ट.	अन. बी.

127. इस प्रयोजनार्थ आयातों का पहुंच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के अंतर्गत सीमाशुल्क द्वारा यथाविधारित आंकलन योग्य मूल्य होगा और उसमें सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3, 8 ख, 9 और 9 के अंतर्गत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर समस्त सीमाशुल्क शामिल होंगे।

128. इस आदेश के खिलाफ कोई अपील उक्त अधिनियम के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण में दायर की जा सकती।

129. प्राधिकारी द्वारा अधिनियम के संगत प्रावधानों और समय-समय पर इस संबंध में जारी की गई सार्वजनिक सूचनाओं के अनुसार इसमें संस्तुत निश्चयात्मक उपायों को जारी रखने, संशोधन करने या उन्हें समाप्त करने की ज़रूरत की समय-समय पर समीक्षा की जा सकती है। प्राधिकारी द्वारा ऐसी किसी समीक्षा के लिए कोई अनुरोध तक तक स्वीकार नहीं किया जाएगा जब तक कि उसे इस प्रयोजनार्थ निर्धारित समय सीमा के भीतर किसी हितवन्त पार्टी द्वारा दायर न किया गया हो।

आर. गोपालन, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)****NOTIFICATION****New Delhi, the 22nd August, 2008****Final Findings**

Sub: Anti-Dumping Investigations involving import of Maleic Anhydride originating in or exported from China PR, Chinese Taipei and Indonesia.

No. 14/3/2007-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, (hereinafter referred to as the Rules) thereof:

2. Whereas M/s Thirumalai Chemicals Ltd., Ranipet, Tamil Nadu (herein after referred to as the 'applicant') filed an application before the Designated Authority (hereinafter referred to as the 'Authority'), in accordance with Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 (hereinafter referred to as the 'Act') and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, (hereinafter referred to as the 'Rules'), alleging dumping of Maleic Anhydride (hereinafter referred to as the 'subject goods'), originating in or exported from the China PR, Chinese Taipei and Indonesia (herein after also referred to as 'subject countries') and requested for initiation of an investigation for the levy of anti dumping duties on the subject goods.

3. Whereas the Designated Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the applicants issued a public notice dated 23rd February 2007, published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Anti-Dumping Investigations concerning imports of the subject goods, originating in or exported from the subject countries, in accordance with the sub-Rule 5(5) of the Rules, to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to recommend the amount of antidumping duty, which, if levied would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

4. On the request of the Designated Authority the Central Government has extended the time period for completion of this investigation till 22nd August, 2008, in terms of Rule 17 of the Rules.

A. Procedure

5. The procedure described below has been followed with regard to this investigation by the Authority:-

- (i) Before proceeding to initiate the investigation as stated in paragraph 2 above, the Authority notified the Embassies/Representatives of the subject countries in India about the receipt of dumping application made by the Applicant before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-rule (5) of Rule 5 supra.
- (ii) The Authority sent copies of initiation notification dated 23rd February 2007 to the Embassies of the subject countries in India, known exporters from the subject countries, importers, consumers and the domestic industry as per the addresses made available by the applicant and requested them to make their views known in writing within 40 days of the initiation notification.
- (iii) The Authority provided copies of the non-confidential version of the application to the known exporters and to the Embassies of subject countries in accordance with Rule 6(3) supra.
- (iv) The Embassies of the subject countries in India were informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their countries to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter and questionnaire sent to the exporters were also sent to them, along with the names and addresses of the exporters.
- (v) The Authority sent questionnaire to the following known exporters from subject countries to elicit relevant information in accordance with Rule 6(4).

China PR

1. Hangzhou Bhoking Biochemical Engineering Co. Ltd.,
Tangxi Town,
Yuhang District,
Hangzhou 311 106
P.R. China
2. Shanxi Regent Taiming Chemical Co Ltd
No.9 Xinhe Road, Wu Long Kou Street,
Taiyuan
Private Economic Zone, Taiyuan, Shanxi, China
3. Suzhou Synthetic Chemical Co Ltd
126, Qimenwai St
Suzhou China

- 4 Shanghai Kingdom Industry co Ltd
8-13-301, 3333 Zhongchun Road
Shanghai 201101 China

Chinese Taipei

- 1 UPC Technology Corporation
SF 20, Lane 478, Rueiguang Road,
Neihu Chiu,
Taipei,
Chinese Taipei 114
- 2 Taiwan Synthetic Petrochemical Corporation,
25-9A Morrison Plaza
Sector 4 Jen-Ai Road,
Taipei, Chinese Taipei R.O.C.

Indonesia

- 1 PT. Justus Sakti Raya
Wisma Justus
Jl. Danau Sunter Utara No. 27-28, Blok 03 Jakarta,
Indonesia
(Seberang Kantor PT. Toyota Astra Motor - Sunter)

- (vi) The following producers/exporters of China PR in response to the Initiation of the investigation filed their responses showing interest in participating in the investigation.

China PR

1. M/s Shanxi Regent Taiming Chemical Co., Ltd. (RTC) -
Producer and M/s Shanxi Regent Works Inc. (RWI) -
Exporter
2. M/s Jiangyin Shunfei Fine Chemical Factory (Producer)
& M/s. Goldlink Industries Co. Ltd (Exporter)
3. Changzhou Yabang Chemical Company Ltd.
(Producer/Exporter)

- (vii) The following producers/exporters from the other countries named in the investigation have also filed their questionnaire response and participated in the investigation.

Indonesia

1. M/s. PT Justus Sakti Raya

Chinese Taipei

NIP

- (viii) Questionnaire was sent to the following known importers and Consumers of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4).

- 1 M/s. Ficom Organics Ltd., Anklashwar
- 2 M/s. Dujodwala Paper Chemicals Ltd., Khopoli (Maharashtra)
- 3 M/s. Hindustan Basic Drugs, Mumbai
- 4 M/s. Mechemo Industries, Thane, Maharashtra
- 5 M/s. Nayakem Organics Pvt. Ltd., Tarapur Indl. Area, Maharashtra
- 6 M/s. Salvi Chemical Industries, Thane, Maharashtra
- 7 M/s. Morex Petrochem Ltd. Mumbai
- 8 M/s. Rachna Plasticizers, Mumbai
- 9 M/s. Satyen Polymers, Silvassa
- 10 M/s. KLJ Polymers and Chemicals Ltd., Daman
- 11 M/s. PCI Oil & Solvents Ltd.
- 12 M/s. Viseen Industries Ltd., Silvassa
- 13 Mr. Silvo Laical Chemicals Ltd., Raigad
- 14 M/s. Jewel Polymers Pvt. Ltd., Palghar
- 15 Mr. Orson Chemicals Pvt. Ltd., Distt. Thane.
- 16 M/s. PCL Oil & Solvents Ltd., Daman
- 17 M/s. Netwrok Polymers, Tarapur
- 18 M/s. Pure Chem Pvt. Ltd., Anklashwar
- 19 M/s. Manali Chemicals, Mumbai
- 20 M/s. Crescent International, Mumbai

- (ix) As per records of the Authority, following importers/Associations/Interested Parties have filed the response to the importers' questionnaire/made certain submissions to the Authority:

1. M/s. Morex Petrochem Ltd., Mumbai
2. M/s. Viseen Industries Ltd., Mumbai
3. M/s. Rachna Plasticizers, Mumbai
4. M/s. Polyblend Polymers Pvt. Ltd., Mumbai
5. M/s. Kavlex Chemicals, Mumbai
6. M/s. R.K. Industries, Mumbai
7. M/s. Jewel Polymers Pvt. Ltd., Mumbai
8. M/s. Divine Petrochemical Pvt. Ltd. Mumbai
9. M/s. Polyblend Polymers Pvt. Ltd., Mumbai
10. M/s. Indian Plasticizers Manufacturers Association, New Delhi.

11. Silvasa Plast, Silvasa

12. Polyester Resin Manufacturers Association, Mumbai

- (x) In addition, M/s.Mysore Petrochemicals Ltd., another domestic producer of the subject goods attended the public hearing and made certain submissions.
- (xi) No other interested party filed any submission or information in respect of this investigation before the Authority.
- (xii) Investigation was carried out for the period starting from 1st October 2005 to 30th September 2006 (POI). The examination of trends, in the context of injury analysis, covered the periods April 2003-March 2004, April 2004-March 2005 and April 2005-March 2006 and the POI.
- (xiii) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties.
- (xiv) The Authority has examined the confidentiality claims of various interested parties in respect of the data submitted by them. The information, which is by nature confidential or which has been provided on a confidential basis by the interested parties and the Authority being satisfied to its confidentiality has treated confidential. *** In this Notification represents information furnished by the interested parties on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- (xv) The Authority held a public hearing on 7th May, 2008 to provide an opportunity to all interested parties to present their views. The oral submissions made by the parties during the public hearing reproduced in writing have been taken on record for the purpose of this investigation.
- (xvi) The Authority verified the information submitted by the interested parties including the domestic industry, to the extent possible. Cost verification of the domestic industry was carried out to determine the Non-Injurious Price (NIP) of the domestic industry as per the consistent practice of the Authority.
- (xvii) In accordance with rule 16 of Rules supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to known interested parties and comments received thereon have also been duly considered in these findings.
- (xviii) Based on the information furnished by the applicant and as verified by the Authority, optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India was worked out keeping in mind the Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) in order to ascertain whether Anti-Dumping duty, lower than the dumping margin, would be sufficient to remove injury to the Domestic Industry.

B. Product under Consideration and Like Article

6. The product under consideration is 'Maleic Anhydride (MAN) (also referred to as 'subject goods'). MAN is an organic acid anhydride ($C_2H_4O_3$), generally available in pillow shaped briquette form or in molten form. Both the forms are considered within the product under consideration in the investigation. MAN is used to manufacture a wide range of products like unsaturated polyester resins, alkyd resins, paper sizing chemicals, insecticides and fine chemicals. MAN is classified under ITC (HS) subheading 29171400. However, the customs classification is indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation.

7. The applicant has claimed that goods produced by them are like articles to the goods originating in or exported from subject countries. There is no significant difference in the subject goods produced by the applicant and those exported from subject countries. MAN manufactured by Domestic Industry is identical to the product under consideration, and is therefore being treated as like article for the purpose of this investigation. None of the importers/consumers/exporters/ interested parties has filed any comments/objections/submissions with regard to product under consideration and Like Articles.

C. Domestic Industry and standing

8. The application was filed by M/s Thirumalai Chemicals Ltd., Ranipet. The applicant claimed that they hold over 80% of the total domestic production of the subject goods and that they constitute the domestic industry within the meaning of Rule 2(b) of the rules supra as the production of the applicant company constitutes more than 50% of total Indian production.

C.1. Views of other interested parties

9. M/s. Changzhou Yabang Chemical Company Ltd, China PR and Indian Plasticizers Manufacturers Association have stated that the applicants did not constitute the whole of the domestic industry manufacturing the like article and treating the applicant as domestic industry would be a violation and disregard to the judgment of the Honourable Supreme Court in Reliance Industries v. DA reported in 2006 (202) ELT 23 (SC).

10. M/s. Jiangyin Shuenfei Fine Chemical Factory, China PR and M/s. Goldlink Industries Co. Ltd., China PR stated that subsequent to the Reliance decision (supra) by the Honourable Supreme Court, Authority has been consistently holding the view that all the producers in the country can only form the "domestic industry" in terms of Rule 2(b). They

have also stated that the applicant has been importing substantial quantities from its related entity in Malaysia and being an importer it does not qualify as domestic industry and should be declared as an ineligible domestic producer for the purpose of rule 2(b). Since all the domestic producers had not filed the required information, the applicant should be treated as non-cooperative.

C.2. Views of the applicant

11. In response to the above, the applicant made following submissions:

- (i) Even after the judgement of the Hon'ble Supreme Court in Reliance Industries Vs. the Designated Authority, the Authority has been determining the scope of the Domestic Industry in terms of Rule 2(b) applying the major *proportion* test and in this regard has cited various cases decided by the Authority.
- (ii) The applicant has argued that continuing the above said practice of the Authority, so long as the participating producers account for a major proportion of total domestic production in India, Authority treats them as constituting the domestic industry. In this case, the applicant accounted for over 80% of the total production of the product concerned in India and thus, satisfied the 'major proportion' test and hence, the applicant must be treated as representing the 'domestic industry' within the meaning of Rule 2(b).
- (iii) Further, with regard to imports of the product concerned from Malaysia, the applicant submitted that Malaysia was not a subject country and hence imports from non-subject countries shall not be considered. In any case, the applicant had imported small quantities from Malaysia. Quantities imported from Malaysia as a percentage of applicant's production was a mere 5.8% during POI.
- (iv) Further, the question of treating the applicant as non-cooperative domestic producer on the ground that another producer having a small production capacity did not participate in the investigation does not arise. The applicant producer has fully cooperated with the Authority and the Authority may take a decision based on facts available.

C.3. Examination by the Authority

12. The Authority has examined the views of interested parties and the applicant as under:-

- (i) Before initiation of the investigation, Indian Chemical Council, Mumbai filed a letter with the Authority stating that there were only two manufacturers of the subject goods in India – i.e. Thirumalai Chemicals Ltd and Mysore Petrochemicals Ltd with a capacity of 17750 MTPA and 5400 MTPA respectively. Taking into account the actual production of the applicant and the capacity of other producer(s), authority concluded that the applicant represented over 68% of the total domestic production of the subject goods in India. As the applicant met the standing requirements laid down in Rule 5(3) of the rules, Authority initiated the investigation. The Authority also wrote to the other producer to provide necessary information. Subsequent to the initiation of the investigation, Mysore Petrochemicals Co Ltd furnished actual production quantities. Taking into account the actual production reported by Mysore Petrochemicals Co Ltd, authority found that the applicant accounted for over 80% of the total domestic production of the subject goods and thus fulfilled the criterion laid down in Rule 2(b) of the rules supra. Authority also found that the applicant had not imported the goods from the subject countries.
- (ii) Further, the applicant had imported the subject goods from Malaysia and not from any of the subject countries. Quantities imported by them from Malaysia accounted for less than 5.8% of the applicant's total production. Applicant stated that primarily imports were made under duty free advance licences for manufacturing other value added products like food acids for exports. In view of the above, Authority holds that the exclusion clause provided under Rule 2 (b) is not attracted at all.
- (iii) After examining the facts, the Authority holds that the production of the applicant accounted for a major proportion of the total domestic production of the subject goods in India and accordingly, determines that the applicant constitutes domestic industry within the meaning of the Rule 2(b) read with 2(d) and the application satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5 of the Rules supra.

D. De Minimis Limits

13. Applicant had provided import statistics from two sources in the application. DGCIS data presented in the application covered upto 30th June 2006. IBIS data given in the application covered the entire injury period. Subsequently, complete data became available and the Authority has relied on the DGCIS Statistics for the analysis. Authority notes that the quantities imported from the subject countries during the POI were above the de minimis limits prescribed under Rule 5(3) of the rules supra.

E. Other issues**E.1. Views of the Exporters, Importers, Consumers and Other Interested Parties**

14. The other issues as have been raised by the exporters, importers and other interested parties and are taken on record.

- (i) M/s. Changzhou Yabang Chemical Company Ltd, China PR stated that the POI and the previous financial year till March 2006 were overlapping and this overlapping period was a substantial period having serious impact on the inferences to be made from the data. Thus, they submitted that the Authority should order the Applicant to re-work the data and present the same. M/s. Changzhou Yabang Chemical Company Ltd, China PR stated that the costing information submitted by the petitioner was insufficient as non-confidential versions of Formats A, B, C-I, C-II, D and E were not provided; information relating to net sales, production and consumption had been treated as confidential though the same were available in the public domain in their Annual Reports (at P.21, 22 of Annual reports 2003-04, 2004-05 and 2005-06); applicant had claimed confidential treatment for many exhibits (Exhibits 6,7, 12,13,14,15,16,17,18 and 23) by merely stating confidential treatment requested and not providing details of the basis on which confidential treatment should be granted; applicants had claimed an undisclosed Return on Capital Employed (ROCE) as per the response to Q.No.10 of the Costing Information of the application; applicant had claimed excessive confidentiality and failed to disclose certain relevant information; evidence as to the calculation of the ex-factory export price in non confidential version was incomplete; and the non confidential information provided by the Applicant was deficient and not sufficiently summarized or indexed.
- (ii) M/s. Jiangyin Shunfei Fine Chemical Factory (Producer) and M/s. Goldlink Industries Limited (Exporter) stated that excessive confidentiality has been claimed by the domestic industry by not disclosing even the summary of their selling prices, percentage undercutting, percentage underselling etc.
- (iii) The importers/Associations/Other Interested parties have raised various issues with regard to raw material used in manufacturing process, cost effectiveness on the raw materials used in *manufacturing process, meager production and availability of* subject goods from domestic industry, setting up of a plant in Malaysia by the applicant as well as increasing demands of domestic market etc. and have opposed the Initiation.
- (iv) Government of Indonesia had stated that the period of investigation being Oct-2005 to Sep-2006, previous years data

shall be collected for corresponding twelve months period i.e. Oct'02 –Sep'03, Oct'03-Sep'04, etc. PT Justus Sakti Raya did not export the product concerned to India after May 2006 while the exports from China PR increased considerably. Designated Authority shall consider all 15 mandatory injury factors in terms of Article 3.5 of the WTO Anti-dumping agreement. There should be a difference in the treatment given to exporters from Chinese Taipei as none of them had cooperated in this investigation. The imposition of antidumping duty on non-cooperative companies should be bigger than the cooperative companies.

E.2. Views of the Domestic Industry

15. Domestic Industry have submitted following views:

- (i) The applicant stated that in many cases, period of investigation prescribed by the Authority did not coincide with the financial year or the calendar year; in all such cases, there would be an overlapping of data between the POI and its immediately preceding year; it would be impractical to align the previous years' data with the 12 months of the POI; such an exercise may not provide any new insights into the trends in the movement of various parameters than what is shown in the current data set; it would only lead to avoidable labour without any commensurate benefits. In none of the cases in the past, Authority has insisted on such a re-alignment of past data to coincide with the data for the POI to eliminate possible overlapping. The demand is impractical and hence, it needs to be rejected.
- (ii) In response, domestic industry stated that a perusal of formats A,B,C-I,C-II,D and E (at pages 26 to 31) would reveal that reasons for claiming confidentiality to those formats have been expressly stated in the relevant pages; allegation that no reasons have been given for claiming confidentiality was incorrect; information relating to quantity produced, sold and captively consumed had been disclosed in the written submissions filed by domestic industry pursuant to the public hearing; information contained in exhibits 6,7, 12,13,14,15,16,17,18 and 23 were business sensitive and/ or obtained from others on a confidential basis and therefore, confidential treatment was requested for the said exhibits; calculation of non-injurious price was highly business sensitive as it related to the cost of production and sales of the product concerned by the domestic industry and therefore, confidential treatment was requested for the same (in response to Q.No. 10 of the costing information of the application) and that the applicant did not claim excessive confidentiality. The applicant claimed that the application filed by them revealed significantly higher quantity of data than what was being disclosed in the applications filed in other cases.

E.3. Examination by the Authority:

16. The Authority has examined the views stated above and has observed as follows:

- (i) The application filed by the domestic industry contained sufficient evidence to justify the present investigation.
- (ii) The Authority notes that the period of investigation for injury analysis was three financial years namely 2003-04, 2004-05 and 2005-06 and also POI that was October 2005 to September 2006. Though there was an overlapping of six months between the financial year 2005-06 and POI, both the periods covered 12 months each and the trend was compared with respect to two previous financial years that had no overlapping. If the overlapping was to be avoided, data for all the three previous financial years had to be modified to show the figures for October-September instead of April-March. Such a modification would be cumbersome. The Authority noted that even without such a modification, the trend observed from the data was reasonable and reliable. In any case, none of the interested parties presented any evidence to show as to how the data was skewed due to the overlapping. In view of the same, Authority did not consider it necessary to get the data for the previous three years aligned to that of the corresponding 12 months period of the POI.
- (iii) Information provided by the interested parties on confidential basis examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has granted confidentiality, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis. The information submitted on non-confidential basis and indexed or summarized information of confidential information as submitted by the parties have been placed in the public file.
- (iv) The Authority notes that the interested parties have raised certain issues on injury claims of the domestic industry and certain public interest concerns. The issues raised are matters of detailed investigation and the Authority has examined them at appropriate places in this findings.

F. Determination of Dumping Margin

17. As detailed in Annexure-I, three producers from China PR, one producer from Indonesia submitted their questionnaire response in this investigation and no response was received from the producers of Chinese Taipei.

F.1. Methodology of Determination

18. The Authority notes that the Hon'ble Supreme Court of India, in the Civil Appeal No.1294 of 2001, M/s. Reliance Industries Ltd. Vs. The Designated Authority and others has held that the normal value is not exporter-specific but exporting country-specific.

19. In pursuance of the above orders, normal values of the subject goods for the subject countries have been determined. These country-specific normal values have been compared with the export prices for the corresponding subject goods of the individual exporters to determine individual dumping margin of the concerned exporters.

F.2. China PR and Examination of Market economy claims

20. As noted in the previous section, three producers/exporters from China PR filed their responses to the initiation of the investigation. The data submitted by the three cooperating producers/exporters were verified in accordance with the Rules and reports of such verification carried out by the Authority were made available to the respective producer/exporter.

21. The Authority notes that in terms of paragraph 8(2) of Annexure of the Rules, a non-market economy presumption was made against China PR and its exporters. However, the exporters from China PR have claimed market economy treatment for them in terms of the second proviso of the said paragraph and have claimed their normal value in China PR in terms of the principles set out in paragraph 1 to 6 instead of the principles set out in paragraph 7 of Annexure-I, for deciding the claims of the individual producer/exporter for grant of market economy treatment as per the parameters set out in para 8.3 of the said Annexure and facts are as under:

M/s. Shanxi Regent Taining Chemical Co., Ltd. (RTC)- Producer and M/s Shanxi Regent Works Inc. (RWI)- Exporter

22. The process of formation and asset transfer of the responding company was verified from the records of the company in order to find distortions, if any, carried over from the erstwhile non-market economy conditions of the entity and it is observed as follows:

- a. Initially, M/s. AAA, a county owned enterprise started its business in *** at the producer's address and it was informed that no information was available about initial investments made in ***.

- b. On ****, M/s. BBB was established as a company limited by shares with Registered Capital of RMB **** with 64.93% (RMB ***) of the CCC and 35.07% (RMB ***) of DDD a State Owned Asset Management company. It was reported that *** employees paid the sum of RMB **** (i.e. 64.93% as stated) and documents in support of same were produced for verification. No evidence was produced for 35.07% shares of DDD – the State Owned Asset Management Company that how same was arrived and what fixed assets etc. as well as liabilities were passed on to new company against that part of shares. The valuation report of AAA on the date of transformation i.e. **** with fixed assets register was not made available to evaluate the transparency of the transformation. In response to the verification report, the producer pointed out that transformation made before ultimate privatization in 2005 need not be examined.
- c. An Agreement dated *** entered into between DDD the State owned Asset Management Company and M/s. EEE was produced. As per the said Agreement, DDD agreed to transfer its **** shares to EEE for a consideration of RMB 0(zero) and that EEE agreed to invest additional funds to re-start BBB's production. Further, no details of valuation of assets and liabilities on the date of transfer were made available. In response to the verification report, the producer stated that EEE accepted a liability of RMB**** payable to Local Taxes Bureau. After taking into account the liability to the Local Taxes Bureau, net assets became negative and both parties agreed to transfer shares for zero consideration leaving tax liability to EEE. The company had produced an asset valuation report as on *** and no asset valuation report on the date of transfer i.e.**** was made available.
- d. According to Agreement stated at (c) above, M/s. EEE made investments to the tune of RMB *** and accordingly registered Paid-up capital increased to RMB ***. Thus, M/s. EEE held 91.25% of total equity shares and CCC held remaining 8.75 equity shares. In this regard, capital verification report dated *** was produced.
- e. On ****, M/s. EEE transferred 25% of the shares in BBB to M/s. FFF(a US based company). Consequent to the transfer, BBB was held by EEE (66.25%), FFF (25%) and the CCC(8.75%).
- f. With the transfer of shares from M/s. EEE to M/s. FFF, BBB was transformed from a Chinese enterprise to Sino-foreign equity joint venture. In ***, BBB obtained the Certification of Foreign-invested Enterprise and changed its name to Shanxi

Regent Taiming Chemical Company Ltd (hereinafter referred to as RTC).

- g. M/s. EEE, who held 66.25% in RTC, was established on *** funded by GGG and HHH (a Singapore company) with a original capital of RMB ***. It was stated that GGG was a limited liability company funded by a natural person but is no longer in existence. It was stated that the original shareholders i.e. both GGG and HHH transferred their shares to M/s. Regent Works Inc and FFF respectively in ***. Regent works Inc, is a limited liability company and it is held by two Chinese individuals. Further, in ***, a new shareholder namely, JJJ was inducted into the M/s. EEE as a third shareholder. It was stated that JJJ was established on *** and its share holders are three natural persons, who are Chinese individuals. Details of the consideration paid by JJJ for the purchase of shares in M/s. EEE were not made available for verification.
- h. RTC exported the goods to India through a related entity named Shanxi Regent works Inc. (RWI). One of the shareholders of Regent Works – Mr. Wang Zhi was the Executive Director in Taiming. It was found that the day-to-day operations of both the companies were carried out by Mr. Wang Zhi.
- i. No comments were received from the producer and exporter on the disclosure statement. Further, the producer's contention in response to the verification report that transformation made before ultimate privatization in 2005 need not be examined does not hold good.

23. In view of the above, the Authority holds that significant investment, influence and control over the operations of the company is continued to be exercised by the State and accordingly, the producing company (RTC) has failed to rebut the presumption that they operate under non-market economy conditions. The Authority also holds that in view of the facts stated above, state interference in the operations of exporting company (RWI) could not be ruled out and accordingly, the exporter has also failed to rebut the presumption that they operate under non-market economy conditions.

M/s. Jinagyin Shunfei Fine Chemical Factory – Producer and M/s. Goldlink Industries Co. Ltd. – Exporter

24. Initially, only the producer i.e. Jinagyin Shunfei Fine Chemical Factory submitted response to the MET questionnaire and the exporter i.e. Goldlink Industries Co Ltd did not file MET questionnaire response. At the instance of the Authority, Goldlink submitted its MET questionnaire response subsequently. The process of formation and asset transfer of the responding companies was verified from the records of the company

in order to find distortions, if any carried over from the erstwhile non-market economy situation of the entity and it is observed as follows:

- (i) M/s. Jiangyin Shunfei Fine Chemical Factory (Shunfei) is a sole-proprietorship entity with its entire capital amounting to RMB *** contributed by one individual Ms. ***. The capital was contributed on ****. The business Licence was dated ****.
- (ii) It was informed that Shunfei had a new plant that was set up in *** on the land taken on rent from the local Authority.
- (iii) It was found that the land had been acquired on lease rental basis by M/s. AAA on behalf of Ms.*** based on an authorization letter issued by her on ***.
- (iv) Similarly, Shunfei had stated in the questionnaire response that it had acquired technology from the Institute of Coal Chemistry of Chinese Academy of Sciences (for short "CAS") for RMB ***. On perusal of the technology transfer agreement, it was found that it had been signed by M/s. AAA on behalf of Shunfei. During verification, they stated that they had paid RMB.*** towards technology transfer fee.
- (v) No details of the relationship between Ms. *** and M/s.AAA were provided to the Authority. Details as to the consideration paid, if any, to M/s. AAA for the services rendered by them were also not made available.
- (vi) Documents relating to certification for completion of plant construction was produced evidencing completion of (a) Water Treatment workshop on *** (b) Central Control Building on *** (c) MAN Workshop on *** (d) Wind Machine Workshop on *** (e) Finished Product Warehouse on *** and (f) Forming Workshop on ***.
- (vii) It was observed that construction of the plant had no relation to the capital transferred by Ms. *** on *** for the reason that the plant constructions were either completed before transfer of money or within 40 days after the transfer of the money. There were vital missing links as to (a) how the plant constructions were completed before the investments were made by the sole proprietor; (b) who did the construction on behalf of Shunfei and at what consideration, if any, before the entity came into existence.
- (viii) Shunfei stated that plant and machinery was purchased from different suppliers and the plant was set up giving contracts for different works. In support of their claim, a contract entered by Shunfei with M/s. BBB for supply of machines detailed therein for RMB *** with relevant

payment details was produced. The contract was dated *** and the machineries were to be delivered on ***. It was noted that plant completion certificates had been issued prior to the date of this contract. Accordingly, most of the plant and machinery should have been purchased earlier.

- (ix) Shunfei had exported the subject goods to India through M/s. Gold Link Industries co Ltd (hereinafter referred to as 'Goldlink'), a limited liability company established on ***. Till ***, Goldlink was 100% state-owned. In ***, 70% of the shares were transferred to *** individuals and the balance 30% of the shares were transferred to CCC – a state owned company. In ***, 30% of the shares held by the state owned company was also transferred to individuals. It was claimed in the MET questionnaire response that on both the occasions, the assets were evaluated independently by an independent accounting firm. However, no evidence in this regard was made available.
- (x) The verification reports on the request of the exporter were made available separately to the producer and exporter and they replied that they had no comments on the verification report.
- (xi) The Authority considered the comments received to the disclosure statement. In their comments, the producer/exporter had claimed that they had reimbursed the amounts spent by other parties towards technology fee, construction of plant, etc after the company was established. The evidence pointed out by the producer in the disclosure statement was reconsidered. However, the fact remains that the circumstances under which one company provided services to another company by spending substantial amounts without any fee or service charge or any interest for the amount spent clearly indicated lack of transparency in the setting up of the company.
- (xii) Further, the producer failed to establish (a) whether the technology fee paid by them reflected market value of technology acquired; and (b) whether the prices of coke-based benzene as well the machinery purchased by them reflected market values.
- (xiii) MET responses filed by both the producer and the exporter were verified to the extent considered necessary. The comments of the exporter that MET response of the exporter was not verified were not correct.

25. In view of the above, the Authority holds that both the companies have failed to rebut the presumption that they operate under non-market economy conditions.

M/s. Changzhou Yabang Chemical Co., Ltd (CYC) - Producer/Exporter

26. The process of formation and asset transfer of the responding company was verified from the records of the company in order to find distortions, if any carried over from the erstwhile non-market economy situation of the entity and it is observed as follows:

- (i) M/s. AAA was established on *** with registered capital of RMB ***. M/s. BBB was established on *** as a Joint Stock company. Business Licence of BBB showed that it had a registered capital of RMB *** millions. A Chinese version of the Articles of Association of 'Yabang Group' listing out *** names of shareholders was made available with incomplete translation. In response to the disclosure statement, four pages of the said articles of association giving names and ID numbers of shareholders in English was made available. From the said translation, authority found that Jiangsu Yabang Group Co Ltd had 31 individuals as shareholders.
- (ii) Changzhou Yabang Chemical Co Ltd (CYC) (responding producer/exporter in this investigation) was established on **** as a Sino-Foreign equity joint venture company with a total share capital of US\$ *** contributed by four shareholders listed below:
 - (a) M/s. BBB with a capital USD\$ *** (49.88% shares);
 - (b) M/s. CCC with a capital USD\$ *** (4.45% shares);
 - (c) M/s. DDD with a capital USD\$ *** (4.85% shares); and
 - (d) Mr. XXX, a Taiwan resident with a capital USD\$ *** (40.82% shares).
- (iii) CYC had provided information about certain changes in the shareholding pattern subsequent to the POI. They have not been taken into consideration as they related to events after the POI.
- (iv) It was informed that a MOU was entered with Land Resources Bureau of Changzhou in *** and land measuring **** sq. meters was allocated to the producer situated at X60005-2 Industrial Park of Wei Village, Xinbei District, Changzhou City for a period of 50 years on lease @ RMB *** per sq.m. The original copy of MOU was produced. It was informed that lease amount was paid full and final in the year ***.
- (v) CYC, the producer was also the controlling shareholder of three subsidiaries (a) M/s. EEE (b) FFF and (c) GGG and supplies raw material to them. The total capital invested by CYC in its subsidiaries was not made available to verify the facts in the questionnaire response & subsequently.

- (vi) In response to the Verification Report, the producer/exporter claimed that detailed information on acquisition of plant and machinery was made available at the time of verification.

27. The Authority found that the documents presented by CYC with regard to fixed assets and other investments in plant and machinery, including ledger copies and depreciation charts did not provide necessary transparency to the process of acquisition of fixed assets. For the foregoing reasons, the Authority holds that CYC failed to establish transparency in its establishment and operations and failed to rebut the presumption that they operate under non-market economy conditions.

F.3 Determination of normal value

28. All the three cooperating producers/exporters from China P.R have failed to rebut the presumption that they operate under Non Market Economy conditions, and accordingly normal value has been determined referring to Para 7 of Annexure I of the Rules which reads as: "In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin."

29. In the initiation notice, it was proposed that Chinese Taipei would be taken as appropriate third country for determining normal value for China PR. However, none of the exporters from Chinese Taipei cooperated in this investigation and no data was available to arrive at normal value for Chinese Taipei. Further, requisite data was not available for Chinese Taipei to determine price from said country to other countries including India.

30. Accordingly for non-market economy producer/exporter from China PR, normal value has been constructed taking into consideration international price of basic raw material 'Benzene', consumption ratio of the cooperating producers in China PR and optimum conversion cost and SGA expenses of the domestic industry in India. In response to the disclosure statement, one of the Chinese producers stated that the value of coke-based benzene should be considered. However, no data with regard to the cost of coke based benzene in a market economy third country or international prices of coke based benzene was made available. Further, no data relating to the difference between the international prices of coke based benzene and petroleum based benzene was made available to the authority. In the absence of such information, Authority considered, based on best information available, the international prices of Benzene irrespective of whether it was coke based or petroleum based. The normal value so determined is US\$**** per MT.

F.4 Export Price

31. The Authority has determined export price for the following cooperating producer/exporter from china PR as detailed below:

M/s. Shanxi Regent Taining Chemical Co., Ltd. (RTC)- Producer and M/s. Shanxi Regent Works Inc. (RWI)- Exporter

32. RTC made exports to India through M/s. Shanxi Regent Works Inc. (RWI). RWI exported both solid and some molten form MAN to foreign customers. However, only solid form was exported to India. There was only **** sale transaction of molten form to Italy during the POI. In Appendix-2, there were a total of *** transactions of exports to India for a total quantity of *** MT. The customers are end-user as well as wholesaler. The delivery terms are CIF/FOB. Payment terms were usually T/T in advance for old customers and L/C for new customers. Inland transportation had been paid by related company Regent Machinery & Equipment Ltd.

33. The weighted average export price as reflected in Appendix 2 and Appendix 3A and as verified by the Authority was considered. From the said export price, adjustments towards Inland freight, Handling charges, Overseas freight, Overseas insurance, Bank charges, Commission and Credit cost were allowed as claimed by the exporter and as verified by the Authority. In addition, 4% non-refundable VAT was a cost incurred for the export sales while no such cost was incurred on domestic sale. The 4% represented the difference between the VAT paid on purchase of inputs (17%) and the VAT refund allowed on exports (13%). In the constructed normal value, no element had been included towards non-refundable portion of VAT. Therefore, in order to make a fair comparison between export sales and constructed normal value, a deduction towards Non-Refundable portion of VAT at the rate of 4% as claimed and has been made from the export price.

34. Accordingly, the ex-factory export price has been determined for combination of producer/exporter to US\$ **** per MT and the landed value has been determined as US\$ **** per MT.

M/s. Jiangyin Shunfei Fine Chemical Factory -Producer and M/s. Goldlink Industries Co Ltd. - Exporter.

35. Shunfei exported the subject goods to India through Goldlink. The subject goods were directly despatched from the factory of Shunfei to Indian destinations and the invoice was raised by Shunfei on Goldlink who in turn, raised invoices on the Indian customer. Goldlink had exported to India through a trader, who earned a commission and the payment was made by the final customers only. The delivery terms were mostly CIF and in one case it was CFR.

36. Goldlink had also exported goods produced by other producers. Total exports of subject goods to India made by Goldlink were *** MT procuring *** MT from other producers. Out of total exports, goods produced by Shunfei were *** MT (*** transactions). The weighted average export price of goods produced by Shunfei and exported by Goldlink as reported in Appendix 2 and as verified by the Authority was considered for the purposes of determining export price. It was submitted that they claim antidumping duty for the combination of producer Shunfei plus exporter Goldlink only. Payment terms were LC 90 days or DA 90 days.

37. From the export price, adjustments towards Inland freight, Credit cost, Overseas freight, Overseas insurance, Export inspection Fee and Commission as reported in Appendix 2 and Appendix 3A and as verified by the Authority has been made.

38. The transactions between Shunfei and Goldlink was domestic transactions and VAT was payable at the rate of 17% on the invoice price of Shunfei. However at the time of exportation, Goldlink was entitled to a refund of 13% resulting in a net loss of 4% to the exporter. This 4% non-refundable VAT was a cost to the exporter. The exporter did not claim the deduction towards the differential amount of VAT paid @ 17% and VAT refund obtained @ 13%. As the non-refundable VAT portion of 4% was an additional cost to the exporter to be met from the export realization, in order to effect a fair comparison, a deduction towards non-refundable portion of VAT @ 4% has been made from the export price. In response to the disclosure statement, the exporter has stated that there is no need to deduct 4% from the export price. The exporter has stated that it is a cost and not a reduction in export price. Since the said cost is not incurred while selling in the domestic market and no such cost has been factored in the constructed normal value, in order to effect make comparison, it is necessary to either add 4% of the FOB value of exports to the normal value or make a deduction from the export price. Following the consistent practice of the authority, 4% of FOB value has been deducted from the export price towards non-refundable portion of VAT.

39. Accordingly, the ex-factory export price has been determined for combination of producer/exporter as US\$ **** per MT and the landed value has been determined as US\$*** per MT.

M/s. Changzhou Yabang Chemical Co., Ltd. (CYC)-
Producer/Exporter

40. CYC made exports to India directly. CYC negotiated the transaction terms with the customers by fax/e-mail, usually, signed the contract. CYC's export sales were not on cash terms. The credit period was indicated as L/C for 60 or 90 days, etc. The customers opened L/C in favour of CYC. After the receipt of L/C, CYC arranged production according to the contract. In occasional cases, CYC asked the customer to make advance payment by T/T either in whole or in part and the rest to be paid by D/P. The goods were shipped to India on CIF terms.

41. The weighted average export price as reported in Appendix-2 and Appendix 3A and as verified by the Authority has been considered. From the export price, deductions towards Inland freight, Credit cost, Bank charges, Overseas Freight and Overseas insurance as claimed by the exporter and as verified by the Authority has been allowed. The exporter had not claimed any deduction towards differential amount of VAT paid @ 17% and VAT refund obtained @ 13%. Documents in this regard were verified. The 4% non-refundable VAT was a cost to the exporter and the same has been allowed as a deduction from export price. In the comments to the disclosure statement, the exporter pointed out that 4% VAT deduction should be made on the FOB value. The calculations were checked and corrected suitably.

42. Accordingly, the ex-factory export price has been determined as US\$ **** per MT and the landed value has been determined as US\$*** per MT.

Other Exporters from China P.R.

43. The export price for non-cooperating exporters from China PR has been determined based on best facts available taking into account the data examined for the cooperating exporters from China P R. The ex-factory export price has been determined to US\$ *** per MT.

F.5 Dumping Margin – China P.R.

44. On the basis of Constructed Normal Value, the dumping margin for the producer/exporters from China PR has been determined as follows:

Name of the exporter	Normal Value (US\$/MT)	Export Price (US\$/MT)	Dumping Margin (US\$/MT)	Dumping Margin %
Shanxi Regent Taiming Chemical Co Ltd (Producer) and Shanxi Regent Works Inc (Exporter)	***	***	***	38-43%
Jinagyin Shunfei Fine Chemical Factory (Producer) and Goldlink Industries Co Ltd (exporter)	***	***	***	35-39%
Changzhou Yabang Chemical Co Ltd (Producer/Exporter)	***	***	***	37-42%
All other exporters from China P R	***	***	***	62-69%

F.6 Indonesia**PT Justus Sakti Raya****Normal Value**

45. PT Justus Sakti Raya was the only exporter from Indonesia who filed a detailed response to the exporter's questionnaire. Due to administrative reasons, no verification was conducted. However, in order to be fair to the cooperating exporter, the data submitted by the exporter in its questionnaire response has been considered for the purpose of determining normal value and export price.

46. The exporter had reported domestic sales in Appendix 1. Weighted Average domestic selling price as reported in Appendix 1 has been considered for determining normal value. The exporter had claimed deductions towards reject/bad debts and inland transportation. In respect of reject/bad debts, it was stated that management charge ***% from total sales especially in domestic sales. Such charges for bad debts/rejects are not direct selling expenses warranting a deduction in arriving at the ex-factory domestic selling price. Therefore, the said deduction has been disallowed. Deduction towards inland transportation has been allowed as claimed by the exporter. In Appendix 1, they had indicated payment terms. However, no evidence had been presented in respect of the credit period extended. Exporter had also not claimed any deduction towards credit cost. Therefore, no deduction towards credit cost has been made. In response to the disclosure statement, the exporter had stated that normal value shall be calculated based on gross invoice value minus inland freight and dumping margin shall be calculated based on CIF export price. The Authority has considered the data provided by the exporter after conducting ordinary course of trade test as required under the rules for determining normal value. Accordingly, normal value for PT Justus Sakti Raya has been determined as US\$ *** per MT only.

Export Price

47. The weighted average export price as reported by PT Justus Sakti Raya in Appendix 2 and Appendix 3A has been considered. Deductions towards inland freight, overseas freight, overseas insurance and commission as claimed by the exporter has been allowed. Accordingly, the ex-factory export price has been determined to US\$ *** per MT and the landed value has been determined as US\$*** per MT.

Dumping Margin

48. The dumping margin for PT Justus Sakti Raya has been determined as US\$ *** per MT (%)

Other exporters from Indonesia

49. The export price for non-cooperating exporters from Indonesia has been determined based on best facts available taking into account the data considered for the cooperating exporter from Indonesia. Accordingly, the ex-factory export price has been determined to US\$ *** per MT. The said export price has been compared with the normal value determined for Indonesia (as stated for cooperating producer/exporter) and accordingly dumping margin for other exporters from Indonesia has been determined as US\$ *** per MT (%)

F.7 Chinese Taipei

Normal Value

50. None of the exporters from Chinese Taipei responded to the initiation notice. Accordingly, normal value has been determined based on the data of domestic industry. The constructed normal value for Chinese Taipei has been determined by the Authority as US\$ *** per MT.

Export Price

51. None of the exporters from Chinese Taipei responded to the initiation notice. Therefore, ex-factory export price has been determined based on the DGCIS data. Accordingly, the ex-factory export price for Chinese Taipei has been determined as US\$ *** per MT.

Dumping Margin

52. The dumping margin for all exporters from Chinese Taipei has been determined as US\$ *** per MT (%).

F.8 Dumping Margin Summary

53. As stated above, dumping margins for the exporters from the subject countries are proposed to be determined as follows:

Country	Producer	Exporter	Dumping Margin US\$/MT	Dumping Margin %
China PR	Shanxi Regent Taiming Chemical Co Ltd	Shanxi Regent Works	***	38-45%
	Jiangyin Shunfei Fine Chemical Factory	Goldlink Industries Co Ltd	***	35-39%

	Changzhou Yabeng Chemical Co Ltd	Changzhou Yabeng Chemical Co Ltd	***	37-42%
	All Other producers from China PR	Any exporter	***	52-55%
Indonesia	PT. Justus Sakti Raya	PT. Justus Sakti Raya	***	21-27%
	All other producers from Indonesia	Any exporter	***	34-40%
Chinese Taipei	Any producer from Chinese Taipei	Any exporter	***	15-20%

G. INJURY DETERMINATION

54. The Authority notes that the subject goods have been exported to India at significantly dumped prices from the subject countries and accordingly examines injury to the domestic industry with reference to those dumped imports.

55. The Authority has taken note of the arguments of the interested parties on injury aspect to the extent the arguments were found relevant. The Authority has examined the injury parameters objectively taking into account the facts before it and the arguments of the interested parties.

G.1. Examination of Injury and Causation

56. Rule 11 of Anti-Dumping Rules read with Annexure-III provides principles for determination of injury and same has been taken into consideration.

57. The application for imposition of antidumping duty was filed by M/s. Thirumalai Chemicals Ltd, Ranipet, Tamil Nadu who commands a major proportion of total production of the subject goods in India. As noted earlier, in terms of Rule 2(b) of the Rules the above producer has been treated as the domestic industry for the purpose of this investigation. There was another known domestic producer namely M/s. Mysore Petro Chemicals Ltd. Keeping in mind the spirit of the decision of the Honourable Supreme Court in the case of Reliance Industries v/s Designated Authority, M/s. Mysore Petro Chemicals Ltd was requested to file cost and injury information for the purpose of injury determination and determination of non-injurious price for the domestic industry as a whole. However, M/s. Mysore Petrochemicals Ltd submitted a simple letter stating that they have a plant to manufacture the product concerned using recovery process from wash water of Phthalic Anhydride and their production was around 3000 MT per annum. Since no other information was received from M/s. Mysore Petrochemicals Ltd, the cost and injury information of the applicant domestic producer, constituting the domestic

industry as defined in Rule 2(b), has been examined for determination of injury and Non-injurious price.

58. For the examination of the impact of dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II of the Rules.

G.2 Cumulative assessment of injury

59. As per annexure-II paragraph (iii) of the Rules, in case, imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to Anti-dumping investigation, the Authority is required to cumulatively assess the effect of such imports, only when it determines that

- (a) The margin of dumping established in relation to imports from each country is more than 2% expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is 3% of the imports of like article, and,
- (b) Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in the light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic article.

60. The Authority observed that the margin of dumping in respect of each of the subject country was more than 2% as may be seen from Annexure II of this disclosure statement.

61. Quantity of dumped imports from the subject countries constituted 93% of the total imports of the product concerned into India during POI. Individually, imports from China PR, Chinese Taipei and Indonesia accounted for 77%, 7% and 9% respectively as tabulated below:

[Quantity in MT]

	2003-2004		2004-2005		2005-2006		POI	
Imports	7993.06	100	5701.48	100	9444.75	100	12455.00	100
Subject countries	3630.77	44	3847.28	64	8048.79	85	11698.88	93
China PR	1860.78	23	2935.98	51	5415.98	57	9550.33	77
Chinese Taipei	1170.99	15	526.50	9	1317.82	14	901.00	7
Indonesia	499.00	6	184.82	3	1315.00	14	1155.00	9
Other countries	4462.3	56	2054.17	36	1395.96	15	848.67	7

Thus, they were individually above the de minimis level of 3% of the total imports of the product concerned into India.

62. There are no significant differences in the characteristics of products exported from each of the subject countries. Imports from the subject countries competed with each other in the Indian market as export prices from the subject countries were within a narrow range.

63. In view of the above, Authority notes that it is appropriate to cumulatively assess the effect of dumped imports of the subject goods, from all the subject countries, on the domestically produced like article in the light of conditions of competition between the imported products and the like domestic product.

64. Annexure II of the AD Rules requires that determination of injury shall involve an objective examination of both:

- (a) The volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in the domestic market for the like products; and
- (b) Consequent impact of these imports on domestic producers of such products.

65. The Authority while examining the volume of dumped imports is required to examine whether there has been a significant increase in the dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. With regard to the price effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree, or prevent price increase which otherwise would have occurred to a significant degree.

6.3 Volume Effect of the dumped imports

66. Quantity of imports from the subject countries and other countries were as follows:

[Quantity in MT]

	2003-2004		2004-2005		2005-2006		POI	
Imports	7993.06		5701.45		9444.75		12455.00	
Subject countries	3530.77	100	3547.28	103	8048.79	228	11606.33	329
China PR	1860.78	100	2935.96	158	5415.96	291	9550.33	513
Chinese Taipei	1170.99	100	526.50	45	1317.82	112	901.00	77
Indonesia	499.00	100	184.82	37	1315.00	264	1155.00	231
Other countries	4462.30	100	2054.17	46	1395.96	31	848.67	19

- a. Imports from the subject countries increased from 3531 MT in 2003-04 to 11606 MT during POI.

- b. Dumped imports relative to domestic production and demand are shown in the table below:

	[Quantity in MT]			
	2003-04	2004-05	2005-06	POI
Subject countries	3530.77	3647.28	8048.79	11606.33
China PR	1860.78	2935.98	5415.98	9550.33
Chinese Taipei	1170.99	526.50	1317.82	901.00
Indonesia	499.00	184.82	1315.00	1155.00
Other countries	4482.30	2054.17	1395.96	848.67
Total Imports	7993.06	5701.45	9444.75	12455.00
Production of Domestic Industry	10551.00	10708.00	10442.00	11442.00
Captive consumption	766.00	0	106.00	1028.00
Export Sales	483.00	1483.00	887.00	1387.00
Domestic Sales of the domestic industry	9515.00	9734.00	8435.00	8266.09
Total demand (Including captive consumption)	18,274.00	15,436.45	17,985.75	21,749.00
Production of domestic industry as % of total demand	58%	69%	58%	53%
Imports from subject countries as % of total demand	19%	24%	45%	53%

67. Production of domestic industry as a % of total demand was 58% during 2003-04. It increased to 69% in 2004-05. It decreased to 58% in 2005-06 and further decreased to 53% during the POI. Further, dumped imports relative to consumption/demand increased from 19%% to 53% during the injury period as shown in the table above.

G.4 Effect of dumped imports on the prices of domestic industry

68. The effect of dumped imports on the prices of the domestic industry has been examined in terms of (a) price undercutting, (b) price underselling, (c) price depression and (d) price suppression.

a) Price undercutting

69. Price undercutting by dumped imports from all the subject countries was ***% during 2003-04. It increased to ***% in 2004-05. It came down to ***% in 2005-06. Again, it increased to ***% during POI.

	[Rs. PMT]			
	2003-04	2004-05	2006-06	POI
Domestic Average Sales Realisation	***	***	***	***

	2003-04	2004-05	2005-06	POI
Landed Value of Imports				
China PR	40612.12	59961.63	63360.27	58,426.73
Chinese Taipei	42059.35	54373.63	64142.91	62,470.14
Indonesia	46136.05	54559.3	66843.42	62,326.35
Subject countries	41731.48	58800.76	63894.10	59,128.69
Other than subject countries	48586.25	64082.08	78971.44	68,152.74
Price undercutting Ru./MT				
China PR	****	****	****	****
Chinese Taipei	****	****	****	****
Indonesia	****	****	****	****
Subject countries	****	****	****	****
Price undercutting (% - range)				
China PR	14 - 17%	14 - 19%	3 - 7%	7-14%
Chinese Taipei	11 - 13%	27 - 30%	1 - 5%	0-5%
Indonesia	2 - 5%	28 - 32%	0 - 5%	1-5%
Subject countries	12 - 15%	18 - 24%	4 - 8%	7-12%

70. Price undercutting from China PR increased from ****% in 2005-06 to ****% during POI showing an increase of 81%. Price undercutting from Chinese Taipei decreased by 49%. Price undercutting from Indonesia increased by 117% and for all the subject countries taken together, it increased by 88% as shown below:

	Price undercutting in 2005-06	Price Undercutting during POI	Increase during POI
China PR	****%	****%	81%
Chinese Taipei	****%	****%	-49%
Indonesia	****%	****%	117%
Total Subject Countries	****%	****%	88%

b) Price underestimation

71. The price underselling was **%, **% and **% from China PR., Chinese Taipei and Indonesia respectively. The price underselling for the dumped imports from all the subject countries was **%.

	Rs./MT	Price Underselling	
		Rs./PMT	% (range)
Non Injurious Price	****		
Landed value			
China PR	58,426.73	***	7-14%
Chinese Taipei	62,470.14	***	0-5%
Indonesia	62,326.35	***	1-5%
Subject countries	59,128.69	***	7-12%
Sales of Domestic Industry			
Domestic Sales	*****		

c) Price Depression

72. Average Sales realization of the domestic industry decreased from Rs.**** PMT during 2005-06 to Rs.**** PMT (i.e. Rs. ****PMT) during POI though the cost increased during the same period by Rs.**** PMT only.

d) Price Suppression

73. Price suppression indicates the inability of the domestic producer to increase prices commensurate with the increase in costs. Compared to the previous year, costs increased during POI by Rs.*** PMT whereas average sales realization decreased by Rs.**** PMT during the same period. The domestic industry reduced its prices during POI while the costs increased.

Sl.No.	Particulars	(Rs. PMT)			
		2003-04	2004-05	2005-06	POI
1	Cost of sales	****	****	****	****
2	Sales Realisation	****	****	****	****
3	Changes compared to Previous Year				
4	Increase in cost of sales		Positive	Negative	Positive
5	Increase in sales realisation		Positive	Negative	Negative
6	Changes compared to base year				
7	Increase in cost of sales				Positive
8	Increase in sales realisation				Positive

74. Compared to the base year 2003-04, costs during POI increased by Rs.**** PMT whereas average sales realization increased only by Rs.**** PMT.

G.5 Consequent Impact of dumped imports on domestic industry

75. The Authority has examined the consequent impact of dumped imports on the domestic industry in terms of various economic factors and indices having a bearing on the domestic industry as explained below:

- (i) **Sales quantities:** Domestic sales quantities decreased from 9515 MT in 2003-04 to 8266 MT during POI recording a fall of over 13% as shown in the table below:

	2003-04	2004-05	2005-06	POI
Domestic Sales (MT)	9,515	9,734	8,436	8,266
Domestic Sales MT (indexed)	100	102	89	87

- (ii) **Market share:** The market shares of the domestic industry, imports from subject countries and imports from other countries are tabulated below:

	2003-04	2004-05	2005-06	POI
China-PR	10.18%	19.02%	30.11%	43.91%
China (Indexed)	100	187	298	431
Chinese Taipei	5.41%	3.41%	7.33%	4.14%
Chinese Taipei (Indexed)	100	63	114	65
Indonesia	2.73%	1.20%	7.31%	5.31%
Indonesia (Indexed)	100	44	268	194
Subject countries	19.32%	23.63%	44.75%	53.36%
Subject Countries (Indexed)	100	122	232	278
Other Countries	24.43%	13.21%	7.58%	3.90%
Other Countries (Indexed)	100	54	31	16
Domestic Industry	56.26%	63.06%	47.46%	42.73%
Domestic Industry (Indexed)	100	112	84	76

Market share of domestic industry increased from 56% during 2003-04 to 63% during 2004-05. It decreased to 47% in 2005-06 and further decreased to 43% during POI. Market share of subject countries increased from 19% in 2003-04 to 53% during POI which evidently shows that domestic industry has been crowded out.

- (iii) **Output:** Production of domestic industry increased from 10551 MT during 2003-04 to 11442 MT during POI recording an increase of 8%. However, there was no change in output during base year and POI.

[Quantity in MT]				
Particulars	2003-04	2004-05	2005-06	POI
Production	10,551	10,708	10,442	11,442
Production (indexed)	100	101	99	108

Captive consumption out of own production- TCL	786	0	106	1,028
Export sales - TCL	483	1,483	867	1,357
Production for domestic market	9,302	9,225	9,469	9,047
Production for domestic market (indexed)	100	99	102	97
Production for domestic market including captive consumption	10,088	9,225	9,575	10,075
Production for domestic market including captive consumption(indexed)	100	92	95	100

- (iv) **Utilisation of capacity:** Capacity was increased by 65% from 10750 MT to 17750 MT during 2004-05. Capacity utilization came down from 98% during 2003-04 to 64% during POI.

Particulars	2003-04	2004-05	2005-06	POI
Installed Capacity	10,750	17,750	17,750	17,750
Production	10,551	10,708	10,442	11,442
Capacity utilization	98%	60%	59%	64%

The above table shows that domestic industry is left with significant idle capacity.

- (v) **Productivity:** The domestic industry did not record any fall in productivity.

	2003-04	2004-05	2005-06	POI
Production (MT)	10,551	10,708	10,442	11,442
Production per day (based on 330 days a year)	32	32	32	35
Production per employee	***	***	***	***

- (vi) **Profits:** The profit was Rs. ****PMT during 2003-04. It decreased to Rs. **** PMT in 2004-05. Profits increased in 2005-06 to Rs. ****PMT. However, it turned into a loss of Rs. **** PMT during POI. In terms of indexed numbers, from a profit level of Rs.100 during 2003-04 it has turned into a loss of Rs.113 during POI. The profit/loss has been worked out on the domestic sale excluding captive consumption.

Particulars	2003-04	2004-05	2005-06	POI
Profits (Rs. in lacs)	****	****	****	****
Profit per MT in Rs.	****	****	****	****
Profit per MT in Rs. (indexed)	100	36	77	(113)

- (vii) Return on investments: Return on capital employed was ***%, ***%, ***% and (-) ***% during 2003-04, 2004-05, 2005-06 and POI respectively. The return on investment has been worked out on the domestic sales excluding captive consumption.

- (viii) Cash flow: The cash profit of Rs.*** PMT during 2003-04 turned into a cash loss of Rs.** PMT during POI. The cash flow has been worked out on the domestic sales excluding captive consumption.

Particulars	2003-04	2004-05	2005-06	POI
Cash Profit (Rs. in lacs)	****	****	****	****
Cash Profit per MT in Rs.	****	****	****	****
Cash Profit per MT in Rs. (Indexed)	100	78	97	(1)

- (ix) Inventory: Inventory levels have come down marginally during POI as compared to 2005-06.

Particulars	2003-04	2004-05	2005-06	POI
Average inventory (MT)	****	****	****	****
Indexed	100	53	87	55
Inventory in terms of no. of days's sales	****	****	****	****
Indexed	100	52	100	82

- (x) Employment : The number of persons employed has been adversely affected as it was reduced from *** persons during 2003-04 to *** persons during POI.

- (xi) Wages: Average annual wages per person increased from Rs.*** during 2003-04 to Rs.*** during 2005-06. It came down marginally to Rs.*** during POI.

Particulars	2003-04	2004-05	2005-06	POI
Average Annual wages per person (Rs.)	****	****	****	****
Average wages per person per day (Rs.)	****	****	****	****
Indexed wages	100	103	122	119

- (xii) Growth: Installed capacity was increased by 65% during 2004-05. However, in the three years after increasing the installed capacity, not even 10% of the increased capacity had been utilized. Over 90% of the increased capacity remained unutilized during POI. Though the demand for the product concerned (including captive consumption) increased by 19% during POI as compared to 2003-04, the domestic industry had no increase in its sales or market share.

- (xiii) **Ability to raise Capital or investments:** With a negative return on capital employed, ability to raise capital or investments had been adversely affected.
- (xiv) **Factors affecting domestic prices:** The domestic industry reduced its prices.
- (xv) **Magnitude of margin of dumping:** Margin of dumping from the subject countries individually was significantly higher than the de minimis level of 2%.

76. The examination of above injury parameters establishes that growth in demand was 19% during POI as compared to base year. Despite overall growth in demand, sale of the domestic industry declined by 13% during POI as compared to base year 2003-04. During the same period, the imports of subject goods from subject countries increased significantly from 3531 MT in 2003-04 to 11606 MT during POI i.e. it increased by 329%. The share of the imports from subject countries in relation to demand increased from 19% in 2003-04 to 53.% during POI whereas the share in demand of the domestic industry declined from 58% to 53% during the same period.. The capacity utilization of the domestic industry, despite growth in demand has declined from 98% to 64% during POI. Thus most of additional capacity remained unutilized during POI. The Profit (PBIT) level of Rs.100 during 2003-04 has turned into a loss of Rs.113 during POI. The return on net capital employed declined to 21 during POI as compared to 100 of base year 2003-2004.

77. Imports from subject countries have increased significantly and these had significant price effect resulting in price suppression and price undercutting.

78. On the basis of above analysis, the Authority holds that the performance of the domestic industry deteriorated in terms of production, sales volumes, capacity utilization, market share, factors effecting prices, profits, return on investment, cash profits, collectively and cumulatively showing that the domestic industry has suffered material injury.

79. In view of the above facts the Authority holds that the imports from the subject countries have caused material injury to the domestic industry.

G.6 Causal Link and other factors

a) Submissions by Changzhou Yabang Chemical Co Ltd:

80. Changzhou Yabang Chemical Co Ltd., China PR (CYC) stated that Thirumalai Chemicals Ltd (TCL) ceased operations as regards production of subject goods after the POI due to an increase in the cost of benzene, a key raw material. In this regard, CYC quoted TCL's Annual Report 2005-06 page 6 which stated as under:

"Industry Developments

Volatility in the prices of the Raw Material as also the Company's end products are normal features in this line of business, which has a bearing on the company's operations. Furthermore, prices of Benzene which is also the Raw material for manufacture of Maleic Anhydride (MAN), had touched historic high levels earlier, slightly softening later, but were still higher compared to previous years. Lately, prices of Benzene are on the rise again and consequently, MAN prices are expected to remain firm."

81. TCL was also importing the product concerned from their joint venture plant in Malaysia and supplying the same to the domestic users of the subject goods. The petitioner had declared that it has changed the technology used in its manufacturing plant in Malaysia. The plant now uses Butane route as opposed to using the Benzene route. Petitioner would produce the subject product in Malaysia through the Butane route as it would be a cheaper process and the cost of raw material would not be as volatile as that of Benzene that is used for manufacturing the subject product in India.

82. Malaysian plant has an installed capacity of 30000 MT. From this fact alone it can be inferred that the reason for regular shut down or slow down in operations of the plant in India was to augment regular supply of the subject goods from Malaysia and compete with the Chinese material being offered to the industrial users in India.

83. The injury to the petitioners was self-inflicted and was being suffered due to the non-absorption of developments in technology. They have quoted the decision of the Designated Authority in Copper Clad Laminates from China PR, Taiwan, Hong Kong, Korea RP, Singapore, Philippines and Thailand wherein the Authority has held as follows: ***"Authority, therefore, considers that non-absorption of developments in technology has been a major factor in the injury to the domestic industry"***.

84. Captive consumption and exports of MAN by the petitioner had increased dramatically, and therefore, there was hardly any quantity of the subject product left to sell in the domestic market and cater to the consumers at home who have according to market intelligence, always faced a shortage of the subject goods and consequentially have had to rely on imports to meet their needs.

85. While market share of the petitioner came down over a period of time, this issue could not be linked to voluminous imports from other countries but could be attributed to the investments made in Malaysia and the imports made therein.

86. Costs of sales moved up during the injury period and the net realizations came down in view of the lower production and consequently lower economies of scale. Further, it was necessary to see at what prices the Malaysian imports and indigenous production had been sold to in the domestic market by the domestic industry.

b) Submissions by Shanxi Regent Taiming Chemical Co Ltd and Shanxi Regent Works Inc.

87. It is common knowledge that the applicant had recently set up a unit for manufacture of the subject goods in Malaysia, which was running successfully and earning huge profits for the applicant. Applicant was using Butane based production process to manufacture Maleic Anhydride at its Malaysian plant which was technologically advanced than the benzene based production process employed by the applicant in India. Applicant has chosen not to employ the economically viable technology in India and has instead chosen to pursue the present antidumping investigation in India. Therefore, it is apparent that loss, if any, suffered by the Applicant by manufacture of the subject good in India is on account of production process which does not correspond to the prevalent market demand and not dumping by the companies herein as alleged or at all.

88. Market demand of Maleic Anhydride would not be met by the applicant even if the production capacity of its manufacturing plant is utilized to its maximum. Applicant being the sole producer of the subject goods in India has failed to cater to the rising demand of the subject goods for want of adequate production aptitude.

c) Submissions by Indian Plasticizers Manufacturers Association (IPMA)

89. The only purpose of the application of TCL was to get levied anti dumping duty on Maleic Anhydride and to give boost to TCL Malaysian JV of Maleic Anhydride to capture the entire market.

90. TCL has already converted their MAN Plant to PAN and have decided to abandon the production of MAN in India and feed the local market from their Malaysian Joint Venture.

d) Submissions by Polyester Resin Manufacturers Association (PRMA) and IPMA

91. TCL Malaysian JV has been set up mainly for export to India and it would be appropriate to include Malaysia in antidumping investigations as it has been in regular production for a period of one year and the figure of 8% imports from Malaysia is of the period when the JV has not commenced the production based on Butane technology.

e) Submissions of the Domestic industry

92. The exporters have raised a hue and cry that TCL had not introduced the new Butane route in India though in their Malaysian related company (where they have a 25% stake) they have introduced Butane route. None of the exporters from China PR have the right to raise this issue as all of them are using Benzene route only. When the exporters are themselves using Benzene route, they cannot claim that the Indian domestic producer should not use Benzene route. The decision of the Authority in the copper clad laminates case is not at all applicable to the facts and circumstances of this case. In the case of copper clad laminates, Indian domestic producer was not able to manufacture laminates that can be used in a wide variety of PCBs due to non-absorption of technology while the rest of the world had changed over to newer technologies. In this case, exporters are using Benzene route just like the Indian domestic producer and hence the question of non-absorption of technology does not arise.

93. Merely because the domestic industry has a minority stake in a related company in Malaysia that manufactures the product concerned, one cannot say that the Indian domestic producer should also use the same technology as the Malaysian company. Antidumping law does not contemplate any such requirement.

94. Malaysian JV is not a new venture. It has been in operation for over twelve years. In all these years, TCL has been manufacturing the product concerned in India with some minimal imports of the product concerned from Malaysia. Before the sudden surge of dumped imports from China PR, TCL has been operating its Indian plant to almost full capacity. Only when the dumped imports surged quite significantly at very low prices, TCL had to scale down its production.

95. Contrary to what is alleged by CYC, TCL did not close down its operations due to an increase in the cost of Benzene. In fact, the very statement from the Annual Report 2005-06 clearly states that consequent to the increase in the prices of Benzene, MAN prices are expected to remain firm. While the Annual Report perceives that MAN prices are expected to remain firm, CYC claims that TCL decided to close down its operations due to increase in the prices of Benzene. Nothing can be farther from the truth. Such inferences that distort the factual position shall be rejected outright.

96. In this regard, the Annual Report of 2006-07 which covers the second half of the POI may be seen. In page 6 & 7 of the said report, it has been stated as follows:

"Volatility in prices of the Raw Material as also the Company's end products are normal features in this line of business which can have bearing on the Company's operations. While since beginning of the year, oil prices continued to rise, during the 3rd quarter of the current year, the Company's fortunes suffered due to the falling Oil prices. Subsequently,

the prices have remained steady with sporadic firmness being witnessed at times."

97. While TCL rightly recognizes that volatility in the prices of raw materials is a normal feature in this line of business, the exporters claim that TCL has decided to close down the operations due to increase in the prices of raw materials.

98. In this regard, TCL's Annual Report 2006-07 further stats as follows:

"For several years until middle of this year, your Company was operating MAN capacity fully and catering to not just domestic demand but also export which was quite remunerative. However, rampant dumping of MAN into the Country from China during the year adversely affected Company's plans to operate MAN plant fully. Imports of MAN from China were coming at prices which were lower than the prices of Benzene from which MAN is manufactured. Hence, for some time, the MAN plant was shut down and was only operated to cater to the demand of its regular and loyal customers as also to meet captive consumption requirements for manufacture of other value added products. To arrest such unscrupulous imports of MAN, your Company has initiated action for levy of Anti Dumping Duty on import of MAN into our Country from China. The Company is hopeful that with the imminent possibility of an ADD levy soon, dumping of MAN into our Country would cease. Thereby, Company would be able to operate its MAN plant also fully and continuously with decent contribution."

99. As stated in the Annual Report for the year 2006-07, due to continuous dumping from the subject countries, production of MAN was scaled down. It was operated only to cater to the demand of its regular and loyal customers as also to meet captive consumption requirements for manufacture of other value added products.

100. The claim that TCL has already converted its MAN plant to PAN is nothing but a figment of imagination. The MAN plant is being used sporadically to manufacture MAN only and at other times, it is lying idle. TCL has not converted its MAN plant into PAN. Such rumours shall not be taken into consideration.

f) Examination by the Authority

101. The Authority examined the contentions raised by various interested parties. Firstly, Thirumalai Chemicals Ltd – the domestic producer constituting the domestic industry in this case uses Benzene route to manufacture the product concerned. The producers from China

PR also use Benzene to manufacture the product concerned. Thus, the Authority finds no merit in the argument of the Chinese producers that the injury to the domestic industry was self inflicted due to non-absorption of technology i.e. for not converting the plant to the Butane route.

102. The Authority had examined the details of imports made by the domestic industry from its related company in Malaysia and same are as under:

Year	Imports from Malaysia (in MT indexed)
2003-04	100
2004-05	35
2005-06	26
POI	11

103. Since many interested parties stated that the domestic industry has shut down its production post POI and they are importing from Malaysia and selling it in the domestic market, Authority asked the domestic industry to provide details of imports from Malaysia after the POI. In the written submissions made pursuant to the public hearing, domestic industry stated that they had imported 12 (indexed) MT during the entire year 2006-07 and 4 (indexed) MT during 2007-08. The import figures for 2007-08 were based on IBIS data. Thus, the authority found that the domestic industry had not resorted to importing from Malaysia and supplying it in the domestic market as alleged by the Exporters and other opposing interested parties.

104. The Authority also found that the quantity of captive consumption (1028 MT) and exports (1387 MT) taken together accounted for only about 21% of the total production of the domestic industry during POI and the remaining quantities were sold in the domestic market. Therefore, the allegation that the quantities of captive consumption and exports of the domestic industry increased dramatically and there was hardly any quantity left to sell in the domestic market was not based on the facts.

105. Though the domestic industry has a related company manufacturing the same product in Malaysia through a different technology that would not disqualify the domestic producer in India to apply for antidumping duty in India as there are no such legal restrictions. Further, other commercial issues raised by the interested parties did not contain any merit as explained in the preceding paragraphs. Further, most of the imports from Malaysia were under Advance Licences for manufacturing other value added products for export. Further, authority notes that the domestic producer has stated in its published Annual Report for the year 2006-07 as follows:

- "...The Company is hopeful that with the imminent possibility of an ADD levy soon, dumping of MAN into our Country would cease. Thereby, Company would be able to operate its MAN plant also fully and continuously with decent contribution."

106. In view of the same, Authority holds that there is no merit in the argument that the domestic producer intends to close down their plant and start supplying to their Indian customers from their Malaysian plant.

107. In view of the foregoing, authority holds that imports from Malaysia were not the cause of injury to the domestic industry.

g) Examination of Other Known Factors

108. As required under paragraph (v) of Annexure II to the antidumping rules, authority examined the impact of other factors such as (a) volume and prices of imports not sold at dumped prices; (b) contraction in demand or changes in the pattern of consumption; (c) trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers; (d) developments in technology and (e) export performance and productivity of the domestic industry.

109. The imports from other countries except Malaysia were of negligible quantities. Imports from Malaysia were at significantly higher prices than the import prices of the subject countries. Domestic industry claimed that imports from Malaysia were not at dumped prices. Other interested parties did not provide any evidence to the contrary. Further, as stated earlier, imports from Malaysia were not the cause of injury to the domestic industry.

110. The Authority notes that the demand has increased. Anticipating the growth in demand, domestic industry had increased its capacity in 2004-05. However, they were not able to utilize more than 10% of their increased capacity till the end of POI though the demand increased by over 18%. Thus there was no contraction in demand during POI.

111. The Authority noted that there was a single market for the subject goods where dumped imports from subject countries compete directly with the subject goods produced by the domestic industry. Authority also noted that the imported product was sold to meet the similar commercial grades and specifications as domestically produced subject goods and that the imported subject goods and domestically produced goods were like articles and were used for similar applications/ end uses.

112. The Authority noted that there was no restricted practice prevalent in the industry which could be attributed to the injury to the domestic industry.

113. There were no developments in technology that affected the domestic industry vis-à-vis the exporters as both the exporters and the domestic industry used the same Benzene route to manufacture the product concerned.

114. Export performance of the domestic industry was examined. There was no evidence to show that their export performance affected their domestic performance. In any case, injury has been examined with reference to their domestic performance only. Therefore, export performance was not a cause of injury to the domestic industry.

115. The Authority found that there was no loss of productivity and hence it was not a cause of injury.

G.7 Magnitude of Injury and Injury Margin

116. The Authority determined non-injurious price (NIP) for the domestic industry taking into account the cost of production of the domestic producer as stated earlier. NIP determined by the Authority was US\$ **** PMT. This NIP was compared with the landed values of the exports from the exporters from the subject countries for determining injury margin. The Authority notes that the injury margins are significant.

G.8 Determination of Non-Injurious price

117. The Authority determined the non-injurious price for the domestic industry as a whole.

118. The non-injurious price determined by the Authority for the subject goods produced by the domestic industry has been compared with the weighted average landed value of the exports from the subject countries for determination of injury margin. The injury margins have been determined as follows:

Country	Producer	Exporter	Injury Margin US\$/MT	Injury Margin %
China PR	Shanxi Regent Taining Chemical Co Ltd	Shanxi Regent Works	****	4 - 8%
	Jiangyin Shunfei Fine Chemical Factory	Goldlink Industries Co Ltd	****	6 - 9%
	Changzhou Yabang Chemical Co Ltd	Changzhou Yabang Chemical Co Ltd	****	6 - 9%

	All Other producers from China PR	Any exporter	****	14 - 18%
Indonesia	PT Justus Sakti Raya	PT Justus Sakti Raya	****	1 - 5%
	All other producers from Indonesia	Any exporter	****	14 - 18%
Chinese Taipei	Any producer from Chinese Taipei	Any exporter	****	1 - 6%

G.9 Conclusion on Injury and Causal link

119. On the issue of injury and causal link, all the fifteen mandated parameters affecting the domestic industry have been examined. The volume and the price effect from subject countries have been cumulated as per the rules. From the volume and the price effect, it is gathered that the volume of the dumped imports has increased substantially during the injury period and have increased substantially during the POI. The volume of the dumped imports from subject countries is considered significant in relation to the demand as well as in relation to the production of the subject goods in the country. In relation to prices, it is noted that there has been a decline in the prices at the CIF level as well as the landed value of subject goods from subject countries. Following decline in the landed value, it is noted that the dumped imports prices have undercut significantly the prices of the domestic industry in the Indian market. It is also noted that the dumped imports from subject countries have suppressed the domestic industry prices and there is a significant price underselling by domestic industry as the landed prices are significantly below the non injurious price determined for the domestic industry. With regard to the impact of volume and the price effects on the domestic industry, the Authority noted that the dumped imports started surging only from base year 2003-04 onwards. Though production has increased during the injury period, the increase was insignificant and sales have decreased by 13% from 2003-04 to POI. In fact, the capacity utilization has declined significantly since 2004-05 to the POI. With regard to the change in the operating performance, it is seen that the changes appear significant from 2003-04 to the POI. The operating performance of domestic industry shows a significant negative growth from 2003-04 to the POI in terms of profitability, ROI and cash profit.

120.. The above analysis has properly distinguished and separated the effects of all known factors on the situation of the domestic industry from the injurious effects of the dumped imports and it is concluded that these other factors as such did not reverse the fact that the material injury found may be attributed to the dumped imports.

121 It is, therefore, concluded that the dumped imports originating in or exported from the subject countries have caused material injury to the domestic industry within the meaning of Rule 11 of Anti Dumping rules.

H. Indian Industry's Interests:

122. The purpose of anti dumping duties in general is to eliminate dumping which is causing injury to the domestic industry and to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country.

123. The Authority recognizes that the imposition of anti dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition on the Indian market will not be reduced by the anti dumping measures. On the contrary, imposition of anti dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of subject goods. It is noted that the imposition of anti dumping measures would not restrict imports from subject countries in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers. The consumers could still maintain two or even more sources of supply.

I. CONCLUSIONS:

124. The Authority has, after considering the foregoing, come to the conclusion that:

- A. The subject goods have been exported to India from subject countries below their normal values.
- B. The Domestic Industry has suffered material injury;
- C. The injury has been caused cumulatively by the dumped imports from subject countries.

125. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of definitive anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. For the purpose of determining injury margin, the landed value of imports has been compared with the non-injurious price of the domestic industry determined for the period of investigation. The margin of dumping and injury determined by the Authority is indicated in the paragraphs above.

126. Accordingly, the Authority recommends that the definitive anti dumping duties be imposed from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government on all imports of subject goods under chapters 84, 76 and 37 originating in or exported from subject countries. The Anti-Dumping duty shall be the amount mentioned in column 9 of the following table to be imposed from the date of Notification to be issued in this regard by the Central Government on all the imports of subject goods falling under Chapter 84, 76 and 37 of the Customs

Tariff Act, originating in or exported from the subject countries.

Sr. No.	Heading	Description of goods	Specification	Country of origin	Country of Export	Producer	Exporter	Amount US\$ per MT	Unit of Measurement	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
1	29171400	Maleic Anhydride	Any	China PR	China PR	Shanxi Regent Taiming Chemical Co Ltd	Shanxi Regent Works	82.35	MT	US\$
1	-do-	-do-	-do-	China PR	China PR	Shanxi Regent Taiming Chemical Co Ltd	Any Other Exporter	203.61	MT	US\$
2	-do-	-do-	-do-	China PR	China PR	Jiangyin Shunfei Fine Chemical Factory	Goldlink Industries Co Ltd	94.34	MT	US\$
2	-do-	-do-	-do-	China PR	China PR	Jiangyin Shunfei Fine Chemical Factory	Any Other Exporter	203.61	MT	US\$
4	-do-	-do-	-do-	China PR	China PR	Changzhou Yabang Chemical Co Ltd	Changzhou Yabang Chemical Co Ltd	94.32	MT	US\$
5	-do-	-do-	-do-	China PR	China PR	Changzhou Yabang Chemical Co Ltd	Any Other Exporter	203.61	MT	US\$
6	-do-	-do-	-do-	China PR	China PR	Any Other Producer	Any Exporter	203.61	MT	US\$
7	-do-	-do-	-do-	China PR	Any country other than China PR	Any	Any	203.61	MT	US\$
8	-do-	-do-	-do-	Any country other than China PR, Indonesia and Chinese Taipei	China PR	Any	Any	203.61	MT	US\$
9	-do-	-do-	-do-	Indonesia	Indonesia	PT Justus Sakti Raya	PT Justus Sakti Raya	54.04	MT	US\$
10	-do-	-do-	-do-	Indonesia	Indonesia	PT Justus Sakti Raya	Any exporter	203.61		
11	-do-	-do-	-do-	Indonesia	Indonesia	Any Other Producer	Any Exporter	203.61	MT	US\$
12	-do-	-do-	-do-	Indonesia	Any country other than Indonesia	Any	Any	203.61	MT	US\$
13	-do-	-do-	-do-	Any country other than Indonesia, China PR & Chinese Taipei	Indonesia	Any	Any	203.61	MT	US\$

14.	-do-	-do-	-do-	Chinese Taipei	Chinese Taipei	Any	Any	23.13	MT	US\$
15.	-do-	-do-	-do-	Chinese Taipei	Any country other than Chinese Taipei	Any	Any	23.13	MT	US\$
16.	-do-	-do-	-do-	Any country other than Chinese Taipei, China PR & Indonesia	Chinese Taipei	Any	Any	23.13	MT	US\$

127. An appeal against this order shall lie before the Customs Excise and Service Tax Appellate tribunal, in accordance with the relevant provisions of the Act.

R. GOPALAN, Designated Authority